दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

अंदर के पृष्ठों पर
3 राजधानी — भाजपा ने दर्द दिया, तो कांग्रेस...
4 संपादकीय — परिस्थितियों से सिखता है मनुष्य
9 मनोरंजन/खेल — सुशांत की अंतिम फिल्म दिल बेचारा...
11 व्यापार — महंगाई पर लगाम कसने सरकार...

www.navpradesh.com | रायपुर, मंगलवार 16 जून 2020, आषाण कृष्ण पक्ष-दशमी, विक्रम संवत-2077 वर्ष-09 अंक-126 पृष्ठ-12 मूल्य-3 रुपए | छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, झारखंड, से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

पड़ौसी मुल्क पाकिस्तान के वजीरे आजम इमरान खान चाहे जितने भी नाकाबिल, नालायक और नाशुक्रे हो लेकिन उनकी एक खूबी काबिले तारीफ है कि उनमें गजब का आत्मविश्वास है। भले ही आतंकिस्तान में हिन्दु अल्प संख्यकों के सिर पर हर पल तलवार लटकती रही हो लेकिन मियां इमरान खान हिन्दुस्तान के अल्पसंख्यकों के हितों को लेकर भारत को नसीहत देते रहते हैं। अब उन्होंने भारत को मनी ट्रांसफर का गुरूमंत्र देने की पेशकश कर के यह साबित कर दिया है कि भले ही उनके भेजे में भूसे जितना भी दम नहीं है। लेकिन वे किसी अर्थशास्त्री से कम नहीं है।

कोरोना : हाई रिस्क एक्सपोजर होने पर रहना होगा 14 दिन क्वारंटाइन

■ आई.सी.एम.आर. मापदण्ड के अनुसार होगी कोविड जांच

■ कोरोना की रोकथाम के लिए नई गाइडलाइन जारी

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। राज्य में कोरोना के बढ़ते आंकड़ों ने राज्य सरकार को भी चिंता में डाल दिया है। स्वास्थ्य विभाग ने अब कोरोना संक्रमण्ण को लेकर नया गाइडलाइन जारी किया है। इसमें संक्रमित मरीज के डिस्चार्ज और वारियर्स के लिए क्वारंटाईन नियम में बदलाव किया गया है। सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार ने कोविड-19 के उपचार और अन्य प्रासंगिक कार्यों के लिए समय-समय पर दिशा निर्देश जारी करने तकनीकी समिति का गठन किया था। जिनके सुझाव के बाद स्वास्थ्य विभाग ने कोविड-19 अस्पतालों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए ड्यूटी के बाद क्वारंटाइन के संबंध में कई दिशा निर्देश जारी किया है। राज्य सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश के अनुसार अब राज्य के विभिन्न कोविड-19 अस्पतालों में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए उनकी कोविड अस्पताल में ड्यूटी के पश्चात क्वारंटाइन के संबंध में वर्तमान में केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करना है। कोविड अस्पताल के अधीक्षक/नोडल ऑफिसर को यह सुनिश्चित करना होगा की कार्यरत स्वास्थ्य कर्मचारियों का एक्सपोजर हाई-रिस्क या लो-रिस्क है। हाई-रिस्क में आये समस्त अधिकारी/कर्मचारियों को 14 दिनों के लिए क्वारंटाइन किया जाएगा। आई.सी.एम.आर. मापदण्ड के अनुसार उनकी कोविड जांच भी की जाएगी। वे सभी स्वास्थ्य अधिकारी-कर्मचारी जिन्हे लो-रिस्क एक्सपोजर की कैटेगरी में रखा जाएगा। ऐसे अधिकारियों-कर्मचारियो को 7 दिन के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

राज्य में कोरोना संक्रमित मरीजों का आकड़ा 1662 पहुंचा

939 सक्रिय मरीजों का ईलाज जारी

छत्तीसगढ़ में कोरोना वायरस की महामारी के बीच अब यहां कोनोरा संक्रमितों का आकड़ा 1662 पहुंच गया है, जिनमें 939 सक्रिय मरीज है, वहीं अब तक 715 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद डिस्चार्ज भी किए गए है। 14 जून को राज्य में 113 नये मरीज मिले है, हालांकि 84 भर्ती मरीज डिस्चार्ज भी किए गए है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार कल देर रात तक राज्य में कोरोना के कुल 113 नये संक्रमित मरीज मिले है, जिसके बाद कोरोना संक्रमितों का आकड़ा 1662 पहुंच गई है।

कोरोना संक्रमण काल में राज्य सरकार के कामकाज को सराहा गया

निगम मंडलों में नियुक्तियां का खुल गया रास्ता

■ समन्वय समिति की बैठक में बनी सहमति

■ प्रदेश कांग्रेस प्रभारी पुनिया ने की तारीफ

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बने लगभग डेढ़ साल पूरे होने को है, लेकिन अब तक जो निगम मंडल की आस लगाए दावेदार बैठे थे उसे संक्रमणकाल ने एक तरह से ग्रहण लगा दिया था। कोरोना संकट ने उनकी उम्मीदों पर ब्रेक लग गया था और वे मानकर चल रहे थे कि दीवाली तक कुछ होना नहीं हैं लेकिन समन्वय समिति की हुई बैठक में जो संकेत मिले हैं सकारात्मक कह सकते हैं इसलिए कि स्वंय कांग्रेस प्रभारी पुनिया ने कहा है कि इन नियुक्तियों से कोई अतिरिक्त आर्थिक भार सरकार पर नहीं पड़ेगा। सरकार निगम-मंडलों में जल्द नियुक्ति करेगी। बैठक में प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया ने सरकार के कामकाज की तारीफ की, विशेषतौर पर कोरोनाकाल में राज्य सरकार ने काफी अच्छा काम किया है। वीडियो कॉफ्रेंस के जरिए समन्वय समिति की बैठक में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरकार के योजनाओं की जानकारी दी और कोरोना महामारी के दौर में राहत उपायों से भी समिति को अवगत कराया। बैठक के बाद मीडिया से चर्चा में समन्वय समिति के सदस्य और नगरीय प्रशासन

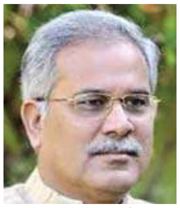

मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया ने कहा कि निगम मंडल की नियुक्ति में खर्च में कटौती का कोई असर नहीं होगा। कई पदों में सिर्फ भत्ते की पात्रता है। निगम-मंडल ने नियुक्ति से अतिरिक्त भार नहीं पड़ेगा। प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया की सहमति से जल्द सूची बनाई जाएगी। उल्लेखनीय है कि निगम मंडलों में नियुक्ति के लिए प्रदेश के करीब ढाई हजार से अधिक नेताओं-कार्यकर्ताओं ने बायोडाटा दिए हैं। माना जा रहा है कि करीब दर्जनभर निगमों में नियुक्तियां हो सकती है।

स्वसहायता समूहों के 40 हजार परिवारों को मिला रोजगार

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहली बार वनोपज की सरकारी खरीदी हुई है। स्वसहायता समूहों के माध्यम से संग्रहण हुआ है। इससे करीब 40 हजार परिवारों को रोजगार मिला है। श्री बघेल ने बताया कि वनोपज की खरीदी के मामले में छत्तीसगढ़ देश में अव्वल नंबर पर रहा है।मुख्यमंत्री ने कोरोना रोकथाम के लिए सरकारी प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में बताया गया कि प्रदेश में कोरोना नियंत्रण में है। करीब सवा तीन लाख मजदूर बाहर से आए हैं। जिन्हें क्वॉरंटीन कर रखा गया है। प्रवासी मजदूरों के लिए रोजगार मूलक कार्यों की जानकारी दी। साथ ही बताया कि न्याय योजना के जरिए राजीव गांधी की जयंती पर दूसरी किश्त दी जाएगी, जिससे किसानों को राहत मिलेगी। प्रदेश प्रभारी पीएल पुनिया ने कॉफ्रेंस में सरकार के कार्यों की सराहना की। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव, ताम्रध्वज साहू, प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम सहित अन्य प्रमुख नेता मौजूद थे।

अब तक 3.75 लाख प्रवासी श्रमिक और अन्य लोग सकुशल लौटे छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री की पहल पर श्रमिक स्पेशल ट्रेनों, बसों एवं अन्य माध्यमों से अब तक 3 लाख 75 हजार प्रवासी श्रमिक और अन्य लोग सकुशल छत्तीसगढ़ लौटे हैं। इनमें 78 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के माध्यमों से 1 लाख 6 हजार 928 श्रमिक शामिल हैं। गृहराज्य लौटने पर प्रवासी श्रमिकों ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया है। उल्लेखनीय है कि नोवेल कोरोना वायरस (कोविड-19) के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

मनरेगा के बाद अब जल जीवन मिशन के जरिए सरकार देगी 30 हजार करोड़ रुपए

राज्यों को 2020-21 में 30 हजार करोड़ रुपए उपलब्ध कराए जा रहे हैं

■ केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन स्कीम की शुरुआत की है

■ इस स्कीम के तहत 14.8 ग्रामीण परिवारों के घर में पानी का कनेक्शन पहुंचाने की योजना है

मंत्रालय के अनुसार पहली किश्त पहले ही उन राज्यों को दी जा चुकी है, जिन्हें पैसों की जरूरत थी

नई दिल्ली (ए.)। मनरेगा के बाद अब केंद्र सरकार ने जल जीवन मिशन स्कीम की शुरुआत की है। इस नई योजना के जरिए सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था में पैसे डालने की सोच रही है। राज्यों को 2020-21 में 30 हजार करोड़ रुपए उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस स्कीम के तहत 14.8 ग्रामीण परिवारों के घर में पानी का कनेक्शन पहुंचाने की योजना है। राज्यों के पास पहले से ही 6,429.92 करोड़ रुपए हैं और 2020-21 में बाकी के 22,695.50 करोड़ का भी आवंटन कर दिया गया है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि राज्यों के पास 29,125.42 करोड़ रुपए उपलब्ध रहेंगे। मंत्रालय के अनुसार पहली किश्त पहले ही उन राज्यों को दी जा चुकी है, जिन्हें पैसों की जरूरत थी। 2020-21 के लिए आवंटित किए गए पैसों में से 11,500 रुपए बजट में आवंटित किए गए थे और 12 हजार करोड़ अतिरिक्त बजट के तौर पर आवंटित किए गए हैं। पीएम मोदी ने 15 अगस्त 2019 को घोषणा की थी कि इस मिशन से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बूस्ट मिलेगा और रोजगार के नए मौके भी पैदा होंगे। इस योजना के तहत प्रति व्यक्ति 55 लीटर पेय जल पाइपलाइन के जरिए मुहैया कराया जाएगा। इसमें गांवों में पानी ■ शेष पृष्ठ 8 पर

आइंस्टीन के उद्धरण के साथ राहुल ने मोदी पर साधा निशाना

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने लॉकडाउन के बावजूद कोरोना वायरस संक्रमण के लगातार बढ़ रहे मामलों पर चिंता जाहिर करते हुए सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा और महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन को उद्धृत कर उन पर तीखा प्रहार किया। श्री गांधी ने ट्वीट किया,÷अज्ञानता से ज्यादा खतरनाक एक चीज होती है और वह है घमंड- आइंस्टीन। लॉकडाउन से यह साबित होता है। उन्होंने कहा कि देश में कोरोना वायरस को रोकने के लिए लागू किए गये लॉकडाउन पर आइंस्टीन का यह उद्धरण एकदम चरितार्थ होता है। गौरतलब है कि देश में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 3.32 लाख से आगे निकल चुकी है।

पंचतत्व में विलीन हुए सुशांत सिंह राजपूत

मुम्बई के पवन हंस श्मशान घाट में हुआ अंतिम संस्कार

मुंबई (ए.)। बॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत पंचतत्व में विलीन हो गए। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को उपनगरीय विले पार्ले स्थित पवन हंस श्मशान घाट में किया गया। इस दौरान उनके पिता, परिवार के अन्य लोग और करीबी दोस्त मौजूद रहे। कोविड 19 प्रोटोकॉल की वजह से सुशांत की अंतिम यात्रा में 20 से अधिक लोग शामिल नहीं हो पाए। बेटे सुशांत की मौत की खबर सुनकर आज उनके पति चचेरे भाई और अन्य रिश्तेदारों के साथ पटना से मुंबई पहुंचे थे। दूसरी तरफ उनकी दोस्त रिया चक्रवर्ती मुंबई के कूपर अस्पताल पहुंची थीं, जहां सुशांत का शव रखा गया था। सुशांत की अंतिम यात्रा में शामिल होने के लिए बॉलीवुड सेलेब्स श्मशान घाट पहुंचे। श्रद्धा कपूर और कृति सेनन अपने दोस्त को अंतिम विदाई दी।

अच्छी खबर

सर्वदलीय बैठक में एकसाथ मिलकर काम करने पर सहमति

नयी दिल्ली (वार्ता)। दिल्ली में कोरोना के बेकाबू होते हालात पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ सोमवार सर्वदलीय बैठक हुई जिसमें सभी नेताओं ने राजधानी में कोरोना की रोकथाम के लिये एकसाथ मिलकर काम करने पर सहमति जताई। साउथ ब्लॉक में करीब डेढ घंटा चली बैठक के बाद बाहर आए दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि बैठक में शामिल सभी नेता दिल्ली को कोरोना से ऊबारने के लिये मिलकर काम पर सहमत थे। श्री गुप्ता ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा गृहमंत्री ने बैठक में बताया कि 20 जून तक दिल्ली सरकार रोजाना कोविड-19 की 18 हजार जांच शुरु कर देगी। उन्होंने कहा नियंत्रण जोनों में घर-घर जाकर कोरोना जांच होगी। दिल्ली में 242 कंटेनमेंट जोन है।

कोरोना अपडेट

देश	टोटल केस	मौत
भारत	3,36,318	9,596
अमेरिका	2,166,530	117,884
ब्राजील	867,882	43,389
ब्रिटेन	295,889	41,698
इटली	236,989	34,345
फ्रांस	157,220	29,407
स्पेन	291,008	27,136
मैक्सिको	146,837	17,141
बेल्जियम	60,100	9,661
ईरान	189,876	8,950
जर्मनी	187,843	8,875
कनाडा	98,787	8,146
रूस	537,210	7,091
पेरु	229,736	6,688
नीदरलैंड	48,948	6,065
टर्की	178,239	4,807

शेयर बाजार

सेंसेक्स- 33780.89
निफ्टी- 9972.90
गोल्ड- 47355 (10 ग्रा.)
सिल्वर- 47741 (1 कि ग्रा.)

भारतीय उच्चायोग के दो अधिकारियों को इस्लामाबाद पुलिस ने किया गिरफ्तार : रिपोर्ट

इस्लामाबाद (ए.)। पूरी दुनिया जहां कोरोना वायरस के खिलाफ जंग लड़ रही है, वहीं हमारा पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान भारत के खिलाफ अलग ही साजिश रच रहा है। भारत में आतंकी मंसूबों के नाकाम होने से बौखलाई पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई इस्लामाबाद में तैनात भारतीय राजनयिकों को परेशान कर रही है। रविवार सुबह इस्लामाबाद में तैनात दो भारतीय राजनयिकों के अपहरण की खबर के बाद अब पाकिस्तानी मीडिया ने दावा किया है कि इनको इस्लामाबाद पुलिस ने हिट एंड रन मामले में गिरफ्तार किया है।

एक्सीडेंट मामले में राजनयिकों की गिरफ्तारी का दावा

जियो टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, दूतावास के पास की सड़क पर भारतीय राजनयिकों की बीएमडब्लू कार से एक पाकिस्तानी नागरिक का एक्सीडेंट हुआ था लेकिन उन्होंने वहां से भागने की कोशिश की। जिसके बाद इस्लामाबाद पुलिस ने अतंरराष्ट्रीय नियम-कानूनों को ताक पर रखते हुए भारतीय राजनयिकों को कथित तौर पर गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि डिप्लोमेटिक कानूनों के अनुसार कोई भी देश किसी दूसरे देश के राजनयिक को गिरफ्तार नहीं कर सकती।■ शेष पृष्ठ 8 पर

छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी तरह से एक्टिव

■ मौसम विभाग ने जारी किया यलो अलर्ट

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर । छत्तीसगढ़ में दक्षिण पश्चिम मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। मानसून की अच्छी रफ्तार होने के चलते इस बार मानसून पूरे प्रदेश में जल्दी सक्रिय हो गया है। इधर मौसम विभाग ने कल और परसों के लिए यलो अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार दक्षिण पश्चिम मानसून आगे बढ़ते हुए उत्तर अरेबियन सागर के कुछ और भाग, गुजरात के अधिकांश भागों पर, मध्यप्रदेश के कुछ भाग, छत्तीसगढ़ के शेषा इलाकों, झारखंड और बिहार तथा पूर्वी उत्तरप्रदेश के कुछ भागों तक पहुंच गया है। मानसून की उत्तरी सीमा इस समय कांडला, अहमदाबाद, इंदौर, नरसिंहपुर, उमरिया तथा बेलिया तक विस्तृत हो चुका है। इधर मौसम विभाग ने आगामी 48 घंटों के लिए यलो अलर्ट जारी करते हुए राज्य में एक-दो स्थानों पर भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। इसके अलावा तेज आंधी-तूफान के साथ तेज बौछारें पड़ने की भी संभावना जताई है। राजधानी रायपुर के लालपुर स्थित मौसम केन्द्र के ■ शेष पृष्ठ 8 पर

विवाद — राजनीतिक कारणों से नेपाल ने गलत फैसले लिए, अब सुधारने की जिम्मेदारी भी नेपाल पर ही

भारत सख्त, अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी नेपाल सरकार की

■ नेपाल का रूख निर्भर करेंगे दोनों देशों के बीच आगे का रिश्ता

■ महीने के अंदर भारत ने सचिव स्तर की बातचीत के 2 ऑफर दिए

■ लेकिन सभी ऑफर पर नेपाल की ओर से कोई पहल नहीं की गई

नई दिल्ली (ए.)। भारत ने नेपाल पर अपना रुख कड़ा कर दिया है। सूत्रों के मुताबिक भारत ने साफ कर दिया है कि नेपाल की हरकतों ने मुश्किल स्थिति पैदा कर दी है और अब बातचीत के लिए सकारात्मक और अनुकूल माहौल बनाने की जिम्मेदारी नेपाल सरकार की है। नेपाल ने भारत के विरोध के बावजूद अपने विवादित नक्शे से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक को संसद में पेश किया। इस नक्शे में भारत के तीन इलाको लिपुलेख, लिंपियाधुरा और कालापानी को शामिल किया गया है। नेपाली संसद के निचले सदन में इसे मंजूरी मिल चुकी है।सूत्रों के मुताबिक भारत ने कहा है कि हालिया दिनों में नेपाल की मौजूदा सरकार ने राजनीतिक कारणों से एकतरफा फैसले लिए हैं। भारत ने दोनों देशों के बीच सीमा के विवाद को सुलझाने के लिए बार-बार लगातार नेपाल के सामने बातचीत का प्रस्ताव रखा। लेकिन इसकी अनसुनी करते हुए नेपाल की दोनों संसद ने ऐसा ■ शेष पृष्ठ 8 पर

नेपाल को दी जा रही मदद पर कोई असर नहीं

मौजूदा संकट के बारे में कहा गया कि महज एक महीने के अंदर भारत ने सचिव स्तर की बातचीत के 2 ऑफर दिए। कोरोना संकट के बीच वर्चुअल बातचीत के बारे में नेपाल सरकार से संपर्क किया गया। लेकिन सभी ऑफर पर नेपाल की ओर से कोई पहल नहीं की गयी। भारत ने आगे जल्दबाजी में बातचीत की पहल अपनी ओर से नहीं करने का संकेत देते हुए कहा कि अब बातचित का माहौल बनाने की जिम्मेदारी नेपाल पर है। दोनो देशो के बीच गहरे सम्बद्ध रहे हैं। हालांकि खराब होते संबंध की आशंका के बीच भारत ने यह भी साफकिया कि नेपाल में भारत की मदद से चल रही अलग-अलग प्रोजेक्ट पर इसका कोई असर नहीं होगा।

एक भी बच्चा सिग्नल पर भीख मांगते दिखा तो इसे माना जाएगा चाइल्ड लाइन की चूक

जिला बाल संरक्षण समिति की बैठक में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे ने दिये स्पष्ट निर्देश, कहा चाइल्ड लाइन और टास्क फोर्स मिल कर सुनिश्चित करें

दुर्ग (नवप्रदेश)। सिग्नल पर भीख माँगते बच्चों के मामले में कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे ने चाइल्ड लाइन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि कोई भी बच्चा सिग्नल पर भीख माँगता नजर आया तो इसे चाइल्ड लाइन की चूक माना जाएगा। चाइल्ड लाइन और टास्क फोर्स इस संबंध में कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों के पेरेण्ट्स पर कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा कि चाइल्ड लाइन की अहम जिम्मेदारी ऐसे सभी बच्चों को लेकर है और इसे पूरी दक्षता से निभाया जाना चाहिए। कलेक्टर ने ऐसे बच्चों के बारे में निर्देश दिए जिन्होंने अपने अभिभावकों को खो दिया है। उन्हें संरक्षण में ■ शेष पृष्ठ 8 पर

जीएमसी अमृतसर में वेंटिलेटर पर रखे गए 21 मरीज, सभी की गई जान

■ जरूरत के बावजूद दो मरीजों को वेंटिलेटर पर नहीं रखा गया और उन्हें बचा लिया गया

■ पठानकोट, गुरदासपुर और चिंतपूर्णी मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर हो रहे बेकार

अमृतसर (ए.)। कोरोना महामारी के बीच कई चिंताजनक खबरें सामने आ रही हैं। अब चौंकाने वाली खबर पंजाब के अमृतसर से आई है। यहां पर मेडिकल कॉलेज के गुरु नानक देव अस्पताल में जितने भी कोरोना मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा गया उनमें से किसी की भी जान नहीं बचाई जा सकी। शनिवार सुबह तक यहां 21 मरीजों की मौत हो चुकी थी। मरीजों की इस तरह हो रही मौतों पर अस्पताल प्रशासन के ऊपर सवाल खड़े हो रहे हैं। हालांकि अस्पताल प्रशासन का कहना है कि मरीजों के परिजन उन्हें देरी से अस्पताल लाए जिसके कारण उनकी जान नहीं बच पाई।

अमृतसर का जीएमसी कोविड-19 के गंभीर मरीजों का रेफरल सेंटर हैं। यहां पर पंजाब के आठ जिलों से गंभीर मरीजों को रेफर करके भेजा जाता है। आंकड़े देखें तो जिन भी मरीजों को यहां वेंटिलेटर पर जान बचाने के लिए रखा गया उनमें से एक भी मरीज की जान नहीं बच सकी।

रविवार को सबसे ज्यादा आए मरीज

अमृतसर में रविवार को राज्य के सबसे ज्यादा कोरोना मरीज सामने आए। यहां 613 मरीज पॉजिटिव मिले हैं जबकि सबसे ज्यादा मौतें भी यहीं हुई हैं। अस्पताल के अधीक्षक डॉ. रमन ने बताया कि जीएमसी में शनिवार को कुल 967 मरीजों को लाया गया। इनमें से 21 मरीजों की जान नहीं बचाई जा सकी। अभी 60 मरीजों को ऑक्सिजन सपॉर्ट पर रखा गया है।

ऐसे मरीजों को वेंटिलेटर की पड़ती है जरूरत

वेंटिलेटर वह मेडिकल उपकरण होता है जो गंभीर फेफड़ों की बीमारी के मरीजों को हवा और ऑक्सिजन फेफड़ों तक पहुंचाता है। इससे सांस न ले पाने वाले मरीजों को सांस मिलती है। कोरोना वायरस से बुरी तरह प्रभावित मरीजों के लक्षणों में से एक यह भी है कि कई मरीजों के फेफड़े इतनी बुरी तरह प्रभावित होते हैं और वे सांस नहीं ले पाते हैं।

एक भी मरीज की नहीं बचाई जा सकी जान

अस्पताल की प्रिंसिपल डॉ. सुजाता शर्मा ने इस मामले में पुष्टि करते हुए इंडियन एक्सप्रेस को बताया, 'यह बात सही है कि यहां पर जिन भी मरीजों को वेंटिलेटर पर रखा गया उनमें से किसी की भी जान नहीं बचाई जा सकी। सभी कोरोना मरीजों को वेंटिलेटर पर मौत हो गई है। जिन मरीजों को यहां लाया गया और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया, उनकी हालत पहले से ही गंभीर थी।'

आठ जिलों के मरीज यहां हो रहे भर्ती

डॉ. रमन ने बताया कि पंजाब के आठ जिलों से गंभीर मरीजों को जीएमसी में रेफर किया जा रहा है। यहां तक कि प्राइवेट अस्पतालों से भी बहुत ही बुरी स्थिति वाले मरीजों को यहां भेज दिया जाता है। कई मरीज ऐसे होते हैं जो पहले से ही वेंटिलेटर पर होते हैं। कुछ मरीज तो ऐसे थे जिन्होंने यहां आने के कुछ ही घंटों में दम तोड़ दिया। यहां मौतों का आंकड़ा ज्यादा इसलिए है क्योंकि मरीजों को लास्ट स्टेज में यहां लाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि अगर दुनिया के आंकड़ेदेखें तो वेंटिलेटर पर रखे गए मरीजों का मृत्युदर 98 से 100 फीसदी है।

हैरानी वाली बात यह है कि जीएमसी में दो गंभीर मरीजों की जान डॉक्टरों ने बचाई जिन्हें वेंटिलेटर की जरूरत थी लेकिन उन्हें वेंटिलेटर पर नहीं रखा गया। डॉक्टरों ने बताया कि जीएमसी में वर्कलोड ज्यादा है।

यहां के अलावा पठानकोट में तीन वेंटिलेटर हैं लेकिन वे कोविड-19 के मरीजों के लिए प्रयोग नहीं किए जा रहे हैं। पठानकोट के अलावा तीन वेंटिलेटर चिंतपूर्णी मेडिकल कॉलेज में है लेकिन वहां पर प्रशिक्षित स्टाफन होने के कारण वे प्रयोग में नहीं आ रहे हैं। यहां के मरीज भी जीएमसी ही भेजे जा रहे हैं। गुरदासपुर में भी छह वेंटिलेटर हैं लेकिन उनका भी प्रयोग नहीं हो रहा है।

नेपाल ने नए नक्शे में भारतीय इलाकों को किया है शामिल, संसद से भी किया पास

भारत-नेपाल रिश्ता 'रोटी-बेटी' का, इसे कोई ताकत नहीं तोड़ सकती : राजनाथ

भारत ने लिपुलेख तक एक लिंक रोड बनाई तो चिढ़ गया नेपाल, दिखा रहा तेवर

■ भारत लगातार कर रहा बातचीत की पेशकश लेकिन नेपाल की तल्खी कम कम होने का नाम नहीं ले रही

■ राजनाथ सिंह ने कहा- नेपाल को गलतफहमी, बातचीत के जरिए सुलझाएंगे

'लिंक रोड से नेपाल में पैदा हुई गलतफहमी'

सिंह ने बीजेपी कार्यकर्ताओं से बातचीत में कहा, पहले मानसरोवर जाने वाले यात्री सिक्किम के नाथुला का रूट लेकर जाते थे, जिससे अधिक समय लगता था। बॉर्डर रोड ऑर्गनाइजेशन ने लिपुलेख तक एक लिंक रोड का निर्माण किया, जिससे मानसरोवर जाने के लिए एक नया रास्ता खुल गया। हमारे पड़ोसी देश नेपाल में इस सड़क को लेकर कुछ गलतफहमियां पैदा हुई हैं। जिसे हम बातचीत के जरिए सुलझाएंगे। लिपुलेख में बनाई गई सड़क एकदम भारतीय सीमा के भीतर है।

नई दिल्ली (ए.)। नेपाल के साथ ताजा सीमा विवाद पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बातचीत की वकालत की है। सिंह ने सोमवार को कहा कि नेपाल को कुछ 'गलतफहमी' है जिसे बातचीत से सुलझाया जाएगा। वह उत्तराखंड के बीजेपी कार्यकर्ताओं को 'जन सम्वाद' कार्यक्रम के तहत संबोधित कर रहे थे, जब उन्होंने नेपाल का मुद्दा उठाया। उत्तराखंड से लगती सीमा पर ही नेपाल ने तनाव पैदा कर दिया है। रक्षा मंत्री ने कहा कि 'भारत-नेपाल के बीच असाधारण संबंध हैं, हमारे बीच रोटी-बेटी का रिश्ता है और दुनिया की कोई ताकत इसे तोड़ नहीं सकती।'

नेपाल-भारत की दोस्ती पर जोर

राजनाथ ने नेपाल को भारत के साथ उसकी याद दिलाने की कोशिश की। उन्होंने कहा, ÷नेपाल के साथ हमारे केवल सामाजिक, भौगोलिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रिश्ते ही नहीं बल्कि आध्यात्मिक रिश्ते भी हैं। भारत-नेपाल का रिश्ता 'रोटी-बेटी' का है। दुनिया की कोई भी ताकत इस रिश्ते को तोड़ नहीं सकती। हमारे यहां गोरखा रेजिमेंट ने समय समय पर अपने शौर्य का परिचय दिया है। उस रेजिमेंट का उद्घोष है कि जय महाकाली आयो री गोरखाली। महाकाली तो कोलकाता में कामाख्या में और विंध्याचल में सब जगह विद्यमान हैं और महाकाली के भक्त तो उत्तराखंड के गांव-गांव में मिल जाते हैं तो कैसे भारत और नेपाल का रिश्ता यह टूट सकता है। इसलिए धारचूला के आगे कितनी भी तारें लगा दी जाएं, इन संबंधों को बहनों भाइयों काटा नहीं जा सकता।

'मिल-बैठकर निकालेंगे विवाद का हल'

सिंह ने नेपाल के नागरिकों को विश्वास दिलाते हुए कहा, मैं विश्वास के साथ कहना चाहता हूं कि भारतीयों के मन में कभी भी नेपाल को लेकर किसी भी प्रकार की कटुता पैदा हो ही नहीं सकती है। इतना गहरा संबंध हमारे साथ नेपाल का है। हम मिल बैठकर इन सब समस्याओं का समाधान करेंगे।

नेपाल ने अपना रखा भारत विरोधी रुख

पिछले कुछ दिनों से नेपाल के तेवरों में चीन का असर साफ देखा जा रहा है। पहले उसने लिपुलेख लिंक रोड पर आपत्ति जताई। फिर अपने देश का नया नक्शा जारी करते हुए भारत के कई इलाकों को अपने सीमा में शामिल कर लिया। उसके बाद बिहार से लगे बॉर्डर पर अचानक नेपाली सशस्त्र पुलिस ने गोलियां बरसा दीं। हमले में एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई और दो घायल हो गए।

परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है चीनी ड्रैगन, भारत ने भी कसी कमर

यूएस से तनाव के बीच चीनी ड्रैगन बहुत तेजी से अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है

स्टॉकहोम (ए.)। दुनिया में सुपर पावर बनने की महत्वाकांक्षा रखने वाला चीनी ड्रैगन अब बहुत तेजी से अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ा रहा है। आलम यह है कि चीन अब पहली बार जमीन, हवा और समुद्र से दागे जाने वाले परमाणु हथियारों को बना रहा है। उधर, चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती से निपटने के लिए भारत ने भी कमर कस ली है और परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ा रहा है।

परमाणु हथियारों पर नजर रखने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था सिप्री की ताजा रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत और चीन दोनों ने ही पिछले साल अपने परमाणु हथियारों के जखीरे में इजाफा किया है।

पाक के पास कुल 160 परमाणु हथियार

उधर, पाकिस्तान अभी भी परमाणु हथियारों के मामले में भारत से थोड़ा आगे है। पाकिस्तान के पास कुल 160 परमाणु हथियार हैं। भारत के मुकाबले भले ही पाकिस्तान के परमाणु हथियार ज्यादा हों लेकिन भारतीय अधिकारी अभी भी अपनी परमाणु प्रतिरोधक क्षमता को लेकर आश्वस्त हैं। सिप्री की यह रिपोर्ट ऐसे समय पर आई है जब भारत और चीन के बीच तनाव अपने चरम पर है और लद्दाख में दोनों ही देशों की सेनाएं आमने सामने हैं।

हालांकि भारत के परमाणु हथियार चीन के आधे से भी कम हैं। सिप्री की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 150 और चीन के पास 320 परमाणु हथियार हैं। चीन ने पिछले एक साल में 30 परमाणु हथियार बढ़ाए हैं, वहीं भारत ने 10 एटम बम। एक तरफ परमाणु हथियारों से संपन्न तीनों एशियाई देश परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ा रहे हैं, वहीं दुनिया में कुल परमाणु हथियारों की संख्या में गिरावट आई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऐसा इस वजह से है कि दुनिया के 90 प्रतिशत परमाणु हथियार रखने वाले अमेरिका और रूस अपने परमाणु हथियारों को नष्ट कर रहे हैं। दुनिया के कुल 9 परमाणु हथियार संपन्न राष्ट्रों अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस, चीन, भारत, पाकिस्तान, इजरायल, उत्तर कोरिया के पास कुल 13,400 परमाणु हथियार हैं। परमाणु हथियारों की संख्या पिछले साल 13,865 थी। सिप्री ने कहा कि चीन अब अपने परमाणु हथियारों का सार्वजनिक तौर पर और ज्यादा प्रदर्शन कर रहा है। हालांकि चीन अपने परमाणु हथियारों के विकास के बारे में बहुत कम जानकारी साझा करता है।

दिग्विजय सिंह के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज होने के बाद मामला गरमाया

भोपाल(वार्ता)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से जुड़े वीडियो में छेड़छाड़ कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल करने के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेताओं की शिकायत के आधार पर यहां पूर्व मुख्यमंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के खिलाफ पुलिस की अपराध शाखा (क्राइम ब्रांच) ने प्राथमिकी दर्ज कर मामला जांच में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार अपराध शाखा में कल रात प्राथमिकी दर्ज की गयी है। छेड़छाड़ कर वीडियो वायरल करने की घटना में दिग्विजय सिंह और 11 अन्य को आरोपी बनाया गया है। अब इस मामले की जांच भी शुरू कर दी गयी है।

केरल के सीएम की बेटी वीणा ने रियाज से की शादी

केरल। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की बेटी वीणा ने रियाज से की शादी। राज्य के मुख्यमंत्री आवास क्लिफ हाउस सोमवार को छोटे से समारोह का आयोजन किया गया ता। शादी में वीणा और रियाज के पक्ष से केवल परिवार के बेहद करीबी लोग ही शामिल हुए। वीणा पिनाराई विजयन और कमला की बड़ी बेटी हैं। शादी समारोह के दौरान वीणा ने पीले रंग की साड़ी पहनी। उन्होंने अपने बालों में गजरा भी लगा रखा था। शादी के दौरान वह बेहद खुश नजर आ रही थीं। वहीं रियाज ने सफेद रंग की शर्ट और परंपरागत सफेद रंग की धोती बांध रखी थी। हालांकि वीणा ने बहुत जेवर नहीं पहना न ही मेकअप किया। वह बहुत ही सादगी से तैयार हुई थीं।

तलाशशुदा हैं वीणा और रियाज

रियाज और वीणा कई वर्षों से एक दूसरे को जानते हैं। दोनों का तलाक लगभग पांच साल पहले हुआ था। दोनों ने अपनी दोस्ती को अब रिश्ते में बदलने को ठानी है। बताया जा रहा है कि दोनों ने खुद एक दूसरे को चुना है और इस शादी का फैसला लिया था। दोनों की शादी की तारीख पांच दिन पहले ही सार्वजनिक की गई थी। वीना की पहली शादी से एक बच्चा है, वहीं रियाज के पहली पत्नी से दो बच्चे हैं। वीना सॉफ्टवेयर इंजिनियर हैं। वीणा बेंगलुरु में अपनी खुद की एक सॉफ्टवेयर कंपनी चलाती हैं। जबकि रियाज की उम्र 39 साल है और वह पेशे से एक वकील हैं।

लोकसभा चुनाव हार गए थे रियाज

कॉलेज के दिनों से ही राजनीति में आए रियाज 2009 में कोझीकोड लोकसभा सीट से चुनाव लड़े थे। हालांकि वह कांग्रेस के एमके राघवन से चुनाव हार गए थे। वह छ्ङ्घस्नढ्ढ के पहले राष्ट्रीय संयुक्त सचिव थे। 2017 में उन्हें डीवाईएफआई का अध्यक्ष बनाया गया था। 37 साल की वीणा बेंगलुरु में एक्सालॉजिक नाम की एक सॉफ्टवेयर कंपनी चलाती हैं। इससे पहले वह ओरेकल में आठ साल तक काम कर चुकी हैं। इसके अलावा वह आरपी टेकसॉफ्ट में दो साल सीईओ के पद पर भी काम कर चुकी हैं। उन्होंने 2015 में स्टार्टअप के तहत अपनी कंपनी लॉन्च की थी। डीवाईएफआई के एक नेता ने बताया कि रियाज और वीणा कई वर्षों से एक दूसरे को जानते हैं। दोनों का तलाक लगभग पांच साल पहले हुआ था। दोनों ने अपनी दोस्ती को अब रिश्ते में बदलने को ठानी है। बताया जा रहा है कि दोनों ने खुद एक दूसरे को चुना है और इस शादी का फैसला लिया है। मोहम्मद रियाज कोझिकोड के रहने वाले हैं। उनके पिता पीएम अब्दुल खादर आईपीएस अधिकारी थे। चाचा पीके मोइदेंकुट्टी 1941 में केरल कांग्रेस के अध्यक्ष थे। उन्होंने सेंट जोजफस्कूल और फारूख कॉलेज में पढ़ाई के दौरान एसएफआई जॉइन किया था। तब वह इसमें एक कार्यकर्ता थे।

कोरोना का इलाज करने में सक्षम 29 संभावित दवाओं की पहचान

बेंगलुरु (ए.)। बीते कई महीनों से कोरोना वायरस पर अलग-अलग रिसर्च कर रहे इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंसेज ने 29 ऐसी दवाओं की पहचान की है, जिनका इस्तेमाल कोरोना मरीजों के इलाज के लिए किया जा सकता है। आईआईएससी ने जीनोमिक्स स्टडी के आधार पर 29 ऐसी दवाओं की पहचान की है। आईआईएससी में प्रोफेसर नारायणसामी श्रीनिवासन, सोहिनी चक्रबर्ती और स्नेहा भीमीरेड्डी की टीम ने इन दवाओं की पहचान करते हुए एक रिसर्च पेपर तैयार किया है। शोध करने वाले प्रोफेसर्स ने बताया कि प्राथमिक अध्ययन के आधार पर हमने करीब 20 ऐसी दवाओं की पहचान की है, जिन्हें लोग जानते हैं और इनका इस्तेमाल इलाज में हो सकता है। इसके अलावा 9 इन्वेस्टिगेशनल ड्रग मॉलिक्यूल्स की पहचान भी की गई है। रिसर्च करने वाली टीम का कहना है कि स्टडीज में जो तथ्य सामने आए हैं, उनपर अभी और शोध किया जा रहा है। फिलहाल हमारे अध्ययन में जो बातें निकल कर सामने आई हैं, उनपर और काम करने की जरूरत है। हमने ऐसा इसलिए किया है जिससे कि बायोटेक्नॉलजिस्ट और बायोमेडिकल रिसर्चर्स को एक्सपेरिमेंटल सेटअप में हमारे शोध में मिले तथ्यों से मदद मिल सके।

गुजरात में सीटी स्कैन से हो रही कोरोना की जांच, डॉक्टर बोले-'ज्यादा भरोसेमंद'

अहमदाबाद (ए.)। गुजरात के अहमदाबाद में एक डॉक्टर को मई के अंतिम सप्ताह में कोरोना वायरस के लक्षण नजर आए। डॉक्टर ने आरटी-पीसीआर कोविड-19 टेस्ट कराया। टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई। हालांकि उनके सहयोगी डॉक्टरों ने उन्हें हाई रेसोलेशन कॉम्युटेड थोमोग्रैफी (॥ह्म्ष्टञ्ज) से अपनी छाती की स्क्रीनिंग कराई। स्क्रीनिंग में उनकी छाती में धब्बे नजर आए। यह धब्बे कोविड-19 के लक्षणों वाले थे। डॉक्टर ने अपना फिर से कोविड-19 टेस्ट कराया तो वह

आरटीपीसीआर टेस्ट से ज्यादा विश्वसनीय

सीटी स्कैन की विश्वसनीयता आरटीपीसीआर टेस्ट से कहीं ज्यादा है। सीटी स्कैन वायरस की गंभीरता की सही स्थिति सामने ले आता है। 70 से ज्यादा मरीजों की सीटी स्कैन से कोरोना जांच करने वाले डॉ. प्रियांक मेहता ने कहा कि हमारे दोनों फेफड़ों के भागों के पैचेस के आधार पर स्कोर दिया जाता है। अगर यह स्कोर 12 तक है तो इसका मतलब वायरस सामान्य स्थिति में है। अगर यह स्कोर 18 से ज्यादा होता है तो इसका मतलब है कि वायरस गंभीर है।

पॉजिटिव आया। यह डॉक्टर 125 लोगों में से एक हैं जिनकी डॉ. अमित गुप्ता ने फ्री स्क्रीनिंग की है। डॉ. अमित गुप्ता ने बताया कि उन्होंने बीते दस दिनों में 125 लोगों की स्क्रीनिंग में 73 कोरोना वायरस पॉजिटिव मिले। डॉ. अमित ने बताया, 'बड़ी संख्या में डॉक्टर कोरोना वायरस की चपेट में आ रहे हैं, उसके बाद मैंने यह स्क्रीनिंग शुरू की। 30 डॉक्टरों का सीटी स्कैन किया और वे आरटीपीसीआर टेस्ट में कोरोना पॉजिटिव मिले।' डॉ. गुप्ता के बाद कई क्रिटिकल केयर स्पेशलिस्ट और रेडियॉलजिस्ट ने कोडिव-19 की स्क्रीनिंग के लिए सीटी स्क्रीनिंग शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इस तरह का अभ्यान महामारी के दौरान किया जा सकता है। डॉक्टरों ने बताया कि स्कोर के आधार पर मरीजों का इलाज भी किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस टेस्ट में गलती के लगभग शून्य चांस होते हैं जबकि आरटीपीसीआर टेस्ट में बहुत खामियां हैं।

चीन की शह पर अब नेपाल उठाने वाला है यह नया कदम, अमेरिका को देगा झटका!

■ बता दें कि नेपाल ने भारत के साथ विवाद के बाद एक नया नक्शा बना लिया है

■ अमेरिका काठमांडू को मदद के लिए एक बड़ी राशि देने पर सहमत हुआ है

नई दिल्ली (ए.)। भारत के साथ नक्शा विवाद और रिश्तों में कड़वाहट घोलने के बाद नेपाल अब चीन की शह पर अमेरिका को झटका देने की कोशिशों में जुटा है। कुछ कथित खबरों के मुताबिक पेइचिंग नेपाल के सत्तारूढ़ दल को अमेरिका की एक मदद को ठुकराने के लिए दबाव बना रहा है। बता दें कि भारत के साथ सीमा गतिरोध के बीच नेपाल ने नया नक्शा बनाया है। इस नक्शे में लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा को नेपाल ने अपने क्षेत्र में दिखाया है। भारत नेपाल के इस नक्शे को खारिज कर चुका है।

मदद में चीन लगा रहा अड़ंगा!

मिलैनियम चैलेंज कोऑपरेशन के तहत अमेरिका ने नेपाल की एक परियोजना के लिए मदद दे रहा है। वॉशिंगटन 2017 इस मदद को सहमत हुआ था। ईटी को पता चला है कि अमेरिका की इस मदद के लेने पर सहमति जताने के कारण चीन और सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के रिश्तों में तल्खी आई थी। कहा जा रहा है कि चीन अब इस मदद में अड़ंगे लगा रहा है।

सड़क और पावर ट्रांसमिशन के लिए मदद

अमेरिका ने 500 मिलियन डॉलर की मदद को तैयार हुआ था जबकि नेपाल 130 मिलियन डॉलर खुद निवेश करता। इस मदद से नेपाल एक पावर ट्रांसमिशन लाइन और 300 किलोमीटर सड़कों को अपग्रेड करने वाला था।

एनसीपी सरकार में मदद पर मतभेद

काठमांडू से ईटी को एक सूत्र ने बताया कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाला **एनसीपी** सरकार में इस मदद को लेकर मतभेद की खबरें आई थीं क्योंकि उन्हें डर था कि इस मदद के कारण चीन के साथ रिश्ते खराब हो सकते हैं। इस मदद का विरोध करने वालों का कहना था कि एमसीसी का लक्ष्य अमेरिका का इंडो-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को कम रहना है। उनका कहना था कि एमसीसी को स्वीकार करना सही नहीं होगा।

विरोधियों के खिलाफ ओली की चाल?

नेपाल की नब्ज पर करीबी नजर रखने वाले एक सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि एक समय भारत का करीबी सहयोगी ओली इस वक्त देश में खुद को मजबूत करने में लगे हैं और नई दिल्ली के खिलाफसख्त तेवर दिखा रहे हैं। नेपाल का सत्तारूढ़ जमात अपने फायदे के लिए जनता को दरकिनार कर रही है।

मदद का विरोध

बता दें कि अमेरिका-नेपाल के बीच हुए इस समझौते को 30 जून तक संसद से मंजूरी लेनी होगी लेकिन मतभेद के कारण इसे अभी संसद में पेश ही नहीं किया जा सका है। सीनियर पार्टी लीडर पुष्प कमल दहल प्रचंड, जेएन खनाल, माधव कुमार नेपाल और भीम राव अमेरिकी मदद का विरोध कर रहे हैं।

न्यूज गैलरी

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव की वर्चुअल रैली कांसेप्ट से संगठन सक्रिय

नेताप्रतिपक्ष और राज्यसभा सांसद रामविचार ने बोला धावा

रायपुर (नवप्रदेश)। छत्तीसगढ़ प्रदेश भाजपा संगठन के नए अध्यक्ष विष्णुदेव साय की सक्रियता का नतीजा है कि पार्टी के दिग्गज नेता प्रदेश सरकार को घेरने लगी है। वर्चुअल रैली की शुरुआत पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष भाजपा डॉ.रमन सिंह ने की थी। आज सोमवार को रैली का मोर्चा नेताप्रतिक्ष धरमलाल कौशिक और राज्यसभा सांसद रामविचार नेताम ने सम्हाला। दोनों ही दिग्गज नेताओं ने भूपेश सरकार पर खुलकर हमला किया। सरगुजा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभा का यह कांसेप्ट प्रदेशाध्यक्ष श्री साय का है। बता दें कि जिस दिन उन्हों ने पद सम्हाला उसी दिन से वे आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी के लिए आह्वान कर दिए थे। हार के बाद प्रदेश संगठन काफी सदमें था और उसे ही तेवर के साथ फिर मैदान में सक्रिय करने का यह सिलसिला उनके प्रदेश अध्यक्ष बनते ही शुरु हो गया है। आज केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए प्रदेश सरकार पर जमकर भाजपा नेता बरसे।

कांग्रेस पार्षद पुरुषोत्तम बेहरा 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। रायपुर नगर निगम जोन अध्यक्ष चुनाव में जोन क्रमांक तीन में क्रास वोटिंग करने के मामले में शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा बनाई गई जांच समिति ने जांच पूरी कर ली है, जांच रिपोर्ट में उन्होंने पार्षद पुरुषोत्तम बेहरा को दोषी बताया है। इस आधार पर कांग्रेस पार्षद बेहरा को पार्टी विरुद्ध कार्य करने के कृत्य को अनुशासनहीनता मानते हुए 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिया है।

60 प्रतिशत किसान उठा चुके खाद-बीज

रायपुर। राज्य में कोरोना संकट के बीच भी मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अन्नदाता किसानों के लिए लगातार काम कर रहे हैं। इसी क्रम में राज्य में खाद-बीज की पूरी व्यवस्था कराई गई है। मानसून लगने के साथ ही राज्य के करीब 60 प्रतिशत किसान अपने लिए खाद-बीज उठा चुके हैं, इससे इस वर्ष उन्हें खेती-किसानी के लिए किसी प्रकार की कठिनाई नहीं होगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने किसानों के लिए जारी संदेश में कहा कि कृषि विभाग और सहकारिता विभाग ने किसानों को तकलीफ से बचाने के लिए प्रत्येक सोसायटी में खाद-बीज की व्यवस्था की है।

राज्य में 1 लाख 59 हजार से अधिक लोग क्वारेंटीन में

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जिस तेजी के साथ कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़ रही है, वहीं क्वारेंटीन में संदिग्धों की संख्या में भी इजाफा होते जा रहा है। वर्तमान में 01 लाख 59 हजार 276 लोग क्वारेंटीन सेंटरों में रखे गये है। इसके अलावा 54 हजार 850 लोग होम क्वारेंटीन में भी है।

अलवर में फंसी कांकेर की आदिवासी युवतियों का माकपा ने उठाया मामला, कहा-

भाजपा ने दर्द दिया, तो कांग्रेस दवा से कर रही इंकार

■ माकपा सचिव संजय पराते बोले 3000 आदिवासी बाहर फंसे हुए हैं

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के प्रदेश सचिव संजय पराते का आरोप है कि प्रदेश के आदिवासी युवक-युवतियां बाहरी राज्यों में फंसे पड़े हैं। बताया कि कांकेर जिले की 19 से 24 वर्ष की 28 युवतियों के कोरोना संकट के कारण राजस्थान के अलवर में फंसे होने की पुष्ट की। इसी तरह दावा किया कि 3000 से अधिक आदिवासी युवक-युवतियां पूरे देश के विभिन्न राज्यों में हैं। जिन्हें भाजपा सरकार ने बिना किसी नियंत्रण, नियमन व शर्तों के प्राइवेट कंपनियों को बंधुआ मजदूरी के लिए सौंप दिया था। अब कांग्रेस सरकार भी उनकी घर वापसी की सुध नहीं ले रही है।

अपने आरोप की पुष्टि में माकपा ने एक ऑडियो व एक वीडियो रिकॉर्डिंग भी जारी किया है। वीडियो रिकॉर्डिंग में यह बच्चियां भूपेश सरकार से हाथ जोड़कर घर वापसी का इंतजाम करने के लिए प्रार्थना कर रही है। ऑडियो रिकॉर्डिंग माकपा राज्य सचिव संजय पराते से बातचीत का है, जिसमें इन लड़कियों ने

अपनी हालत का बयान किया है, जिससे दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत किए गए एक बड़ी साजिश व फर्जीवाड़े की परत खुलती नजर आती है।

माकपा सचिव संजय पराते ने आज पत्रकारों को बताया कि भाजपा सरकार के समय दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना के तहत ग्रामीण आदिवासी बच्चों को रोजगार का प्रशिक्षण देने और उसके बाद न्यूनतम वेतन से अधिक पर काम देने की योजना बनाई गई थी और इस योजना के लिए केंद्र सरकार से फंड प्राप्त किया गया। यह प्रशिक्षण क्वेस कॉर्प लिमिटेड और अन्य प्राइवेट एजेंसियों के जरिए करवाया गया था। कांकेर जिले में यह प्रशिक्षण लाइवलीहुड कॉलेज में किया गया था। क्वेस कॉर्प लिमिटेड का ऑफिस अवंती विहार, रायपुर में है। प्रशिक्षण देने वाली इन कंपनियों ने इन आदिवासी युवाओं को सरकार की पूरी जानकारी में आउटसोर्सिंग के नाम पर कई प्राइवेट कंपनियों की गुलामी के लिए सौंप दिया, जो इन्हें सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन भी नहीं देती। इन प्राइवेट कंपनियों के लिए इन आदिवासी बच्चों से काम करवाने के लिए कोई नियम-शर्ते भी तय नहीं किए गए। बताया महज आठ-नौ हजार रुपये देकर काम करवाया जा रहा हैं। इन्हीं पैसों से वे अलवर में किराए के मकान में रहते हैं, अपने लिए भोजन का प्रबंध करते हैं और बचाकर अपने घरों की आर्थिक मदद भी करते हैं। वर्ष 2017 में कांकेर के लाइवलीहुड कॉलेज से अलवर में भेजी गई इन युवतियों के वेतन में आज तक कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है और लॉक डाउन अवधि के दौरान मार्च से अभी तक उन्हें वेतन के रूप में फूटी कौड़ी तक नहीं मिली है।

क्वेस कॉर्प कंपनी के हवाले से गंभीर आरोप

माकपा सचिव पराते ने इस मामले को उजागर करते हुए और क्वेस कॉर्प कंपनी के अधिकारियों के साथ हुई बातचीत के हवाले से आरोप लगाया है कि पूरे प्रदेश से इस तरह प्राइवेट कंपनियों की बंधुआ चाकरी के लिए सुनियोजित रूप से सौंपे गये आदिवासी बच्चों में से 3000 से ज्यादा बच्चे आज भी कोरोना संकट के कारण अलग-अलग राज्यों में फंसे पड़े हैं और जिन्हें सुरक्षित ढंग से वापस लाने की सुध नहीं ली जा रही है। इस संबंध में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से प्रार्थना पत्र में तत्काल कार्रवाई करते हुए अलवर में फंसे कांकेर जिले के 37 लोगों में से 20 युवतियों की सूची जारी की है, जो घर वापसी के लिए पंजीयन कराने के बाद भी अभी तक इस इंतजार में बैठी है कि उनकी वापसी का कोई इंतजाम सरकार करेगी।

प्रदेश सरकार के संरक्षण में चल रहा माफिया राज : कौशिक

शराब, भू-माफिया और वादाखिलाफी पर बरसे नेता प्रतिपक्ष

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता व प्रदेश विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने कहा है कि प्रदेश में इन दिनों माफिया राज चल रहा है। प्रदेशभर में रेत माफिया, शराब माफिया और भू माफियाओं को प्रदेश सरकार का संरक्षण मिला हुआ है और ऐसा लग रहा है कि प्रदेश सरकार ने छत्तीसगढ़ को इन माफियाओं के हाथों सौंप दिया है। भाजपा यह सब नहीं चलने देगी। श्री कौशिक सोमवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे स्मृति परिसर में भाजपा द्वारा आहूत जिला जनसंवाद कार्यक्रम के तहत सरगुजा जिला की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभा को संबोधित कर रहे थे। विदित रहे, प्रदेश भाजपा द्वारा केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तर पर इन सभाओं का आयोजन रखा जा रहा है और यह सभा इस क्रम में दूसरे दिन की दूसरी सभा थी। नेता प्रतिपक्ष ने प्रदेश सरकार की विफलताओं पर प्रहार करते हुए कहा कि प्रदेश में रेत खदानें बंद करने के बाद भी उत्खनन और परिवहन का काम बेखटके चल रहा है और ज़िम्मेदार अधिकारी इन मामलों में कोई कार्रवाई नहीं कर रहे हैं। इन अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं करने और रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन

करने के काम में किसका दबाव और संरक्षण है, बताने की ज़रूरत नहीं है। श्री कौशिक ने कहा कि शराबबंदी का वादा करके सत्ता में आई कांग्रेस के राज में शराब माफिया भी एकाएक सक्रिय हो चले हैं। ऑनलाइन शराब बिक्री के नाम पर शराब का दो नंबर का कारोबार फल-फूल रहा है। अब प्रदेश सरकार राज्य की कीमती सरकारी जमीन बेचने का एलान कर चुकी है। यह सरकार और भू माफियाओं की साठगांठ है। ज़मीन बेचने के ले क़ानून को सरल करने की बात कही जा रही है। जब सरकार को अपने ले ज़मीन की ज़रूरत होगी तो फिर वह कहाँ से जमीन लाएगी? फिर यह ज़मीन ज़रूरतमंदों को नहीं, भू माफियाओं को मिलेगी। छत्तीसगढ़ में प्रदेश सरकार के संरक्षण में चल रहा है माफिया राज। नेता प्रतिपक्ष श्री कौशिक ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के कामकाज की चर्चा करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने एकात्म मानववाद का चिंतन किया और अंतिम पंक्ति के अंतिम व्यक्ति की चंता की, प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में उन सपनों को साकार किया और दूसरे कार्यकाल में केंद्र सरकार ने ऐतिहासिक व क्रांतिकारी फैसले लेकर न केवल देश की पूर्व सरकारों की ऐतिहासिक ग़ल्तियों का परिमार्जन किया, अपितु विश्व मंच पर भारत की नेतृत्व क्षमता को प्रामाणिकता प्रदान की। सवर्णों को आर्थिक आधार पर आरक्षण, सर्जिकल व एयर स्ट्राइक, राम मंदिर निर्माण, धारा 370 व अनुच्छेद -35ए की समाप्ति, तीन तलाक़ क़ानून, नागरिकता संसोधन क़ानून आदि की चर्चा भी श्री कौशिक ने अपने संबोधन में की और कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के सक्षम व सबल नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भर देश बन रहा है। सभा की शुरुआत में विधायक व प्रदेश प्रवक्ता शिवरतन शर्मा ने भी अपने विचार रखे। इस मौके पर भाजपा नेता छगन मूंदड़ा, सरगुजा प्रदेश मंत्री अनुराग सिंहदेव, ज़िला भाजपा अध्यक्ष अखिलेश सोनी सहित काफी संख्या में पदाधिकारी, कार्यकर्ता मौजूद थे।

प्रदेश सरकार की गलत नीतियों को हम करेंगे उजागर : राम विचार

मोदी सरकार की खूबियां और भूपेश सरकार की धोखाधड़ी बताए

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व संसद सदस्य (राज्यसभा) रामविचार नेताम ने छत्तीसगढ़ की कांग्रेस सरकार पर हमला बोलते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं से आग्रह किया है कि वे प्रदेश सरकार की वादाख़िलाफ़ी, धोखाधड़ी और छलावे से प्रदेश के घर-घर तक पहुँचाएँ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने जो उपलब्धियाँ अर्जित की हैं, उन्हें लेकर भाजपा देशभर में 10 करोड़ लोगों से सीधे संपर्क करेगी। सोमवार को यहाँ कुशाभाऊ ठाकरे स्मृति परिसर में भाजपा द्वारा आहूत जिला जनसंवाद कार्यक्रम के तहत बस्तर जिला की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सभा को संबोधित कर रहे थे। विदित रहे, प्रदेश भाजपा द्वारा केंद्र सरकार के दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष पूर्ण होने पर जिला स्तर पर इन सभाओं का आयोजन रखा जा रहा है और यह सभा इस क्रम में दूसरे दिन की पहली सभा थी। भाजपा अजजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद श्री नेताम ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने पहले कार्यकाल में ग़रीबों, आदिवासियों, किसानों, मज़दूरों, युवाओं, महिलाओं आदि सभी वर्गों के लिए जो काम किया है, वे एक मिसाल हैं। केंद्र सरकार के

दूसरे कार्यकाल के एक वर्ष में धारा 370 और अनुच्छेद 35-ए को ख़त्म करते हुए जम्मू-कश्मीर व लद्दाख को केंद्र शासित प्रदेश बनाकर उन्हें विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है। श्री नेताम ने श्रीरामजन्मभूमि पर मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त करने और तीन तलाक़ क़ानून व नागरिकता संशोधन क़ानून बनाने को केंद्र सरकार के साहसिक व क्रांतिकारी फैसले बताया। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बस्तर को एक मॉडल के तौर पर विकसित करने की चिंता की और उस दिशा में सार्थक प्रयास किए। आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार ने तेंदूपत्ता की खरीदी बंद करा इन श्रमिकों के साथ भी अन्याय किया है। बस्तर और सरगुजा में आदिवासियों के लिए इमली, साल बीज, चिरौंजी तेंदूपत्ता संग्रहणआदि वनोपज ही अर्थोपार्जन का जरिया है, लेकिन प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने इन वनोपजों की मार्केटिंग का काम ही नहीं किया। प्रदेश सरकार को इन मज़दूरों की चिंता ही नहीं है। पूर्ववर्ती भाजपा राज्य सरकार और प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार के कामों का जिक्र करते हुए भाजपा अजजा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद श्री नेताम ने कहा कि आज कामधंधों के अभाव में प्रदेश से सर्वाधिक पलायन पिछले एक साल में हुआ है। केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं प्रदेश में या तो बंद कर दी गई हैं या फिर शुरू ही नहीं की गई हैं। कोरोना की रोकथाम में प्रदेश सरकार को पूरी तरह विफल बताते हुए श्री नेताम ने कहा कि प्रदेश सरकार ने प्रवासी मज़दूरों की वापसी को लेकर दोहरे राजनीतिक चरित्र का परिचय दिया। श्री नेताम ने इस मोर्चे पर केंद्र सरकार के फैसलों और रणनीतिक उपायों की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के रूप में देश को एक सक्षम व सबल नेतृत्व मिला है और हर भारतीय को इस बात पर फ़ख्र है।

सरगुजा जन संवाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई

नेताप्रतिपक्ष धरम लाल कौशिक बिल्हा से सम्बोधित कर रहे है। मंच पर विधायक शिवरतन शर्मा , छगन मूंदड़ा , नवीन मार्कण्डेय उपस्थित ।

शराबबंदी पर पूर्व सीएम रमन पर मंत्री डहरिया का आरोप

जो खुद शाम को बैठकर पीते हैं, वो कर रहे हैं ऐसी मांग!

■ गंभीर चारित्रिक आरोप के बाद किया सवाल, 15 साल क्यों नहीं किए बंद

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। विधानसभा सत्र से लेकर अब शराब पर रार सड़क में आती दिख रही है। शराबबंदी को लेकर भाजपा व्दारा कांग्रेस सरकार पर लगाए जा रहे आरोप से बौखलाए नगरीय निकाय मंत्री शिव डहरिया ने बेबाक बयान दिया है। शराबबंदी के लिए पूर्व सीएम डॉ.रमन सिंह व्दारा राज्य सरकार के खिलाफ बयान देने के सवाल पर बौखलाहट में मंत्री डहरिया ने ऐसा कह दिया कि सभी आवाक रह गए। बता दें कि लगातार भाजपा नेता भूपेश सरकार पर शराबबंदी का वादा कर सत्ता हासिल करने के बाद वादा खिलाफी करने का आरोप लगाते आए हैं। शराब माफियाओं पर भी लगातार विपक्ष सरकार को घेरे में लेता रहा है। शराबबंदी नहीं किये जाने के डॉ रमन के आरोप पर मंत्री डहरिया ने आज पत्रकारों को ऐसा जवाब दिया कि सभी चौंक गए। मंत्री ने पलटवार करते हुए कहा कि ऐसे लोग जो शाम को बैठकर पीते हैं वो शराबबंदी की मांग करते हैं। मंत्री डहरिया के बयान का अर्थ खोजें तो वे या तो पूर्व मुख्यमंत्री पर सीधे आक्षेप लगाते दिखे या फिर उनकी नजर में शराबबंदी की मांग करने वाले सभी ऐसे ही लगते हैं। हालाकि ऐसे लोग शराबबंदी की मांग करें तो हमारी सरकार ने कहा है कि इसको चरणबद्ध तरीके से करेंगे। डहरिया ने कहा कि हमने इसके लिए कमेटी का गठन किया है जिसकी रिपोर्ट आने पर किया जाएगा। सवाल किया कि रमन सिंह ने खुद ही घोषणा किया था कि वो शराबबंदी करेंगे लेकिन 15 सालों से उन्होंने नही किया क्यों नही किया, वो खुद ही बताएं। हमारी सरकार के घोषणा पत्र में जो बातें है उसका क्रियान्वयन होगा उसके लिए समय है।

मंथन...

शहर के एंट्री पॉइंट तेलीबांधा में मुख्य सचिव और महापौर...ऑन स्पॉट

रायपुर (ए.)। महापौर एजाज ढेबर के साथ छत्तीसगढ़ राज्य के मुख्य सचिव आर.पी. मंडल, नगर निगम आयुक्त सौरभ कुमार के द्वारा आज शहर के एंट्री पॉइंट तेलीबांधा थाने के आस पास की ज़मीनों का निरीक्षण किया गया। भविष्य में इस जगह किए जाने वाले विकास कार्य पर गहन चर्चा करते हुए ऑन द स्पॉट मिले। राजधानी को स्वरूप देने के लिए प्रयासरत महापौर श्री ढेबर और कलेक्टर रहते हुए श्री मंडल ने शहर के लिए काफी कुछ किया है। इसी मुद्दे पर चर्चा और आगे की रूप रेखा बनाते हुए दोनों परिलक्षित हो रहे हैं।

कोरोना महामारी काल में मदद के बजाय भाजपा मात्र राजनीति कर रही: कांग्रेस

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। क्वॉरेंटाइन सेंटर को लेकर राजनीति कर रहे भाजपा को कांग्रेस ने कड़ा जवाब दिया प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि देश कोरोना महामारी संकट से निजात पाने जंग लड़ रही है। लोगो की कोरोना महामारी के कारण अकाल मृत्यु हो रही हैं और भाजपा मोदी सरकार के गुणगान कर रही है।छत्तीसगढ़ क्वॉरेंटाइन सेंटर भाजपा शासित राज्यों उत्तरप्रदेश बिहार मध्यप्रदेश गुजरात सहित अन्य राज्यो से बेहतर एवँ सुव्यवस्थित क्वॉरेंटाइन

सेंटर है।मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की सरकार महामारी को रोकने शुरुआत में कड़े फैसले लिए और महामारी को नियंत्रित करने ठोस रणनीति बनाये कारगर उपाय किए इसका ही परिणाम है कि छत्तीसगढ़ में कोरोना महामारी आज अन्य राज्यों की तुलना में नियंत्रित है।जनता सुरक्षित है।देश के विभिन्न हिस्सों से छत्तीसगढ़ लौटे प्रवासी श्रमिकों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में 21,014 क्वॉरेंटाइन सेंटर्स बनाए गए हैं। इन सेंटर्स में वर्तमान में 1,31,606 लोग रह रहे हैं। वहीं 14 दिनों की क्वॉरेंटाइन अवधि पूरी कर चुके 2,55,346 श्रमिकों को वापस घर भेजा जा चुका है।स्वास्थ्य विभाग द्वारा विभिन्न जिलों में 166 क्वॉरेंटाइन सेंटर्स संचालित किए जा रहे हैं, जहां बिस्तरों की कुल संख्या 5515 है।

संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश का मोदी सरकार पर आरोप

■ मजदूरों से 50 रू. से 100 रू. अतिरिक्त किराया वसूला गया

■ श्रमिक स्पेशल ट्रेने अव्यवस्था और कुप्रबंधन का शिकार रही

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। श्रमिक स्पेशल ट्रेन में अव्यवस्था कुप्रबंधन मजदूरों से ज्यादा किराया लेने के आरोप लगाते हुये प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि सब्सिडी तो दूर की बात है, मोदी सरकार ने वास्तव में श्रमिक ट्रेनों के लिए अतिरिक्त शुल्क वसूला है। करोना आपदा के समय केन्द्र की मोदी सरकार का रवैया पूरी तरह से गलत आपत्तिजनक एवं जनविरोधी रहा है। मोदी सरकार के कुप्रबंधन और गलत फैसलों का खामियाजा पूरे देश ने और खासकर गरीब मजदूर किसान, मध्यम वर्ग, निजी नौकरी करने वालों, व्यापार जगत और उद्योग जगत ने भुगता है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि केंद्र सरकार का दावा

पूरी तरह से गलत है कि वह श्रमिक ट्रेनों के किराए में 85 प्रतिशत सब्सिडी दे रही है। राज्य सरकारों और मजूदरो से भी श्रमिक ट्रेनों के किराए के लिए प्रति श्रमिक अतिरिक्त शुल्क लिया गया है। भाजपा सरकार और संगठन द्वारा किया जा रहा रेल किराये में 85 प्रतिशत सब्सिडी का आंकड़ा बिल्कुल गलत और निराधार है। केन्द्र सरकार अब यह स्पष्ट करे कि किस आधार पर 85 प्रतिशत किराया कम लेने का दावा किया जा रहा है?

छत्तीसगढ़ सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को दिए गए शपथ पत्र में कहा है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने 40 श्रमिक ट्रेनों के लिए 38,331,330 रू. भारतीय रेल को दिए हैं। केन्द्र सरकार ने तो मजदूरों को न केवल पूरा किराया बल्कि सामान्य किराए से भी ज्यादा किराया देने के लिए मजबूर किया। तिरुअनंतपुरम में, केरल से अंबिकापुर के लिए चलाई गई ट्रेन का कुल किराया 13 लाख रू., 12 सौ पैसेंजर हेतु लिए गए। अर्थात 1083 रू. प्रति पैसेंजर। जबकि मेल/एक्सप्रेस ट्रेन (स्लीपर) में 2675 किलोमीटर का किराया 813 रू. निर्धारित है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष शैलेश नितिन त्रिवेदी ने कहा है कि सरकार द्वारा निशुल्क भोजन पानी दिए जाने का दावा भी झूठ है। 50 से 100 रू. अतिरिक्त सामान्य किराए से अधिक वसूले गए है। इसके बावजूद भोजन पानी की समुचित व्यवस्था नहीं हो पाई।

संपादकीय

पाक की नापाक करतूत

पड़ोसी देश पाकिस्तान अपने नापाक इरादों से तौबा करने के लिए तैयार ही नहीं है। अब उसने पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चाआयोग के अधिकारी का पीछा करने की कोशिश की थी। यही नहीं बल्कि पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चाआयोग के दो कर्मचारी भी लापता हो गए है। निश्चित रूप से इसके पीछे भी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का ही हाथ हो सकता है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व ही भारत स्थित पाकिस्तानी उच्चाआयोग के दो कर्मचारी जासूसी के मामले में रंगे हाथों पकड़े गए थे। जिन्हें भारत ने पाकिस्तान भेज दिया था। वियना संधी के मुताबिक किसी भी उच्चाआयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। यदि उन पर जासूसी करने के आरोप लगते है तो उन्हें उनके देश भेज दिया जाता है। इसी की खीज मिटाने के लिए पाकिस्तान ने वहां स्थित भारतीय उच्चाआयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया है। जिसका भारत ने कड़ा विरोध किया है। वैसे इस तरह की हरकत पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। इसके पूर्व भी कई बार पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चाआयोग के अधिकारियों के साथ बदसलुकी की घटनाएं सामने आ चूंकि है। यदि पाकिस्तान इस तरह के हरकतों से बाज नहीं आता तो भारत को चाहिए कि वह पाकिस्तान के साथ सभी राजनयीक संबंध तोड़ दे और पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चाआयोग कार्यालय को बंद कर दें इसी तरह भारत स्थित पाकिस्तान उच्चाआयोग कार्यालय को भी बंद कर दे। वैसे भी पाकिस्तान के साथ अब भारत के संबंध दोस्ताना तो हरगिज नहीं है। पाकिस्तान लगातार भारत में आतंकवाद की आग को हवा देने का काम करता रहा है और सीमा पर भी संघर्ष विराम का उल्लंघन कर तनाव बढ़ाना का काम कर रहा है। जाहिर है कश्मीर में 370 के खात्मे के बाद से जिस तरह भारतीय सेना वहां आतंकवादियों को थोक के भाव में जहान्नुम रसिद कर रही है। इससे पाकिस्तान बूरी तरह बौखलाया हुआ है। पाक प्रशिक्षित आतंकवादियों की भी वह भारत में घुसपैठ नहीं करा पा रहा है। क्योंकि भारतीय सेना सीमा पर मुस्तैद है जो भी आतंकवादी सीमा पार करने की कोशिश करता है। उसे 72 हुरों के पास रवाना कर दिया जाता है। पाकिस्तान की खींज का एक कारण यह भी है कि पीओके में पाकिस्तान के खिलाफ बगावत फैलती जा रही है। पीओके के लोग पाकिस्तान के पंजे से मुक्त होकर भारत में विलय करना चाहते है। वैसे भी पीओके भारत का ही हिस्सा है जिस पर पाकिस्तान ने पिछले सात दशकों से अवैध कब्जा कर रखा है। भारत ने साफ कर दिया है कि वह पीओके को लेकर रहेगा। यही वजह है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ हर तरह की पैतरे बाजी कर रहा है। किन्तु उसके नापाक मनसूंबे कभी पूरे नहीं होंगे।

विचार

कोरोना में जीना और मरना, दोनों मुहाल

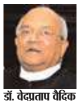

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कोरोना का संकट भी क्या गजब का संकट है। इसने लोगों का जीना और मरना, दोनों मुहाल कर दिए हैं। दुनिया के दूसरे मुल्कों के मुकाबले भारत में कोरोना बहुत वीभत्स नहीं हुआ है लेकिन इन दिनों जिस रफ्तार से वह बढ़ा चला जा रहा है, वह किसी भी सरकार के होश फाख्ता करने के लिए काफी है। पहले माना जा रहा था कि ज्यों ही मई-जून की गर्मी शुरु होगी, कोरोना भारत से भागता नज़र आएगा लेकिन ज्यों-ज्यों गर्मी बढ़ रही है, कोरोना भी उससे आगे दौड़ता चला जा रहा है। दिल्ली और मुंबई- जैसे शहरों में मरीज़ों के लिए बिस्तरों की कमी पड़ रही है और जो लोग जिंदा नहीं रह पाए, उनकी लाशों के अंतिम संस्कार के लिए भी जगह की कमी पड़ रही है। कोरोना की हालत में वे जो लोग घरों या अस्पतालों में कैद किए जाते हैं, वे डरते हैं कि किसी को पता न चल जाए कि वे कोरोना के मरीज़ हैं। जो जी नहीं पाते उनके घरवाले भी उनके अंतिम क्रिया-कर्म के लिए श्मशान घाट या कब्रिस्तान जाने में भी कतराते हैं। यह हालत देखकर मुझे मिर्जा ग़ालिब का यह शेर याद आता है:

हुए मरके हम जो रुस्वा, हुए क्यों न गर्के-दरिया ।
ना कभी जनाज़ा उठता, ना कहीं मज़ार होता ।।

ऐसी बुरी हालत में भी हमारे नेता लोग एक-दूसरे के साथ सहयोग करने की बजाय एक-दूसरे की टांग खींचने में भिड़े हुए हैं। ऐसा लगता है कि उनके दिल में दया कम, सत्ता की भूख ज्यादा है। यही हाल हमारे अस्पतालों का है। इसमें शक नहीं कि ज्यादातर डॉक्टर और नर्से अपनी जान पर खेलकर लोगों की सेवा कर रहे हैं लेकिन कुछेक अपवादों को छोड़कर सारे अस्पताल इस संकट में भी पैसा बनाने में लगे हुए हैं। सिर्फ जांच के लिए एक गरीब आदमी को अपनी महिने भर की तनखा दे देनी पड़ती है और अगर उसे भर्ती होना पड़े तो इलाज खर्च की राशि सुनकर ही उसका दम निकल जाएगा। मैं तो कहता हूं कि प्रत्येक कोरोना मरीज़ का इलाज मुफ्त होना चाहिए। दुनिया में सबसे ज्यादा और जल्दी ठीक होनेवाले मरीज भारत में ही हैं। गंभीर मरीज़ों की संख्या तो कम ही है। उन पर खर्च कितना होगा ? 20 लाख करोड़ नहीं, मुश्किल से एकाध लाख करोड़ रु. ! सरकार यह हिम्मत क्यों नहीं करती ? इतना तो कर ही सकती है कि इलाज़ के नाम पर चल रही लूटपाट वह तुरंत बंद करवा दे। जांच, दवा, कमरा और पूरे इलाज की राशि पर नियंत्रण लगा दे। राशि तय कर दे। गैर-सरकारी अस्पतालों का दम नहीं घोटना है लेकिन वे भी मरीज़ों का दम न घोटें, यह देखना जरुरी है।

परिस्थितियों से सिखता है मनुष्य

तेजबहादुर सिंह भुवाल

सूचना सहायक ग्रेड - एक
जनसंपर्क संचालनालय
छत्तीसगढ़ रायपुर

इस महामारी ने लोगों को स्वच्छता के प्रति ध्यान आकर्षित किया है, महामारी के बचाव के लिए वे बार-बार हाथ को साबुन से धोने, सेनेटाईजर का उपयोग एवं घर एवं समस्त वस्तुओं को भी साफसुथरा रखने का प्रयास कर रहे है। मुंह पर मास्क लगाने से न केवल स्वयं की सुरक्षा होती है बल्कि दूसरों को भी इसके संक्रमण के फैलने में रोकथाम होती है। मास्क पहनने से बहुत से विभिन्न प्रकार की श्वास संबंधी रोगों में कमी आई है। लोगों को अपने शारीरिक रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए योग, प्राणायाम, ध्यान करते रहे साथ ही नियमित रूप से आयुर्वेदिक काढ़ा, जिसमें तुलसी, गिलोय, कालीमिर्च, अदरक, लौंग का मिश्रण पीने से बहुत हद तक कोराना महामारी से बचा जा सकता है। इस महामारी के दौरान हमारे भारत वर्ष की सनातन धर्म की शिक्षा एवं संस्कार पुर्नजीवित हुआ है, जो दूसरो को अभिवादन के रूप में हाथ मिलाने के बजाय नमस्कार करना शामिल है। इस कोराना काल में जहां

मनुष्य जीवन में ऐसे बहुत से समय आते है जब उसे सुख-दुख, उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। मनुष्य जब सुखी जीवन व्यतीत करता है तो उसे आने वाली परिस्थितियों का कोई आभास नहीं होता है। वह अपने जीवन में दुनिया की चकाचौध भरे स्वप्न लोक में खोया रहता है। उसे नहीं पता होता कि आने वाले समय में उसके जीवन पर क्या विपत्तियां आएंगी। इससे अंजान मनुष्य निरंतर पैसे कमाने, सुख-सुविधाओं को बढ़ाने में लगा रहता है। जब वक्त बुरा आता है तो मनुष्य चिंताग्रस्त हो जाता है और इससे निकलने का प्रयास करता है। वह सोचने लगता है कि समय रहते इसका उपाए कर लेना चाहिए था, लेकिन समय निकल जाता है।

वर्तमान में कोरोना महामारी के कारण ऐसी विकराल परिस्थिति निर्मित हो गयी है, जिससे पूरी दुनिया सहम उठी हैं एवं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई है। इस कोराना महामारी कोविड-19 के कारण लोग अपने घरों पर विगत कई दिनों से लाकडाउन अवस्था में रह रहे है। सभी सोच रहे है कि ना जाने कब इस महामारी से छुटकारा मिले और सुख-शांति का माहौल बने रहे। भारत देश को छोड़कर अन्य देशों में कोरोना का संक्रमण अधिक है और वहां हालात गंभीर होते जा रहे हैं। भारत देश में कोरोना वायरस से लड़ने के लिए केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार ने बहुत कारगर कदम उठाये है, इसके बावजूद लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस महामारी से बचने के लिए शासन, प्रशासन लोगों को से घरों पर रहने का आग्रह कर रही है और आपसी दूरी बनाकर रहने की हिदायत भी दी जा रही है। अगर अभी नहीं संभले तो आने वाला समय बहुत भयंकर हो सकता हैं , जिस पर काबू पाना मुश्किल होगा।

इस महामारी की उत्पत्ति चीन के बुहान प्रांत से हुई है, जहां से संक्रमण बढ़ते-बढ़ते यूरोप होते हुए पूरी दुनिया में फैल गया है। एक ओर जहां इस महामारी ने विश्व के शक्तिशाली देश - अमेरिका, इटली, जर्मनी, रूस, फ्रांस जैसे देशों के होश उड़ा दिए हैं। वहीं भारत इस कोरोना वायरस से लड़ने के लिए चट्टान बनकर खड़ा है और पूरे भारतवासी मिलकर सामना कर रहे हैं। पूरी दुनिया में अब तक इस संक्रमण से लाखों लोगों की जाने जा चुकी हैं। दुनिया में कई वैज्ञानिकों ने कितने ही अविष्कार किए और देश को आगे बढ़ाने में अहम् भूमिका निभाई। इसके बावजूद इस समस्या का अभी तक कोई हल नहीं निकल पाया है। इस महामारी को रोकने के लिए किसी भी देश के द्वारा अभी तक कोई

वैक्सिन या कारगर दवाई नहीं बन पाई है। इस विश्वव्यापी संकट से निपटने के लिए हर संभव प्रयत्न किये जा रहे हैं। इससे बचने के लिए भरपूर प्रयास किये जा रहे हैं। हम लोगों के लिए पहला मौका है जब लोग स्वयं को मजबूरी से लॉकडाउन कर घर पर ही रह रहे है। इस समय पूरा देश थम सा गया है। इस विषम परिस्थिति का जल्द से जल्द ठीक होना हितकर है, इसके लिए सोशल डिस्टेसिंग का होना बहुत जरूरी है, उसके बावजूद लोग अनावश्यक घरों से बाहर आकर सड़कों पर घूम रहे है, जिससे उन्हें स्वयं एवं दूसरों को भी संक्रमण होने का खतरा बढ़ा रहे हैं। लॉकडाउन से एक ओर जहां संक्रमण कम हुआ वहीं दूसरी ओर देश एवं राज्य की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। इस लॉकडाउन से लाखों लोगों की जीविकोपार्जन पर संकट उत्पन्न हो गया है। अलग-अलग राज्यों में गए लोग एवं अध्ययन के लिए गए छात्र और मजदूरी के लिए गए मजदूर फंसे हुए है, जिन्हे सरकारें अपने-अपने ढंग से वापस लाने का प्रयास कर रही है। अधिकतर मजदूरों एवं छात्रों को वापस अपने-अपने राज्यों में लाया जा चुका है और उन्हें 14 दिन के लिए क्वारंटाईन पर रखकर कोरोना की जांच की जा रही है। स्वस्थ्य पाए जाने पर उन्हें घर भेजा जा रहा है। इन मजदूरों को रोजी, रोटी की चिंता सता रही है। वे दूसरे राज्यों में रहकर मजदूरी करते थे, उन्हें यहां रहकर क्या काम मिल पायेगा? इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार अनेक योजनाओं के माध्यम से लोगों को रोजगार एवं आत्मनिर्भर करने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार द्वारा एपीएल एवं बीपीएल राशन कार्ड हितग्राही सहित बिना राशनकार्ड वालों को भी को अनाज दिया जा रहा, ताकि कोई भूखा ना रहे। इस संकट से निकलने के लिए सभी वर्गों को धैर्य, सहशीलता एवं आत्मनिर्भरता की आवश्यकता है।

शासन ने लोगों की आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए लम्बे समय से चले आ रहे लाकडाउन को हटा कर सभी बाजार, दुकाने, छोटे उद्योग, कंपनी खोलने के आदेश दे दिए गए है, जिससे लोगों का काम-धंधा शुरू हो सके, लेकिन इससे हर क्षण खतरा बना हुआ है। लॉकडाउन खुलने से संक्रमित लोगों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जो एक खतरे की घंटी हो सकती है। इस बचाव कार्य के मुहिम में डॉक्टर, स्वास्थ्य कर्मी, पुलिस, सफाई कर्मी, मीडिया कर्मी एवं बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं का बहुत बड़ा योगदान है। समूचे विश्व में अनेको बिमारी जैसे-चेचक, टीबी, स्वाईन फ्लू, हैजा, पोलियो इत्यादि अनेक महामारियों से लाखों लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है, परन्तु समय रहते उस पर मनुष्य ने विजय प्राप्त की है। कोरोना तात्कालिक है, देर सबेर इस पर भी नियंत्रण पा सकेंगे। फिलहाल इसके लिए हमें शासकीय निर्देशों का पालन करते हुए फिजीकल डिस्टेंसिंग को ध्यान रख कर हमेशा मुंह पर मास्क का उपयोग करना अति आवश्यक है। इस समय का सदुपयोग मनुष्य अपने घरों में रहते हुए विभिन्न प्रकार के कौशल विकास पर ध्यान केन्द्रित करके आत्मनिर्भता को बढ़ाया जा सकता है। जैसे-घर पर ही मास्क तैयार करना, सेनेटाईजर निर्माण, गृह उद्योग आदि के माध्यम से आर्थिक स्थिति भी ठीक कर सकते हैं।

चिंता : फसलों का काल बनते टिड्डी दल

योगेश कुमार गोयल

ये अपने वजन के आधार पर अपने से कहीं भारी आम पशुओं के मुकाबले आठ गुना ज्यादा तेज रफ्तार से हरा चारा खा सकती हैं। एलडब्ल्यूओ के मुताबिक दुनियाभर में टिड्डियों की दस प्रजातियां सक्रिय हैं, जिनमें से चार प्रजातियां रेगिस्तानी टिड्डी, प्रवासी, बॉम्बे तथा ट्री टिड्डी भारत में देखी जाती रही हैं। इनमें रेगिस्तानी टिड्डी सबसे खतरनाक मानी जाती है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार जिस भी इलाके में टिड्डी दल का हमला होता है, वहां सारी फसल चौपट हो जाती है। दरअसल टिड्डी दल प्रायः बहुत बड़े समूह में होता है, जो हरी पत्तियों, तने और पौधों में लगे फलों को चट कर जाता है। यही नहीं, यह जिस भी हरे-भरे वृक्ष पर बैठता है, उसे भी पूरा नष्ट कर देता है। यूएन द्वारा टिड्डी मारक कीटनाशकों के छिड़काव के लिए 10 मिलियन डॉलर की मदद दी जा चुकी है लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार अभी भी इस कार्य के लिए 70 मिलियन डॉलर अतिरिक्त फंड की आवश्यकता है।

एक ओर जहां भारत कोरोना संकट से बुरी तरह जूझ रहा है, वहीं पिछले दिनों अम्फन और निसर्ग जैसे तूफानों ने भी चुनौतियों को बढ़ाया है। उत्तर भारत में बार-बार आ रहे हलके भूकम्प के झटके भी लोगों को डरा रहे हैं। इन मुसीबतों के बीच पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान, पंजाब, सिंध प्रांतों से भारत आ रहे टिड्डी दलों के हमले से देश के कई राज्यों में किसान खासे परेशान हैं। राजस्थान से शुरू हुआ टिड्डी दलों का कहर देखते ही देखते अब कई राज्यों में देखा जा रहा है। अनेक स्थानों पर टिड्डियों द्वारा पशुओं के चारागृहों तक को नष्ट करने की खबरें भी आई हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि इससे पशुओं के लिए चारे की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। विशाल टिड्डी दलों द्वारा विभिन्न राज्यों के हजारों गांवों में लाखों हेक्टेयर फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया जा चुका है और टिड्डी दलों का यह कहर अभी कम से कम अगले महीने तक बरकरार रहने की संभावनाएं जताई गई हैं। फसलों पर होने वाले टिड्डियों के इन हमलों से न केवल किसान बल्कि सरकार और वैज्ञानिक भी खासे परेशान हैं क्योंकि ऐसे हमले थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद बार-बार हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन (एएफओ) इस वर्ष व्यापक पैमाने पर टिड्डी दल के प्रकोप की आशंका पहले ही जता चुका था लेकिन एएफओ की चेतावनी को दरकिनार करने का ही नतीजा रहा कि टिड्डी दलों का प्रकोप कई राज्यों तक फैल गया है। टिड्डी नियंत्रण विभाग के उपनिदेशक डा. के एल गुर्जर का कहना है कि पाकिस्तान अपने क्षेत्र में टिड्डियों पर नियंत्रण करने में पूरी तरह नाकाम रहा है, जिस कारण टिड्डियों के होपर्स एडल्ट होकर बड़ी संख्या में राजस्थान की सीमा से भारतीय क्षेत्र में आए हैं। उनके मुताबिक अगले कुछ दिनों में इन टिड्डियों की समर ब्रीडिंग के बाद इनकी बढ़ी जनसंख्या बहुत बड़ा खतरा बन सकती है।

फिलहाल देशभर में कई टीमें टिड्डी दलों पर नियंत्रण करने की कोशिशों में लगी हैं। केन्द्र सरकार द्वारा एयरक्राफ्ट, ड्रोन तथा विशेष प्रकार के दूसरे उपकरणों के जरिये टिड्डियों को नष्ट करने की योजना बनाई जा रही है। इन विशेष उपकरणों का इस्तेमाल टिड्डियों पर नजर रखने के लिए किया जाएगा जबकि कीटनाशकों का छिड़काव कर फसलों को टिड्डियों से बचाने का प्रयास किया जाएगा। टिड्डियों के हमले को लेकर स्थिति की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों जब तीन टिड्डी दलों ने राजस्थान की ओर से मध्य प्रवेश में प्रवेश किया था तो वे दल करीब 8-10 किलोमीटर लंबे थे।

यह पहला मौका नहीं है, जब पाकिस्तान द्वारा अपने इलाके में टिड्डियों पर नियंत्रण करने में नाकाम रहने पर टिड्डी दल वहां से होते हुए भारत में फसलों को बर्बाद करने पहुंचे हैं। वहां पहले भी कई बार टिड्डी दलों के हमले हो चुके हैं और टिड्डियों के विशाल झुंडों ने वहां अनाज तथा सब्जियों की फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। इसी वर्ष फरवरी माह में तो टिड्डियों से निपटने के लिए पाकिस्तान सरकार को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा तक करनी पड़ी थी। उस दौरान भी पाकिस्तान से भारत आए टिड्डी दलों ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात इत्यादि राज्यों में फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचाया था। पिछले साल भी देश के कई हिस्सों के अलावा राजस्थान के दर्जन भर जिले टिड्डियों के प्रकोप से बुरी तरह प्रभावित हुए थे, जहां नौ महीनों के दौरान टिड्डी दलों ने सात लाख हैक्टेयर से अधिक इलाके में फसलों का सफाया कर दिया था। वर्ष 2017 में बोलीविया की सरकार को भी एक बड़े कृषि क्षेत्र में टिड्डियों के हमले के कारण आपातकाल घोषित करना पड़ा था। कई देशों में तो टिड्डी दलों के हमलों के बाद खाद्य सुरक्षा को लेकर संकट उत्पन्न हो गया है। सोमालिया, इथियोपिया, केन्या, इरिट्रिया, जिबूती, तंजानिया, युगांडा, दक्षिण सूडान इत्यादि कुछ ऐसे ही देश हैं, जो टिड्डियों के हमले से त्रस्त हैं। केन्या, इथियोपिया तथा सोमालिया में तो प्रायः कई किलोमीटर लंबे इतने घने टिड्डी दल देखे जाते रहे हैं, जिनके पार कुछ दिखाई नहीं देता। इन देशों में टिड्डियों की तेजी से बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के पर्याप्त उपाय न होने के कारण इन देशों में इनका प्रकोप लगातार बढ़ता गया है। वर्षों के सूखे और उसके बाद भारी बारिश तथा बढ़ते तापमान से टिड्डियों के प्रजनन के लिए इन देशों में अनुकूल परिस्थितियां पैदा हुई। अच्छी बारिश के कारण हरियाली बढ़ना भी टिड्डियों के प्रजनन में बढ़ोतरी का एक अहम कारण बना। टिड्डी दलों द्वारा व्यापक स्तर पर फसलों को नष्ट कर देने से किसी भी देश में खाद्य असुरक्षा की आशंका बढ़ सकती है। हालांकि किसान पटाखे छोड़कर, थाली बजाकर या अन्य तरीकों से शोर करके टिड्डियों को भगाते रहे हैं क्योंकि टिड्डियां तेज आवाज सुनकर अपनी जगह छोड़ देती हैं लेकिन फिर भी टिड्डी दल किसी भी क्षेत्र से गुजरते हुए वहां की पूरी फसल को चट करता हुआ आगे बढ़ जाता है।

टिड्डी दलों के हमलों से खाद्य असुरक्षा की आशंका इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि जब लाखों टिड्डयों का कोई दल आगे बढ़ता है तो अपने रास्ते में आने वाले सभी तरह के पौधों और फसलों को चट करता हुआ आगे बढ़ जाता है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक मात्र 6-8 सेंटीमीटर आकार का यह कीट प्रतिदिन अपने वजन के बराबर खाना खा सकता है और जब यह समूह में होता है तो खेतों में खड़ी पूरी फसल को खा जाता है। एक साथ चलने वाला टिड्डियों का एक झुंड एक वर्ग किलोमीटर से लेकर कई हजार वर्ग किलोमीटर तक फैला हो सकता है। **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)**

पाठकों की बात | पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

फूलों. में होती घुली, मोहक- मोहक गंध

फूलों. में होती घुली, मोहक- मोहक गंध ! कोयल तो गातीं सदा, मीठे -मीठे छंद! भंवरों का गुंजन उड़े, खिल-खिल महकें फूल। बादल गाते थार में, गाती मरु की धूल!!
अजय कुमार सिंह भदौरिया

हमारी भी कोई सुन लो कोई काम देदो

हमारी भी कोई सुन लो कोई काम देदो भाई जेब मे पैसे खतम घर मे राशन खतम पत्नी का सबर खतम हमारा चैन और सुकून खतम कोई तो काम देदो भाई फ्री मे कोई सहायता नही चाहिए ना अखबरों में छपी तस्वीर चाहिए हमे कोई तो काम दे दो भाई।
ललित उपाध्याय

ख़ास पाती | तेरी राहों में ही पलकों को बिछा

तेरी राहों में ही पलकों को बिछा रक्खा है! और पता अपना हवाओं को बता रक्खा है!! करके तैनात बहारों को पहरेदारी पर घर के दरवाज़े को फूलों से सजा रक्खा है! दर पे जूते अना के छोड़ के घर में आना दिल ने क़ालीन वफ़ाओं का बिछा रक्खा है! अब उजालों के पहर का न तू रस्ता तकना मैंने दहलीज़ पे सूरज को जला रक्खा है!! मेरी आहों की सदा तेरा गज़र बन जाए वक़्त से माँग के लम्हें को चुरा रक्खा है! **पूजा बंसल**

जब पूछा था तुमने रह लोगी

जब पूछा था तुमने रह लोगी बिन मेरे भारी मन से धड़कनों को रोकयूँ ही कह दिया था 'हाँ' क्या पता था वहीं रुक जाएगी ज़िन्दगी और पल पल सताएगी याद तुम्हारी हर कोना घर का पूछेगा पता तुम्हारा न भायेगी चाय न खाना तुम बिन न सुबह न दिन न शाम न न ही कोई मौसम काश तुम्हारे पूछने पर यूँ ही कह दिया होता 'न' आती न जुदाई कभी फिर यूँ बन दूरी चाहे नौकरी के लिये ही सही ।। **मीनाक्षी सुकुमारन**

वक्त गुलजार था उनकी बात भी

वक्त गुलजार था उनकी बात भी अच्छी थी पास में बैठे थे एक-दूजे के वो रात भी अच्छी थी कुछ नगमे गुनगुना उठा, उनकी गुजारिश अच्छी थी भीगे थे दोनों गले मिलकर,वो बारिश भी अच्छी थी छत पर मिला करते थे चुपके से उनकी हिदायतें अच्छी थी कभी इंतजार करना पड़ता तो उनकी शिकायतें भी अच्छी थी मिलते थे हर रोज हम, घर पर बताया बहाना अच्छा था किशोर,लता की आवाज में दोनों का गुनगुनाना अच्छा था कभी-कभार जो खाई खेत में उनकी बनाई रोटी अच्छी थी सूट के ऊपर लहराती हिलोरें लेती उनकी चोटी अच्छी थी लंबे इंतजार के बाद उनका गले मिलना अच्छा था हाथ पकड़ ,कदम मिला उनका साथ चलना अच्छा था। **प्रवीण माटी**

कितनी ही दफा तुम मुझे फिर

कितनी ही दफा तुम मुझे फिर से मिले कुछ कहने के लिये और उतनी ही दफा तुम मायूस भी हुए हो कुछ ना कह पाने की बेबसी लिए हुए इस दफा मिलना तो कह ही देना जो कहना है हाँ/ ना करना तो हर दफा मेरा ही अधिकार रहा ना। **नीलिमा शर्मा**

जिन्दगी बहुत... चीज है जितनी

जिन्दगी बहुत... चीज है। जितनी इसको तवज्जो दो, उतने ही अधिक नखरे दिखाती है। जितना नजर अंदाज करो, उतनी श्वासे आरामदह रहती है। ऐसी ही जिन्दगी की चाहतअहा! जिन्दगी के चार पल, जीलो दिल भर,कोई अरमान न रहे बाकि, वक्त हाथ से फिसलती, रेत भर, श्वासों पर कोई उधार न रहे बाकि।। जय माता दी। **मीनू वौहरा**

हर इंसान की ज़िंदगी में एक बार

हर इंसान की ज़िंदगी में एक बार वो वक्त जरूर आता है जब या तो वो रुक जाए या कोई उसे रोक ले। क्या बीतती होगी जब इंसान कयामत तक सहता है, काश थाम ले कोई बाँह जब वो टूटा हो, वरना हर इंसान के अंदर एक शुशांत रहता है। **वर्षा गुप्ता**

मिलकर रहते थे कभी,खोले उनकी

मिलकर रहते थे कभी,खोले उनकी पोल। सत्ता धारी बन गए, नाचे पकड़े ढोल। नाचे पकड़े ढोल, करे अब किससे धोखा। जनता बेबस देख, बने थे कितना चोखा। धड़कन सबकी रोक,कहे तब देदूं लिखकर। पकड़ी जनता कान, अरे ये हैं सब मिलकर।
नवीन कुमार तिवारी

QUIZ TIME

1) जुलाई 2019 में केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पुलिस स्टेशनों की रैकिंग में भारत के किस जिले में स्थित पुलिस स्टेशन को पहला स्थान मिला है? (बीकानेर / जालंधर)

2) निम्नलिखित में से किस भारतीय लेखक को लंदन स्थित नेहरू सेण्टर का निदेशक नियुक्त किया गया है?
(क) अरविन्द अडिगा (ख) चेतन भगत (ग) सुशांत अवस्थी (घ) अमीश त्रिपाठी

3) भारतीय क्रिकेटर एम.एस.धोनी कितने वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले 10वें क्रिकेटर बन गए?

4) वर्ष 2019 में चन्द्र ग्रहण के दिन आने वाली गुरू पूर्णिमा का संयोग कितने वर्षो बाद बना हैं?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) बीकानेर (2) अमीश त्रिपाठी (3) 350 (4) 149 (5) विश्व सरकार का शिखर सम्मेलन

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 16 जून की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1606 - सिक्खों के पांचवें गुरु अर्जुन देव का निधन। 1746 - पियाकेन्ज़ा की लड़ाई में ऑस्ट्रिया और सर्दीनिया ने स्पेनिश और फ्रांसीसी सेना को हराया। 1815 - नेपोलियन ने नीदरलैंड में लिग्नी की लड़ाई में प्रूसिया को पराजित किया। 1822 - डेनमार्क वेसी ने दक्षिण कैरोलिना में दास विद्रोह का नेतृत्व किया। 1824-ग्रेट ब्रिटेन में जानवरों की क्रूरता की रोकथाम के लिए रॉयल सोसाइटी की स्थापना की गई। 1858 - प्रथम भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान मोरार की लड़ाई लड़ी गई। 1881 -ऑस्ट्रिया और हंगरी ने सर्बिया के साथ सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किए। 1891 - जॉन अबॉट कनाडा के तीसरे प्रधानमंत्री बनाये गए।

संपादकीय

पाक की नापाक करतूत

पड़ोसी देश पाकिस्तान अपने नापाक इरादों से तौबा करने के लिए तैयार ही नहीं है। अब उसने पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चाआयोग के अधिकारी का पीछा करने की कोशिश की थी। यही नहीं बल्कि पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चाआयोग के दो कर्मचारी भी लापता हो गए है। निश्चित रूप से इसके पीछे भी पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी का ही हाथ हो सकता है। गौरतलब है कि कुछ दिनों पूर्व ही भारत स्थित पाकिस्तानी उच्चाआयोग के दो कर्मचारी जासूसी के मामले में रंगे हाथों पकड़े गए थे। जिन्हें भारत ने पाकिस्तान भेज दिया था। वियना संधी के मुताबिक किसी भी उच्चाआयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। यदि उन पर जासूसी करने के आरोप लगते है तो उन्हें उनके देश भेज दिया जाता है। इसी की खीज मिटाने के लिए पाकिस्तान ने वहां स्थित भारतीय उच्चाआयोग के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रताड़ित करना शुरू कर दिया है। जिसका भारत ने कड़ा विरोध किया है। वैसे इस तरह की हरकत पाकिस्तान के लिए कोई नई बात नहीं है। इसके पूर्व भी कई बार पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चाआयोग के अधिकारियों के साथ बदसलुकी की घटनाएं सामने आ चूंकि है। यदि पाकिस्तान इस तरह के हरकतों से बाज नहीं आता तो भारत को चाहिए कि वह पाकिस्तान के साथ सभी राजनयीक संबंध तोड़ दे और पाकिस्तान स्थित भारतीय उच्चाआयोग कार्यालय को बंद कर दें इसी तरह भारत स्थित पाकिस्तान उच्चाआयोग कार्यालय को भी बंद कर दे। वैसे भी पाकिस्तान के साथ अब भारत के संबंध दोस्ताना तो हरगिज नहीं है। पाकिस्तान लगातार भारत में आतंकवाद की आग को हवा देने का काम करता रहा है और सीमा पर भी संघर्ष विराम का उल्लंघन कर तनाव बढ़ाना का काम कर रहा है। जाहिर है कश्मीर में 370 के खात्मे के बाद से जिस तरह भारतीय सेना वहां आतंकवादियों को थोक के भाव में जहान्नुम रसिद कर रही है। इससे पाकिस्तान बूरी तरह बौखलाया हुआ है। पाक प्रशिक्षित आतंकवादियों की भी वह भारत में घुसपैठ नहीं करा पा रहा है। क्योंकि भारतीय सेना सीमा पर मुस्तैद है जो भी आतंकवादी सीमा पार करने की कोशिश करता है। उसे 72 हुरों के पास रवाना कर दिया जाता है। पाकिस्तान की खींज का एक कारण यह भी है कि पीओके में पाकिस्तान के खिलाफ बगावत फैलती जा रही है। पीओके के लोग पाकिस्तान के पंजे से मुक्त होकर भारत में विलय करना चाहते है। वैसे भी पीओके भारत का ही हिस्सा है जिस पर पाकिस्तान ने पिछले सात दशकों से अवैध कब्जा कर रखा है। भारत ने साफ कर दिया है कि वह पीओके को लेकर रहेगा। यही वजह है कि पाकिस्तान भारत के खिलाफ हर तरह की पैतरे बाजी कर रहा है। किन्तु उसके नापाक मनसूंबे कभी पूरे नहीं होंगे।

विचार

कोरोना में जीना और मरना, दोनों मुहाल

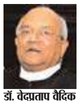

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

कोरोना का संकट भी क्या गजब का संकट है। इसने लोगों का जीना और मरना, दोनों मुहाल कर दिए हैं। दुनिया के दूसरे मुल्कों के मुकाबले भारत में कोरोना बहुत वीभत्स नहीं हुआ है लेकिन इन दिनों जिस रफ्तार से वह बढ़ा चला जा रहा है, वह किसी भी सरकार के होश फाख्ता करने के लिए काफी है। पहले माना जा रहा था कि ज्यों ही मई-जून की गर्मी शुरु होगी, कोरोना भारत से भागता नज़र आएगा लेकिन ज्यों-ज्यों गर्मी बढ़ रही है, कोरोना भी उससे आगे दौड़ता चला जा रहा है। दिल्ली और मुंबई- जैसे शहरों में मरीज़ों के लिए बिस्तरों की कमी पड़ रही है और जो लोग जिंदा नहीं रह पाए, उनकी लाशों के अंतिम संस्कार के लिए भी जगह की कमी पड़ रही है। कोरोना की हालत में वे जो लोग घरों या अस्पतालों में कैद किए जाते हैं, वे डरते हैं कि किसी को पता न चल जाए कि वे कोरोना के मरीज़ हैं। जो जी नहीं पाते उनके घरवाले भी उनके अंतिम क्रिया-कर्म के लिए श्मशान घाट या कब्रिस्तान जाने में भी कतराते हैं। यह हालत देखकर मुझे मिर्जा ग़ालिब का यह शेर याद आता हैः

हुए मरके हम जो रुस्वा, हुए क्यों न गर्के-दरिया ।
ना कभी जनाज़ा उठता, ना कहीं मज़ार होता ।।

ऐसी बुरी हालत में भी हमारे नेता लोग एक-दूसरे के साथ सहयोग करने की बजाय एक-दूसरे की टांग खींचने में भिड़े हुए हैं। ऐसा लगता है कि उनके दिल में दया कम, सत्ता की भूख ज्यादा है। यही हाल हमारे अस्पतालों का है। इसमें शक नहीं कि ज्यादातर डॉक्टर और नर्सें अपनी जान पर खेलकर लोगों की सेवा कर रहे हैं लेकिन कुछेक अपवादों को छोड़कर सारे अस्पताल इस संकट में भी पैसा बनाने में लगे हुए हैं। सिर्फ जांच के लिए एक गरीब आदमी को अपनी महिने भर की तनखा दे देनी पड़ती है और अगर उसे भर्ती होना पड़े तो इलाज खर्च की राशि सुनकर ही उसका दम निकल जाएगा। मैं तो कहता हूं कि प्रत्येक कोरोना मरीज़ का इलाज मुफ्त होना चाहिए। दुनिया में सबसे ज्यादा और जल्दी ठीक होनेवाले मरीज भारत में ही हैं। गंभीर मरीज़ों की संख्या तो कम ही है। उन पर खर्च कितना होगा ? 20 लाख करोड़ नहीं, मुश्किल से एकाध लाख करोड़ रु. ! सरकार यह हिम्मत क्यों नहीं करती ? इतना तो कर ही सकती है कि इलाज़ के नाम पर चल रही लूटपाट वह तुरंत बंद करवा दे। जांच, दवा, कमरा और पूरे इलाज की राशि पर नियंत्रण लगा दे। राशि तय कर दे। गैर-सरकारी अस्पतालों का दम नहीं घोटना है लेकिन वे भी मरीज़ों का दम न घोटें, यह देखना जरुरी है।

अभिव्यक्ति

परिस्थितियों से सिखता है मनुष्य

तेजबहादुर सिंह भुवाल

सूचना सहायक ग्रेड - एक
जनसंपर्क संचालनालय
छत्तीसगढ़ रायपुर

इस महामारी ने लोगों को स्वच्छता के प्रति ध्यान आकर्षित किया है, महामारी के बचाव के लिए वे बार-बार हाथ को साबुन से धोने, सेनेटाईजर का उपयोग एवं घर एवं समस्त वस्तुओं को भी साफसुथरा रखने का प्रयास कर रहे है। मुंह पर मास्क लगाने से न केवल स्वयं की सुरक्षा होती है बल्कि दूसरों को भी इसके संक्रमण के फैलने में रोकथाम होती है। मास्क पहनने से बहुत से विभिन्न प्रकार की श्वास संबंधी रोगों में कमी आई है। लोगों को अपने शारीरिक रोगप्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए योग, प्राणायाम, ध्यान करते रहे साथ ही नियमित रूप से आयुर्वेदिक काढ़ा, जिसमें तुलसी, गिलोय, कालीमिर्च, अदरक, लौंग का मिश्रण पीने से बहुत हद तक कोराना महामारी से बचा जा सकता है। इस महामारी के दौरान हमारे भारत वर्ष की सनातन धर्म की शिक्षा एवं संस्कार पुर्नजीवित हुआ है, जो दूसरो को अभिवादन के रूप में हाथ मिलाने के बजाय नमस्कार करना शामिल है। इस कोराना काल में जहां

मनुष्य जीवन में ऐसे बहुत से समय आते है जब उसे सुख-दुख, उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। मनुष्य जब सुखी जीवन व्यतीत करता है तो उसे आने वाली परिस्थितियों का कोई आभास नहीं होता है। वह अपने जीवन में दुनिया की चकाचौध भरे स्वप्न लोक में खोया रहता है। उसे नहीं पता होता कि आने वाले समय में उसके जीवन पर क्या विपत्तियां आएंगी। इससे अंजान मनुष्य निरंतर पैसे कमाने, सुख-सुविधाओं को बढ़ाने में लगा रहता है। जब वक्त बुरा आता है तो मनुष्य चिंताग्रस्त हो जाता है और इससे निकलने का प्रयास करता है। वह सोचने लगता है कि समय रहते इसका उपाए कर लेना चाहिए था, लेकिन समय निकल जाता है।

वर्तमान में कोरोना महामारी के कारण ऐसी विकराल परिस्थिति निर्मित हो गयी है, जिससे पूरी दुनिया सहम उठी हैं एवं पूरी दुनिया के लिए चुनौती बनी हुई है। इस कोराना महामारी कोविड-19 के कारण लोग अपने घरों पर विगत कई दिनों से लाकडाउन अवस्था में रह रहे है। सभी सोच रहे है कि ना जाने कब इस महामारी से छुटकारा मिले और सुख-शांति का माहौल बने रहे। भारत देश को छोड़कर अन्य देशों में कोरोना का संक्रमण अधिक है और वहां हालात गंभीर होते जा रहे हैं। भारत देश में कोरोना वायरस से लड़ने के लिए केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार ने बहुत कारगर कदम उठाये है, इसके बावजूद लोग असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। इस महामारी से बचने के लिए शासन, प्रशासन लोगों को से घरों पर रहने का आग्रह कर रही है और आपसी दूरी बनाकर रहने की हिदायत भी दी जा रही है। अगर अभी नहीं संभले तो आने वाला समय बहुत भयंकर हो सकता हैं , जिस पर काबू पाना मुश्किल होगा।

इस महामारी की उत्पत्ति चीन के बुहान प्रांत से हुई है, जहां से संक्रमण बढ़ते-बढ़ते यूरोप होते हुए पूरी दुनिया में फैल गया है। एक ओर जहां इस महामारी ने विश्व के शक्तिशाली देश - अमेरिका, इटली, जर्मनी, रूस, फ्रांस जैसे देशों के होश उड़ा दिए हैं। वहीं भारत इस कोरोना वायरस से लड़ने के लिए चट्टान बनकर खड़ा है और पूरे भारतवासी मिलकर सामना कर रहे हैं। पूरी दुनिया में अब तक इस संक्रमण से लाखों लोगों की जाने जा चुकी हैं। दुनिया में कई वैज्ञानिकों ने कितने ही अविष्कार किए और देश को आगे बढ़ाने में अहम् भूमिका निभाई। इसके बावजूद इस समस्या का अभी तक कोई हल नहीं निकल पाया है। इस महामारी को रोकने के लिए किसी भी देश के द्वारा अभी तक कोई वैक्सिन या कारगर दवाई नहीं बन पाई है। इस विश्वव्यापी संकट से निपटने के लिए हर संभव प्रयत्न किये जा रहे हैं। इससे बचने के लिए भरपूर प्रयास किये जा रहे हैं। हम लोगों के लिए पहला मौका है जब लोग स्वयं को मजबूरी से लॉकडाउन कर घर पर ही रह रहे है। इस समय पूरा देश थम सा गया है। इस विषम परिस्थिति का जल्द से जल्द ठीक होना हितकर है, इसके लिए सोशल डिस्टेसिंग का होना बहुत जरूरी है, उसके बावजूद लोग अनावश्यक घरों से बाहर आकर सड़कों पर घूम रहे है, जिससे उन्हें स्वयं एवं दूसरों को भी संक्रमण होने का खतरा बढ़ा रहे हैं। लॉकडाउन से एक ओर जहां संक्रमण कम हुआ वहीं दूसरी ओर देश एवं राज्य की आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है। इस लॉकडाउन से लाखों लोगों की जीविकोपार्जन पर संकट उत्पन्न हो गया है। अलग-अलग राज्यों में गए लोग एवं अध्ययन के लिए गए छात्र और मजदूरी के लिए गए मजदूर फंसे हुए है, जिन्हे सरकारें अपने-अपने ढंग से वापस लाने का प्रयास कर रही है। अधिकतर मजदूरों एवं छात्रों को वापस अपने-अपने राज्यों में लाया जा चुका है और उन्हें 14 दिन के लिए क्वारंटाईन पर रखकर कोरोना की जांच की जा रही है। स्वस्थ्य पाए जाने पर उन्हें घर भेजा जा रहा है। इन मजदूरों को रोजी, रोटी की चिंता सता रही है। वे दूसरे राज्यों में रहकर मजदूरी करते थे, उन्हें यहां रहकर क्या काम मिल पायेगा? इसके लिए छत्तीसगढ़ सरकार अनेक योजनाओं के माध्यम से लोगों को रोजगार एवं आत्मनिर्भर करने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार द्वारा एपीएल एवं बीपीएल राशन कार्ड हितग्राही सहित बिना राशनकार्ड वालों को भी को अनाज दिया जा रहा, ताकि कोई भूखा ना रहे। इस संकट से निकलने के लिए सभी वर्गों को धैर्य, सहशीलता एवं आत्मनिर्भरता की आवश्यकता है।

शासन ने लोगों की आर्थिक स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए लम्बे समय से चले आ रहे लाकडाउन को हटा कर सभी बाजार, दुकाने, छोटे उद्योग, कंपनी खोलने के आदेश दे दिए गए है, जिससे लोगों का काम-धंधा शुरू हो सके, लेकिन इससे हर क्षण खतरा बना हुआ है। लॉकडाउन खुलने से संक्रमित लोगों की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही है, जो एक खतरे की घंटी हो सकती है। इस बचाव कार्य के मुहिम में डॉक्टर, स्वास्थ्य कर्मी, पुलिस, सफाई कर्मी, मीडिया कर्मी एवं बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं का बहुत बड़ा योगदान है। समूचे विश्व में अनेको बिमारी जैसे-चेचक, टीबी, स्वाईन फ्लू, हैजा, पोलियो इत्यादि अनेक महामारियों से लाखों लोगों को जान से हाथ धोना पड़ा है, परन्तु समय रहते उस पर मनुष्य ने विजय प्राप्त की है। कोरोना तात्कालिक है, देर सबेर इस पर भी नियंत्रण पा सकेंगे। फिलहाल इसके लिए हमें शासकीय निर्देशों का पालन करते हुए फिजीकल डिस्टेंसिंग को ध्यान रख कर हमेशा मुंह पर मास्क का उपयोग करना अति आवश्यक है। इस समय का सदुपयोग मनुष्य अपने घरों में रहते हुए विभिन्न प्रकार के कौशल विकास पर ध्यान केन्द्रित करके आत्मनिर्भता को बढ़ाया जा सकता है। जैसे- घर पर ही मास्क तैयार करना, सेनेटाईजर निर्माण, गृह उद्योग आदि के माध्यम से आर्थिक स्थिति भी ठीक कर सकते हैं।

चिंता : फसलों का काल बनते टिड्डी दल

योगेश कुमार गोयल

ये अपने वजन के आधार पर अपने से कहीं भारी आम पशुओं के मुकाबले आठ गुना ज्यादा तेज रफ्तार से हरा चारा खा सकती हैं। एलडब्ल्यूओ के मुताबिक दुनियाभर में टिड्डियों की दस प्रजातियां सक्रिय हैं, जिनमें से चार प्रजातियां रेगिस्तानी टिड्डी, प्रवासी, बॉम्बे तथा ट्री टिड्डी भारत में देखी जाती रही हैं। इनमें रेगिस्तानी टिड्डी सबसे खतरनाक मानी जाती है। कृषि विभाग के अधिकारियों के अनुसार जिस भी इलाके में टिड्डी दल का हमला होता है, वहां सारी फसल चौपट हो जाती है। दरअसल टिड्डी दल प्रायः बहुत बड़े समूह में होता है, जो हरी पत्तियों, तने और पौधों में लगे फूलों को चट कर जाता है। यही नहीं, यह जिस भी हरे-भरे वृक्ष पर बैठता है, उसे भी पूरा नष्ट कर देता है। यूएन द्वारा टिड्डी मारक कीटनाशकों के छिड़काव के लिए 10 मिलियन डॉलर की मदद दी जा चुकी है लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार अभी भी इस कार्य के लिए 70 मिलियन डॉलर अतिरिक्त फंड की आवश्यकता है।

एक ओर जहां भारत कोरोना संकट से बुरी तरह जूझ रहा है, वहीं पिछले दिनों अम्फान और निसर्ग जैसे तूफानों ने भी चुनौतियों को बढ़ाया है। उत्तर भारत में बार-बार आ रहे हलके भूकम्प के झटके भी लोगों को डरा रहे हैं। इन मुसीबतों के बीच पाकिस्तान के ब्लूचिस्तान, पंजाब, सिंध प्रांतों से भारत आ रहे टिड्डी दलों के हमले से देश के कई राज्यों में किसान खासे परेशान हैं। राजस्थान से शुरू हुआ टिड्डी दलों का कहर देखते ही देखते अब कई राज्यों में देखा जा रहा है। अनेक स्थानों पर टिड्डियों द्वारा पशुओं के चारागृहों तक को नष्ट करने की खबरें भी आई हैं, जिसके बारे में कहा जा रहा है कि इससे पशुओं के लिए चारे की समस्या भी उत्पन्न हो सकती है। विशाल टिड्डी दलों द्वारा विभिन्न राज्यों के हजारों गांवों में लाखों हेक्टेयर फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया जा चुका है और टिड्डी दलों का यह कहर अभी कम से कम अगले महीने तक बरकरार रहने की संभावनाएं जताई गई हैं। फसलों पर होने वाले टिड्डियों के इन हमलों से न केवल किसान बल्कि सरकार और वैज्ञानिक भी खासे परेशान हैं क्योंकि ऐसे हमले थोड़े-थोड़े अंतराल के बाद बार-बार हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का खाद्य एवं कृषि संगठन (एएफओ) इस वर्ष व्यापक पैमाने पर टिड्डी दल के प्रकोप की आशंका पहले ही जता चुका था लेकिन एएफओ की चेतावनी को दरकिनार करने का ही नतीजा रहा कि टिड्डी दलों का प्रकोप कई राज्यों तक फैल गया है। टिड्डी नियंत्रण विभाग के उपनिदेशक डा. के एल गुर्जर का कहना है कि पाकिस्तान अपने क्षेत्र में टिड्डियों पर नियंत्रण करने में पूरी तरह नाकाम रहा है, जिस कारण टिड्डियों के होपर्स एडल्ट होकर बड़ी संख्या में राजस्थान की सीमा से भारतीय क्षेत्र में आए हैं। उनके मुताबिक अगले कुछ दिनों में इन टिड्डियों की समर ब्रीडिंग के बाद इनकी बढ़ी जनसंख्या बहुत बड़ा खतरा बन सकती है।

फिलहाल देशभर में कई टीमें टिड्डी दलों पर नियंत्रण करने की कोशिशों में लगी हैं। केन्द्र सरकार द्वारा एयरक्राफ्ट, ड्रोन तथा विशेष प्रकार के दूसरे उपकरणों के जरिये टिड्डियों को नष्ट करने की योजना बनाई जा रही है। इन विशेष उपकरणों का इस्तेमाल टिड्डियों पर नजर रखने के लिए किया जाएगा जबकि कीटनाशकों का छिड़काव कर फसलों को टिड्डियों से बचाने का प्रयास किया जाएगा। टिड्डियों के हमले को लेकर स्थिति की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि पिछले दिनों जब तीन टिड्डी दलों ने राजस्थान की ओर से मध्य प्रवेश में प्रवेश किया था तो वे दल करीब 8-10 किलोमीटर लंबे थे।

यह पहला मौका नहीं है, जब पाकिस्तान द्वारा अपने इलाके में टिड्डियों पर नियंत्रण करने में नाकाम रहने पर टिड्डी दल वहां से होते हुए भारत में फसलों को बर्बाद करने पहुंचे हैं। वहां पहले भी कई बार टिड्डी दलों के हमले हो चुके हैं और टिड्डियों के विशाल झुंडों ने वहां अनाज तथा सब्जियों की फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। इसी वर्ष फरवरी माह में तो टिड्डियों से निपटने के लिए पाकिस्तान सरकार को राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा तक करनी पड़ी थी। उस दौरान भी पाकिस्तान से भारत आए टिड्डी दलों ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, गुजरात इत्यादि राज्यों में फसलों को बड़ा नुकसान पहुंचाया था। पिछले साल भी देश के कई हिस्सों के अलावा राजस्थान के दर्जन भर जिले टिड्डियों के प्रकोप से बुरी तरह प्रभावित हुए थे, जहां नौ महीनों के दौरान टिड्डी दलों ने सात लाख हैक्टेयर से अधिक इलाके में फसलों का सफाया कर दिया था। वर्ष 2017 में बोलीविया की सरकार को भी एक बड़े कृषि क्षेत्र में टिड्डियों के हमले के कारण आपातकाल घोषित करना पड़ा था। कई देशों में तो टिड्डी दलों के हमलों के बाद खाद्य सुरक्षा को लेकर संकट उत्पन्न हो गया है। सोमालिया, इथियोपिया, केन्या, इरिट्रिया, जिबूती, तंजानिया, युगांडा, दक्षिण सूडान इत्यादि कुछ ऐसे ही देश हैं, जो टिड्डियों के हमले से त्रस्त हैं। केन्या, इथियोपिया तथा सोमालिया में तो प्रायः कई किलोमीटर लंबे इतने घने टिड्डी दल देखे जाते रहे हैं, जिनके पार कुछ दिखाई नहीं देता। इन देशों में टिड्डियों की तेजी से बढ़ती आबादी को नियंत्रित करने के पर्याप्त उपाय न होने के कारण इन देशों में इनका प्रकोप लगातार बढ़ता गया है। वर्षों के सूखे और उसके बाद भारी बारिश तथा बढ़ते तापमान से टिड्डियों के प्रजनन के लिए इन देशों में अनुकूल परिस्थितियां पैदा हुई। अच्छी बारिश के कारण हरियाली बढ़ना भी टिड्डियों के प्रजनन में बढ़ोतरी का एक अहम कारण बना। टिड्डी दलों द्वारा व्यापक स्तर पर फसलों को नष्ट कर देने से किसी भी देश में खाद्य असुरक्षा की आशंका बढ़ सकती है। हालांकि किसान पटाखे छोड़कर, थाली बजाकर या अन्य तरीकों से शोर करके टिड्डियों को भगाते रहे हैं क्योंकि टिड्डियां तेज आवाज सुनकर अपनी जगह छोड़ देती हैं लेकिन फिर भी टिड्डी दल किसी भी क्षेत्र से गुजरते हुए वहां की पूरी फसल को चट करता हुआ आगे बढ़ जाता है।

टिड्डी दलों के हमलों से खाद्य असुरक्षा की आशंका इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि जब लाखों टिड्डयों का कोई दल आगे बढ़ता है तो अपने रास्ते में आने वाले सभी तरह के पौधों और फसलों को चट करता हुआ आगे बढ़ जाता है। कृषि वैज्ञानिकों के मुताबिक मात्र 6-8 सेंटीमीटर आकार का यह कीट प्रतिदिन अपने वजन के बराबर खाना खा सकता है और जब यह समूह में होता है तो खेतों में खड़ी पूरी फसल को खा जाता है। एक साथ चलने वाला टिड्डियों का एक झुंड एक वर्ग किलोमीटर से लेकर कई हजार वर्ग किलोमीटर तक फैला हो सकता है। **(लेखक वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)**

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

फूलों. में होती घुली, मोहक- मोहक गंध

फूलों. में होती घुली, मोहक-मोहक गंध ! कोयल तो गातीं सदा, मीठे -मीठे छंद! भंवरों का गुंजन उड़े, खिल-खिल महकें फूल। बादल गाते थार में, गाती मरु की धूल!!

अजय कुमार सिंह भदौरिया

हमारी भी कोई सुन लो कोई काम देदो

हमारी भी कोई सुन लो कोई काम देदो भाई जेब मे पैसे खतम घर मे राशन खतम पत्नी का सबर खतम हमारा चैन और सुकून खतम कोई तो काम देदो भाई फ्री मे कोई सहायता नही चाहिए ना अखबरों में छपी तस्वीर चाहिए हमे कोई तो काम दे दो भाई।

ललित उपाध्याय

खास पाती | तेरी राहों में ही पलकों को बिछा

तेरी राहों में ही पलकों को बिछा रक्खा है! और पता अपना हवाओं को बता रक्खा है!! करके तैनात बहारों को पहरेदारी पर घर के दरवाज़े को फूलों से सजा रक्खा है! दर पे जूते अना के छोड़ के घर में आना दिल ने क़ालीन वफ़ाओं का बिछा रक्खा है! अब उजालों के पहर का न तू रस्ता तकना मैंने दहलीज़ पे सूरज को जला रक्खा है!! मेरी आहों की सदा तेरा गज़र बन जाए वक़्त से माँग के लम्हें को चुरा रक्खा है! **पूजा बंसल**

जब पूछा था तुमने रह लोगी

जब पूछा था तुमने रह लोगी बिन मेरे भारी मन से धड़कनों को रोकयूँ ही कह दिया था 'हाँ' क्या पता था वहीं रुक जाएगी ज़िन्दगी और पल पल सताएगी याद तुम्हारी हर कोना घर का पूछेगा पता तुम्हारा न भायेगी चाय न खाना तुम बिन न सुबह न दिन न शाम न न ही कोई मौसम काश तुम्हारे पूछने पर यूँ ही कह दिया होता 'न' आती न जुदाई कभी फिर यूँ बन दूरी चाहे नौकरी के लिये ही सही ।। **मीनाक्षी सुकुमारन**

वक्त गुलजार था उनकी बात भी

वक्त गुलजार था उनकी बात भी अच्छी थी पास में बैठे थे एक-दूजे के वो रात भी अच्छी थी कुछ नगमे गुनगुना उठा, उनकी गुजारिश अच्छी थी भीगे थे दोनों गले मिलकर,वो बारिश भी अच्छी थी छत पर मिला करते थे चुपके से उनकी हिदायतें अच्छी थी कभी इंतजार करना पड़ता तो उनकी शिकायतें भी अच्छी थी मिलते थे हर रोज हम, घर पर बताया बहाना अच्छा था किशोर,लता की आवाज में दोनों का गुनगुनाना अच्छा था कभी-कभार जो खाई खेत में उनकी बनाई रोटी अच्छी थी सूट के ऊपर लहराती हिलोरें लेती उनकी चोटी अच्छी थी लंबे इंतजार के बाद उनका गले मिलना अच्छा था हाथ पकड़ ,कदम मिला उनका साथ चलना अच्छा था। **प्रवीण माटी**

कितनी ही दफा तुम मुझे फिर

कितनी ही दफा तुम मुझे फिर से मिले कुछ कहने के लिये और उतनी ही दफा तुम मायूस भी हुए हो कुछ ना कह पाने की बेबसी लिए हुए इस दफा मिलना तो कह ही देना जो कहना है हाँ/ ना करना तो हर दफा मेरा ही अधिकार रहा ना। **नीलिमा शर्मा**

जिन्दगी बहुत... चीज है जितनी

जिन्दगी बहुत... चीज है। जितनी इसको तवज्जो दो, उतने ही अधिक नखरे दिखाती है। जितना नजर अंदाज करो, उतनी श्वासे आरामदह रहती है। ऐसी ही जिन्दगी की चाहतअहा! जिन्दगी के चार पल, जीलो दिल भर,कोई अरमान न रहे बाकि, वक्त हाथ से फिसलती, रेत भर, श्वासों पर कोई उधार न रहे बाकि।। जय माता दी। **मीनू वौहरा**

हर इंसान की ज़िंदगी में एक बार

हर इंसान की ज़िंदगी में एक बार वो वक्त जरूर आता है जब या तो वो रुक जाए या कोई उसे रोक ले। क्या बीतती होगी जब इंसान कयामत तक सहता है, काश थाम ले कोई बाँह जब वो टूटा हो, वरना हर इंसान के अंदर एक शुशांत रहता है। **वर्षा गुप्ता**

मिलकर रहते थे कभी,खोले उनकी

मिलकर रहते थे कभी,खोले उनकी पोल। सत्ता धारी बन गए, नाचे पकड़े ढोल। नाचे पकड़े ढोल, करे अब किससे धोखा। जनता बेबस देख, बने थे कितना चोखा। धड़कन सबकी रोक,कहे तब देदूं लिखकर। पकड़ी जनता कान, अरे ये हैं सब मिलकर। **नवीन कुमार तिवारी**

QUIZ TIME

Ramaquiz

1) जुलाई 2019 में केन्द्रीय गृह मंत्रालय द्वारा पुलिस स्टेशनों की रैकिंग में भारत के किस जिले में स्थित पुलिस स्टेशन को पहला स्थान मिला है? (बीकानेर / जालंधर)

2) निम्नलिखित में से किस भारतीय लेखक को लंदन स्थित नेहरू सेण्टर का निदेशक नियुक्त किया गया है?
(क) अरविन्द अडिगा (ख) चेतन भगत (ग) सुशांत अवस्थी (घ) अमीश त्रिपाठी

3) भारतीय क्रिकेटर एम.एस.धोनी कितने वनडे इंटरनेशनल मैच खेलने वाले 10वें क्रिकेटर बन गए?

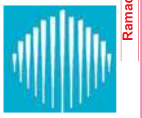

4) वर्ष 2019 में चन्द्र ग्रहण के दिन आने वाली गुरू पूर्णिमा का संयोग कितने वर्षों बाद बना हैं?

उत्तरमाला- (1) बीकानेर (2) अमीश त्रिपाठी (3) 350 (4) 149 (5) ...

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय एवं विश्व इतिहास में 16 जून की प्रमुख घटनाएं इस प्रकार हैं: 1606 - सिक्खों के पांचवें गुरु अर्जुन देव का निधन। 1746 - पियाकेन्ज़ा की लड़ाई में ऑस्ट्रिया और सर्दीनिया ने स्पेनिश और फ्रांसीसी सेना को हराया। 1815 - नेपोलियन ने नीदरलैंड में लिग्नी की लड़ाई में प्रूसिया को पराजित किया। 1822 - डेनमार्क वेसी ने दक्षिण कैरोलिना में दास विद्रोह का नेतृत्व किया। 1824-ग्रेट ब्रिटेन में जानवरों की क्रूरता की रोकथाम के लिए रॉयल सोसाइटी की स्थापना की गई। 1858 - प्रथम भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान मोरार की लड़ाई लड़ी गई। 1881 -ऑस्ट्रिया और हंगरी ने सर्बिया के साथ सैन्य संधि पर हस्ताक्षर किए। 1891 - जॉन अबॉट कनाडा के तीसरे प्रधानमंत्री बनाये गए।

एक भी बच्चा सिग्नल पर भीख मांगते दिखा तो माना जाएगा चाइल्ड लाइन की चूक : डॉ. भूरे

कलेक्टर ने दिए निर्देश, चाइल्ड लाइन और टास्क फोर्स मिलकर करें काम

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर नरेंद्र भूरे ने आज साफ शब्दों में कहा है कि कोई भी बच्चा सिग्नल पर भीख मांगता नजर आया तो इसे चाइल्ड लाइन की चूक माना जाएगा। चाइल्ड लाइन और टास्क फोर्स को इस संबंध में कार्रवाई करना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे बच्चों के पेरेण्ट्स पर कार्रवाई होना चाहिए। कलेक्टर ने कहा कि चाइल्ड लाइन को ऐसे बच्चों को लेकर अहम जिम्मेदारी है और इसे पूरी दक्षता से निभाया जाना चाहिए। अपने अभिभावकों को खो चुके बच्चों को संरक्षण में लेने और आगे की जिम्मेदारी का निर्वहन करने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर ने एक नाबालिग बच्ची की आठवीं के बाद की पढ़ाई की जिम्मेदारी लेने के निर्देश दिए जो अपने माता.पिता को खो चुकी है। एक मूक.बधिर बच्चे के रहने और अन्य चीजों की व्यवस्था के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि बच्चों का भविष्य सुरक्षित रखने के लिए त्वरित निर्णय लेने की जरूरत है। बालगृह में आने वाले बच्चों के सामान्य स्वास्थ्य जांच के अलावा सिकलिन आदि के स्वास्थ्य की जांच के संबंध में भी निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि पिछली बैठक में बच्चों के एजुकेशन और सुरक्षा के लिए कैमरे आदि लगाने के विषय में निर्णय हुए थेए जिस पर कार्रवाई हुई है। बैठक में शासकीय विशेष गृह और प्लेस आफ सेफ्टी का निर्माण जल्द आरंभ करने पीडब्ल्यूडी अधिकारियों को निर्देश दिया गया। संकटग्रस्त बालकों की पहचान के लिए पंचायतों में सर्वे किया जा रहा है। कलेक्टर ने अधिकारियों को नियमित मानिटरिंग कर बेहतर व्यवस्थाएं रखने के निर्देश दिए। बाल गृह में खेल और पढ़ाई जैसे विषयों पर अधिकारियों को निर्देश दिए गए। बैठक में एडीशनल एसपी प्रज्ञा मेश्रामए सीएमएचओ डाक्टर गंभीर सिंह ठाकुरए जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

नौकरानी से 10 लाख सोने चांदी के जेवरात बरामद

नवप्रदेश संवाददाता

भिलाई। नेवई पुलिस ने ऑखो मे धूल झोंक कर घर मे चोरी करने वाली नौकरानी से सोने चांदी के जेवरात 8 लाख 11900 रूपये नगद 1 लाख 92000 रूपये के जेवरात सहित 10.80 लाख रूपये के मशरूका नौकरानी लता बाई साहू पति घनश्याम साहू 36 साल टंकी मरोदा तेलगु पारा को धारा 454, 380 के तहत गिरफ्तार कर लिया । पुलिस अधीक्षक दुर्ग अजय यादव के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रोहित झा, प्रवीण चन्द्र तिवारी, बेच अजीत यादव के मार्गदर्शन में पूरी कार्यवाही को नेवई थाना प्रभारी प्रशिक्षु उप पुलिस अधीक्षक डॉ चित्रा वर्मा के नेतृत्व मे किया गया है। आरोपिया लता साहू अनिल सोनी के घर झाड़ू पोछा करने का काम करती थी 5 जून को घर झाड़ू पोछा करते समय बेडरूम को सुना पाकर अलमारी से नगद रकम चोरी कर लिया था और चोरी किए गए रकम से जेवर व कपड़ा खरीदा था। पुलिस ने शक के आधार पर आरोपिया लता साहू निगरानी रखा और मुखबीर की सूचना पाकर मौके पर दबिश दी जहाँ से चोरी की रकम और जेवरात सहित समान बरामद किया। इस दौरान धनीराम नागरे, पूर्ण बहादुर, ब्रह्मानंद देशलहरे, आर रवि, अजय गिवेंद्र नेताम, मो समीर, जुगनू सिंह, पंकज, शहबाज, उपेन्द्र यादव, पूजा सोनकर, बिंदु भाले का योगदान रहा।

निगम क्षेत्रों में कोरोना का कहर

नवप्रदेश संवाददाता

रिसाली। निगम क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीजों को मिलने का सिलसिला लगातार जारी है। निगम क्षेत्रों में 2 नये कोरोना पाजिटिव मिले है जिसमें से इस्पात नगर रिसाली में मरीज सेक्टर 9 अस्पताल की रेडियोलाईजिस्ट डॉक्टर है व दूसरा रिसाली सेक्टर के स्टूडेंट है। रिसाली भाठा में शारदा विद्यालय के पास कोरोना संक्रमित व्यक्ति मिला जिसे कोविड 19 अस्पताल में शिफ्ट किया गया। जिसे हार्ट का मरीज बताया गया है इसके पूर्व निगम क्षेत्र मौहारी मरोदा व नेवई भाठा के जलाराम चैक तथा तिरंगा चैक में कोरोना संक्रमित पाया जा चुका है। आज शारदा विद्यालय के पास कोरोना संक्रमित मिलने के बाद संबंधित क्षेत्र को सील कर दिया गया है। अपर कलेक्टर व निगम आयुक्त प्रकाश कुमार सर्वे मातहत अधिकारियों के साथ संक्रमित स्थल पर पहुंचकर क्षेत्र को कटेन्टमेंट जोन में तब्दील कर दिये है। स्वास्थ्य विभाग की टीम मौक पर पहुंचकर संक्रमित परिवार की सेंपल प्राप्त कर रिपोर्ट भेज दी गई है तथा प्रथम संपर्क में आये परिवार के सदस्यों को होम आईसोलेशन में रखा गया है। क्षेत्र अंतर्गत सभी दुकाने, ऑफिस एवं अन्य वाणिज्यक प्रतिष्ठान आगामी आदेश तक पूर्ण बंद रहेगें। कोरोना कहर के बीच अपर कलेक्टर व निगम आयुक्त सर्वे ने क्षेत्रवासियों को सजक व सर्तक रहने की अपील की है।

वही जिले के सेक्टर.6 अग्रसेन भवन, पीएनटी कॉलोनी, नेवई बस्ती वार्ड 42 रिसाली भिलाई और ग्राम कुम्हारी वार्ड 14 तहसील धमधा व ग्राम औंधी तहसील पाटन में नया कोरोना पॉजिटिव केस पाये जाने के कारण कलेक्टर डॉ. भूरे ने उक्त क्षेत्र को कन्टेनमेंट जोन घोषित किया है। कन्टेनमेंट जोन में चिन्हांकित क्षेत्र में सभी प्रकार के दुकानें व वाणिज्यिक प्रतिष्ठान बंद रहेगी। इसके अलावा सभी प्रकार की वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। मेडिकल इमरजेंसी को छोड़कर अन्य किसी भी कारण से घर से बाहर निकलना प्रतिबंधित होगा। उक्त क्षेत्र की निगरानी के पुलिस विभाग के माध्यम से पेट्रोलिंग की जावेगी।

1 अरब 55 करोड़ का बजट पारित

नवप्रदेश संवाददाता

कुम्हारी। नगर पालिका सभागार में अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर के अध्यक्षता ने प्रस्तावित अनुमानित आय व्यय का बजट दोपहर 12 बजे प्रस्तुत किया। वित्तीय वर्ष 2020-21 का बजट प्रस्तुत किया गया। बजट मे चालू वित्तीय वर्ष के लिए 1,55,01,80,724 का प्रावधान रखा गया जो की विगत वित्तीय वर्ष 2019-20 के बजट 20,74,88,248 सें अधिक है। इस तरह निकाय की कुल आय 1,55,01,80,724 एवं कुल व्यय 1,54,12,06,000 है इस तरह वर्तमान वित्तीय वर्ष में 89,74,724 के लाभ का बजट प्रस्तुत किया गया। इस बजट मे आम जनता पर किसी भी प्रकार का अतिरिक्त कर भारित नही किया गया। इस बजट में नगर विकास व निर्माण के कार्यों में जैसे तालाब सौंदर्यीकरण, भवन निर्माण, स्टेडियम निर्माण, उद्यान निर्माण, सीसी रोड, आरसीसी, नाली, पेवर ब्लॉक, गौठान निर्माण, पाईप लाईन विस्तारीकरण, हाट बाजार निर्माण एवं अन्य महत्वपूर्ण विकास कार्य हेतु 1,47,07,01,000 का प्रावधान किया गया है। अध्यक्ष राजेश्वर सोनकर ने अपने वक्तव्य मे कहा की नगर के विकास के लिए हम प्रतिबद्ध हैं कुम्हारी के लिए विकास कार्यों के अपने श्लोगन ''गढबो नवा कुम्हारी'' मूर्त रूप देने अपनी पूरी ताकत लगा देंगे। बैठक मे उपाध्यक्ष रवि कुमार, पार्षद मनहरण यादव प्रभारी लोनिवि जानकी ध्रुव प्रभारी जलकार्य, नीतू रावते, ओम नारायण वर्मा, प्रमोद चन्द्राकर, युजेन्द्र साहू, सती यादव, शान्ति टण्डन आदि उपस्थित थे।

कोरोना के चार पॉजीटिव मिले

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। जहां प्रदेश व जिले में कोरोना का ग्राफ निरंतर बढ़ रहा है। वहीं शासन प्रशासन व डॉक्टर्स भी इन सबको लेकर काफी गंभीर दिख रहे है। सोमवार को कोरोना के 4 पॉजीटिव मिले है जिसमें 2 महिला शामिल है। एक रिसाली भिलाई में 51 वर्षीय पुरुष कोरोना से प्रभावित पाया गया। इसका सेम्पल 12 जून को लिया गया था। सेक्टर 6 भिलाई एक 40 वर्षीय महिला कोरोना पॉजीटिव पाई गई। दूसरी महिला पाटन की 26 वर्षीय कोरोना से प्रभावित पाई गई। इन दोनो का सेम्पल 12 जून को लिया गया था। एक अन्य पुरुष भी कोरोना से प्रभावित पाया गया।

व्यापारी नहीं चाहते कटौती में छूट

दुर्ग। कोरोना संकटकाल में जिले के व्यापारियों को दुकान संचालन के लिए रात 9 बजे तक की छुट रास नहीं आ रही है। वे दुकान संचालन के लिए पूर्व की अवधि सुबह 9 से शाम 7 बजे तक के छुट की वकालत करते नजर आ रहे है। इस संबंध में देश में व्यापारियों की सबसे बड़ी संगठन कांफ्रेडेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने व्यापारियों की मंशा जानने कवायद शुरु कर दी है। फ्लस्वरुप कैट के पदाधिकारियों द्वारा सोमवार को इंदिरा मार्केट व्यापारी संघ की बैठक ली गई। बैठक में इंदिरा मार्केट व्यापारी संघ के प्रमुख अनिल बल्लेवार ने कोरोना संक्रमण को देखते हुए दुकान संचालन के लिए रात 9 बजे तक दी गई छुट को औचित्यहीन बताया है। उन्होने कहा कि दुकान संचालन के लिए पूर्व की छुट सुबह 9 बजे से शाम 7 बजे का समय पर्याप्त था।

दो करोड़ लोगों को रोजगार कब मिलेगा : राजेंद्र

नवप्रदेश संवाददाता

दुर्ग। पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह समेत अन्य भाजपा नेताओं के बयान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री राजेंद्र साहू ने कड़ा प्रहार किया है। राजेंद्र ने कहा कि भाजपा नेताओं ने अपने बयान में स्वीकार किया है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने किसानों का कर्ज माफ किया है और 25 सौ रुपए प्रति क्विंटल की दर से धान खरीदा है। धान खरीदी के अंतर की राशि को किश्तों में देने पर भाजपा नेता सवाल कर रहे हैं। सवाल करने से पहले भाजपा नेताओं को बताना चाहिए कि जनता के खाते में 15 लाख रुपए कितने किश्तों में आएंगे। राजेंद्र ने आगे कहा कि बेरोजगारी भत्ता का मुद्दा उठाने वाले भाजपा नेता पहले यह बताएं कि केंद्र सरकार हर साल दो करोड़ लोगों को रोजगार कब उपलब्ध कराएगी। किसानों के समर्थन मूल्य में इतनी वृद्धि कब की जाएगी, जिससे किसानों की आय दोगुनी हो सके। भाजपा नेता यह बताने में विफ्ल हैं कि आम जनता, किसान, लघु व्यवसायी, मजदूर, लघु उद्योगों को 20 लाख करोड़ के पैकेज से कितनी राशि मिलेगी। उन्होने कहा कि भाजपा नेता यह बताने में भी विफ्ल हैं कि 6 साल के कार्यकाल में पेट्रोल.डीजल, खाद, रसोई गैस और दैनिक उपयोग की वस्तुओं की कीमतें कितनी बढ़ी है। महंगाई और बेरोजगारी आसमान छू रहे हैं इस मुद्दे पर भाजपा नेता मौन क्यों हैं।

6 लाख के कार्यों का किया भूमिपूजन

दुर्ग (नवप्रदेश)। महापौर धीरज बाकलीवाल द्वारा आज पोरसा पारा वार्ड 27 में रेणुका गजभिए के मकान से बिंदु यादव घर तक 6 लाख की लागत से सीमेंट सड़क निर्माण करने भूमि पूजन किया। इस दौरान विभाग प्रभारी अब्दुल गनी, शिक्षा विभाग प्रभारी मनदीप सिंह भाटिया, विद्युत यांत्रिकी विभाग प्रभारी भोला महोबिया, संस्कृति एवं पर्यटन विभाग प्रभारी अनूप चंदनिय, गरीबी उपशमन विभाग प्रभारी शंकर सिंह ठाकुर, वार्ड पार्षद मनीष बघेल एवं अधिकारी और वार्डवासी उपस्थित थे। इस मौके पर महापौर ने वार्डवासियों से अपील कर कहा कि आपकी मांग पर सड़क सीमेंटकरण किया जा रहा है। सड़क निर्माण के दौरान कार्य की गुणवत्ता पर आप भी विशेष ध्यान दें और निर्माण के दौरान निगम द्वारा पानी का क्यूरीरिंग तो किया जाएगा।

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.)
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अंकुर पिता अशोक लोहिया साकिन नेवनारा तहसील बेरला जिला बेमेतरा के द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम नेवनारा स्थित भूमि खसरा नंबर 351, 352, 334/2 रकबा 0.55, 0.17, 2.14 हें. भूमि को आवासीय/ व्यवसायिक/ औद्योगिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया हैं।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर दावा हो तो दिनांक 30.06.2020 तक स्वतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में शाम 5.00 बजे तक दावा आपत्ति पेश कर सकतें हैं तथा समय पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./1006/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती अर्चना साहू पति प्रेमूराम साहू निवासी ग्राम आदर्श नगर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 363/5 का टु. रकबा 1140 वर्गफीट हें. भूमि को विक्रेता ध्रुव कुमार साहू पिता स्व. बिसेसर निवासी ग्राम बोरसी बस्ती से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 08.06.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./1007/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक नीलकमल कुल्हारा पिता इन्द्र कुमार कुल्हारा निवासी ग्राम कलंगपुर तहसील व जिला बालोद के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 363/5 का टु. रकबा 1225 वर्गफीट हें. भूमि को विक्रेता ध्रुव कुमार साहू पिता स्व. बिसेसर निवासी ग्राम बोरसी बस्ती से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 16.03.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./1008/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्रीकांत मोहन मजुर पिता स्व. एम आर मजुर निवासी ग्राम मडौदा सेक्टर भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 363/5 का टु. रकबा 3000 वर्गफीट हें. भूमि को विक्रेता ध्रुव कुमार साहू पिता स्व. बिसेसर निवासी ग्राम बोरसी बस्ती से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 16.03.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./1009/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेन्द्र कुमार जांगीड पिता सत्यनारायण जांगीड निवासी ग्राम रुपगढ़ राजस्थान के द्वारा ग्राम बोरसी तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 363/5 का टु. रकबा 1162 वर्गफीट हें. भूमि को विक्रेता ध्रुव कुमार साहू पिता स्व. बिसेसर निवासी ग्राम बोरसी बस्ती से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 16.03.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./1010/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती भारती ठाकेर पति हर्ष कुमार ठाकरे निवासी ग्राम सेक्टर 5 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 399/6 का टु. रकबा 2750 वर्गफीट हें. भूमि को विक्रेता हेमिन बाई अन्य 4 पति स्व. पंचराम निवासी ग्राम बोरसी बस्ती से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 11.05.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 27.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./985/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती लक्ष्मी नेताम अनय 1 पति कुलवंत सिंह कावरे निवासी ग्राम अशोक नगर सरकंडा तहसील सरकंडा जिला बिलासपुर के द्वारा ग्राम पोटियाकला तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 123/1 रकबा 0.0110 हें. भूमि को विक्रेता कन्हैयालाल पिता स्व. बरसन उर्फ बारिसन निवासी ग्राम पोटियाकला से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 17.03.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 29.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग-1 (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है आवेदिका सीता बाई पति श्री रामजी साकिन डुण्डेरा के द्वारा ग्राम डुण्डेरा प.ह.न. 41 रा.नि.मं. अण्डा तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 800/1 का टु. रकबा 2200 वर्गफीट हे. भूमि विक्रेता मंगलराम बंजारे आ. स्व. रामचंद से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 16.11.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को क्रेता के नाम पर प्रमाणीकरण किए जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय मे प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर दावा हो तो व नियत पेशी दिनांक 24.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम ये इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नहीं किया जावेगा

आज दिनांक 10.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया है।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक किशोर वानखेड़े पिता रुपराम वानखेड़े निवासी कर्मचारी नगर सिकोलाभाठा दुर्ग मौजा सिकोला प.ह.नं. 08 रा.नि.मं. दुर्ग 02 तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 57/282 रकबा 1500 वर्गफीट हे. के नाम पर दर्ज है, भूमिस्वामी की मृत्यु दिनांक को हो जाने के कारण वारीसानों का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 26.06.2020 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र.//अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक नारायण सिंह आडिल आ. एम.आर. आडिल साकिन रिसाली द्वारा ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 रा.नि.मं. दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 695/53 रकबा 375 वर्गफीट भूमि का ऋण पुस्तिका एवं राजस्व अभिलेखों में पिता का नाम एस.आर. आडिल दर्ज है सुधार कर एम.आर. आडिल दर्ज करने के संबंध में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिस पर प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उपरोक्त भूमि पिता का नाम दुरुस्त किए किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 24.06.2020 तक या उसके पुर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — अतिरिक्त तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06 अ/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक रविकांत उपाध्याय पिता आर.एस. उपाध्याय निवासी पुलिस लाइन भिलाई नगर दुर्ग मौजा बघेरा प.ह.नं. 48 रा.नि.मं. तह. व जिला दुर्ग द्वारा बघेरा स्थित भूमि खसरा नंबर 266/6, 267/7 रकबा 1050 वर्गफीट भूमि में त्रुटिवश अकील अहमद आ. अब्दुल अहमद के नाम पर दर्ज हो गया है जिसे सुधारकर रविकांत उपाध्याय पिता आर.एस. उपाध्याय दर्ज करने हेतु आवेदन पेश किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 24.06.2020 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

रा.प्र.क्र./अ-06/वर्ष 2019 -20

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक अवतार सिंह, कुलदीप आ. स्व. रतन सिंह निवासी उतई तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम उतई तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1238/1 रकबा 0.3490 हें भूमि जो कि के नाम पर वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त भूमि के भूमिस्वामी के मृत्यु 26.02.2020 हो जाने पर फौती दर्ज कर विधिक वारिसानों का नाम वर्तमान राजस्व अभिलेख में दर्ज किए जाने बाबत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 24.06.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 10.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./1001/अ-06/वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका श्रीमती किरण कहार पति बाकेलाल कहार निवासी ग्राम पचरीपारा दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग के द्वारा ग्राम दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1273/58 रकबा 0.007 हें. भूमि को विक्रेता कैलाश कुमार साहू पिता समारुराम साहू निवासी ग्राम विजय नगर दुर्ग से रजिस्टर्ड बैनामा दिनांक 13.01.2020 को क्रय किया गया है। उक्त आवेदित भूमि को रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर क्रेता के पक्ष में प्रमाणीकरण किये जाने हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतएव इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा हो तो वह नियत पेशी दिनांक 08.07.2020 तक स्वयं अथवा अपने विधिमान्य अभिकर्ता के माध्यम से इस न्यायालय से इस न्यायालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रिता सोनेकर पिता/ पति आनंद सोनेकर निवासी मोहन नगर वार्ड क्र. 12 नया आमापारा दुर्ग मौजा... प.ह.नं. .. रा.नि.मं. .. तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 442/76 रकबा 0.0180 हे. भूमि को विक्रेता/ आम मुख्तयार नरेन्द्र कुमार रंगारे पिता अंतकरण रंगारे से दिनांक 05.03.2020 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 26.06.2020 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नायब तहसीलदार दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)
उद्घोषणा

रा.प्र.क्र./अ-06/ वर्ष 2019-20

एतद् द्वारा सर्वसाधारण आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक गीतेश पटेल एवं अन्य पिता स्व. बोधन पटेल निवासी संगम चौक दुर्ग दुर्ग मौजा उरला प.ह.नं. 07 रा.नि.मं. .. तह. व जिला दुर्ग में स्थित भूमि खसरा नंबर 602 रकबा 2430 वर्गफीट हे. भूमि को विक्रेता/ आम मुख्तयार सविता पिता/ पति रमाकांत से दिनांक 07.03.2020 को क्रय कर रजिस्ट्री बैनामा निष्पादित किया है आवेदक द्वारा उक्त बैनामा के आधार पर नामांतरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का उजर या दावा/आपत्ति करना हो तो नियत पेशी दिनांक 26.06.2020 अथवा प्रकाशन तिथि से 15 दिवस तक स्वयं अथवा अपने द्वारा अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से कार्यालय में उपस्थित होकर लिखित में आपत्ति आवेदन पेश कर सकते है। समयावधि पश्चात् आपत्ति प्रस्तुत होने पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 11.06.2020 को यह उद्घोषणा मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय मुहर के साथ जारी किया गया।

मुहर — नायब तहसीलदार, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय नजूल जांच अधिकारी दुर्ग (छ.ग.)
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मयूरेश वर्मा आ. स्व. बलराम वर्मा निवासी अस्पताल वार्ड दुर्ग के द्वारा तमेरपारा स्तार क्र. स्थित शीट क्रमांक 07 प्लाट नं. 2/16 रकबा 382/1/2 वर्गफीट के पट्टाधारी श्री स्व. श्री बलराम वर्मा आ. ढालचंद वर्मा निवासी दुर्ग की मृत्यु दिनांक 03.02.2019 को हो जाने के फलस्वरुप उक्त भू-खंड को वारिसन हक में आवेदक के नाम दर्ज करने हेतु नामांतरण आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है।

उक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार उजर या दावा पेश करना हो तो नियत पेशी दिनांक 30.06.2020 तक स्वयं या अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से दावा या आपत्ति प्रस्तुत करें। नियत समयावधि पश्चात प्राप्त दावा आपत्तियों पर विचारणीय नहीं होगा।

मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय मुद्रा से आज दिनांक 10.06.2020 जारी किया गया।

मुहर — नजूल जांच अधिकारी, दुर्ग (छ.ग.)

न्यूज गैलरी

भटगांव में कोरोना ने दी दस्तक, गांवों में मचा हड़कंप, सील

भटगांव (नव प्रदेश)। नगर पंचायत भटगांव में एक कोरोना पॉजिटिव केस मिलने के बाद पूरे नगर एवं आसपास के गांवों में हड़कंप मच गया। नगर पंचायत सीएमओ प्रदीप मिश्रा से प्राप्त जानकारी अनुसार शनिवार को रायपुर एम्स से टेस्ट रिपोर्ट आने के बाद भटगांव में एक कोरोना पॉजिटिव केस मिलने की पुष्टि हुई है, जिसे इलाज के लिए रायपुर भेजा गया है! टेस्ट रिपोर्ट आने के पूर्व शुक्रवार को कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति द्वारा कई दुकानों में खरीदारी की गई थी इसीलिए एतियातन के तौर पर पूरे नगर को 7 दिन के लिए सील किया गया है! जहां सिर्फ किसानों के लिए खाद- बीज एवं दवाई दुकान ही खुली रहेंगी बाकी सारी दुकाने एवं संस्थाएं पूरी तरह बंद रहेंगी! नगर भटगांव के बस्ती अंदर आने जाने के सभी रास्तों को सील कर दिया गया है, जिसमें मुख्य रुप से गौरव पथ मार्ग, कन्या स्कूल मार्ग, देवांगन मोहल्ला, मुसलमान मोहल्ला, अंबेडकर चौक देवसागर रोड आदि को सील किया गया है! वही कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आए हुए एक किराना दुकानदार का भी टेस्ट के लिए सैंपल लिया गया है जिसका रिपोर्ट आने के बाद ही यह पता चल पाएगा कि कोरोना पॉजिटिव व्यक्ति के संपर्क में आए हुए लोगों में संक्रमण फैला है या नहीं!

ग्राम मुंडा में 144 विद्यार्थियों को सूखा राशन वितरित

लवन (नव प्रदेश)। जनपद पंचायत बलौदा बाजार क्षेत्र अंतर्गत मेन रोड पर स्थित आदर्श ग्राम मुंडा मे पूर्व माध्यमिक शाला के 144 छात्र छात्राओं को 45 दिन का सुखा राशन आराधना स्व सहायता समूह के द्वारा शिक्षकों की उपस्थिति में वितरण किया गया। पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधान पाठक ममता चौहान ने बताया कि गोविंड19 के मद्देनजर शासन के गाइडलाइन के अनुसार 45 दिनों का सूखा राशन वितरण किया जा रहा है। जिसके तहत प्रत्येक बच्चों को 6 किलो 750 ग्राम चावल 1 किलो 350 ग्राम दाल 675 ग्राम सोयाबीन बड़ी 450 ग्राम अचार 350 ग्राम तेल एवं 375 ग्राम नमक का वितरण आराधना स्व सहायता समूह के अध्यक्ष सुखवंतीन बाई वर्मा के द्वारा किया गया। इस दौरान शाला प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सुमेर वर्मा शिक्षाविद कमलेश रजक महेश्वर रजक गोवर्धन वर्मा प्रवीण पांडे प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

ट्रक ड्राइवर निकला करोना पॉजिटिव

खरोरा। खरोरा से 7 किलोमीटर दूर से दूर स्थित ग्राम छडिया में मिला एक 27 वर्षी युवक करोना पॉजिटिव ऐम्स प्रबंधन ने की पुष्टि की है। युवक वर्तमान में बलौदा बाजार जिला जेल मे आर्म्स एक्ट की काट रहा है। यह ट्रक ड्राइवर महाराष्ट्र पुणे गया हुआ था। दिनांक 12 तारीख को खरतोरा नाका जिला बलौदा बाजार में पुलिस वालों ने जांच के लिए रोका तो ट्रक छोड़कर भगाकर गया था। पलारी में पुलिस वालों को चाकु दिखाने प्रयास किया गया था जिस पर पलारी जिला बलौदा बाजार पुलिस द्वारा आर्म्स एक्ट की धारा के तहत इस से बलोदा बाजार जेल भेज दिया गया था। वहां पर इसके करोना टेस्ट करने पर पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई। जिसकी जानकारी लगते ही संपूर्ण ग्राम छडिया को कंटेनमेंट जोन घोषित कर दिया गया। मौके पर थाना प्रभारी रमेश मरकाम सरिता मढरिया, नायाब तहसीलदार व प्रशासनिक अमला मौके पर मौजूद था।

मण्डी में- शेड के नीचे नीलामी चालू

नव प्रदेश संवाददाता

भाटापारा। अचानक बारिश के बाद बिगड़ी व्यवस्था और नुकसान के बाद आखिरकार मंडी प्रबंधन ने सबक लेते हुए व्यवस्था सुधार ली। सोमवार को कृषि उपज की नीलामी शेड के नीचे हुई। बाद की सारी प्रक्रिया भी नई व्यवस्था के अंतर्गत की गई।

शेड धीरे-धीरे खाली करवाए जाएंगे। यह भी किसानों की मेहनत से हासिल उपज है इसलिए तत्काल हटाने के लिए दबाव नहीं डाला जाएगा बल्कि इससे हो रही दिक्कत को उनके सामने रखकर समझाया जाएगा। भरोसा है कि किसान मान जाएंगे। अभिकर्ता पहले से ही राजी है तो ब्रोकर भी तैयार है जिनके भरोसे किसानों ने अपनी कृषि उपज शेड के नीचे रखी हुई है क्योंकि बादलों के तेवर पहले से ही दिखाई दे रहे हैं ऐसे में पूरा भरोसा है कि सभी इस पर राजी हो जाएंगे।

जाम नालियों की सफाई का भी होने लगा काम

धीरे-धीरे खाली करवाएंगे शेड

मंडी प्रशासन ने सोमवार को शेड की स्थिति का जायजा एक बार फिर से लिया। जानकारी सामने आई कि शेड के नीचे रखी कृषि उपज किसानों की है जिसे कम कीमत की वजह से बेचा नहीं जा सका है। इसके लिए अभिकर्ताओं की सलाह के बाद फैसला लिया गया है कि सभी शेड धीरे-धीरे खाली करवाए जाएंगे। इस बीच आवक को नियंत्रित करने के भी प्रयास है।

इस बीच मंडी प्रांगण की उन नालियों को चिन्हित कर लिया गया है जो पूरी तरह जाम हो चुकी है। इनकी साफ-सफाई चालू करवाई जा चुकी है। पहले यह काम सबसे पिछले हिस्से से चालू किया जा चुका है। इसके बाद उस हिस्से की पूरी तरह जाम हो चुकी नालियों की सफाई की जाएगी जहां सबसे ज्यादा काम का दबाव है। यह हिस्सा मुख्य द्वार के ठीक बाद पडने वाला प्रांगण हैं जहां की नालियां दिखाई ही नहीं दे रही है। मानसून की बारिश के बाद अब किसान कृषि कार्य में लग चुके हैं। लिहाजा आवक पर असर पड़ा। इसके अलावा बारिश को देखते हुए मिलों ने भी स्टॉक कर रखा है। खरीदी तो हो रही है लेकिन मात्रा उतनी ही रखी जा रही है जो स्टॉक को बनाए रखेगी। नई व्यवस्था के बीच सोमवार को मंडी में आवक आठ से 10, हजार बोरा की रही थी जबकि दलहन और तिलहन में आवक सामान्य बताई गई। अभिकर्ताओं के मुताबिक शेड के नीचे इस समय रखी कृषि उपज की अनुमानित मात्रा लगभग 7 से 8 हजार बोरा के आसपास है।

समस्या और निदान के प्रयासों के बीच के नीचे रखी इस सभी मात्रा को धीरे-धीरे नीलाम करवाया जाएगा।इससे बारिश के पूरे सीजन मैं दिक्कत नहीं आएगी। अभिकर्ता संघ के अध्यक्ष राजेश तिवारी का कहना है कि हमारा पूरा सहयोग रहेगा व्यवस्था बनाने में।

विधायक शिवरतन शर्मा ने किया नए पंचायत का भूमिपूजन

नव प्रदेश संवाददाता

भाटापारा। ग्राम पंचायत धौराभाठा (सिद्धबाबा) में 14 लाख की लागत से बनने वाले नये ग्राम पंचायत भवन के लिए भूमि पूजन कर भवन निर्माण का कार्य शुरू किया गया जिसमें शारीरिक दूरी का पालन करते हुए विधि विधान से धरती माता का पूजन कर भवन निर्माण का कार्य क्षेत्रीय विधायक,प्रवक्ता भाजपा छग शिवरतन शर्मा के कर कमलों से किया गया। शिवरतन शर्मा ने गांव के विकास में हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने क्षेत्र में अपने प्रयास से कराए गए कार्यों को विस्तार से बताया।

उक्त अवसर पर रोशन साहू जनपद सदस्य,प्रेमनारायण चौबे सरपंच, इस्वरी वर्मा उपसरपंच, चंद्र प्रकाश साहू जनपद टोनाटार, कुमलेस देवांगन, जीत नारायण साव, गौकरण यादव, ईश्वर साहू, हेमंत ध्रुव, कुमारी साहू, नीलम ध्रुव, सत्यवती वर्मा, चित्रलेखा साहू,गिरिजा साहू आदि उपस्थित थे।

जिला में 4 नए मरीजों की पुष्टि

जिला कोविड हॉस्पिटल से हुए 5मरीज डिस्चार्ज

बलौदाबाजार। आज दोहपर एम्स रायपुर के जरिए 4 नये संक्रमित मरीज की पुष्टि किया गया है। जिसमें से 1 मरीज जिला कोविड हॉस्पिटल में ही डॉक्टरों के देख रेख में था। दूसरा मरीज पलारी विकासखण्ड के ग्राम संडी की है। जो पिछले कुछ दिनों से जिला हॉस्पिटल में सर्दी खाँसी की शिकायत को लेकर भर्ती था। जिनका सैम्पल लेकर रायपुर भेजा गया था आज पाजेटिव आने पर उन्हें भी जिला कोविड हॉस्पिटल में शिफ्ट किया गया है। तीसरा मरीज कसडोल विकासखण्ड के ग्राम सुकदा के क्वारेंटिंन सेंटर का है। चौथा मरीज पलारी विकासखण्ड के ग्राम झिरिया का है। जो एक कैदी है यह 3 दिन पहले ही उपजेल बलौदाबाजार में कैद किया गया था। हालांकि वह मरीज कोरोना गाईड लाईन के हिसाब से एक अलग बैरिकेट में रखा गया था। नये गाँवो को कंटेंटमेन्ट जोन घोषित कर दिया गया है। सभी मरीजों का कॉन्ट्रेक्ट ट्रेसिंग भी किया जा रहा है। साथ ही जिला मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ खेमराज सोनवानी ने बताया कि आज जिला कोविड हॉस्पिटल से 5 मरीज डिस्चार्ज हुए है। सभी 5 मरीज ग्राम का धाराशिव है। जिसमे 1बच्चा ,2 महिला एवं 2 पुरूष है।जिला में इस प्रकार कुल संक्रमित मरीजों की संख्या 1 सौ 40 हो गया है। जिसमें एक्टिव मरीज की संख्या 63 एवं 77 लोग डिस्चार्ज हुए हैं।

कोरोना वारियर्स अधिकारियों का सम्मान

नव प्रदेश संवाददाता

भाटापारा। कोरोना जैसी संक्रमक बीमारी से आम लोगो को सुरक्षित रखने रात दिन सेवा करने वाले जिला पुलिस अधीक्षक, एसडीएम और शहर थानेदार का कोरोना वारियर्स के रूप में नोयडा दिल्ली की एक संस्था ने उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया है।

छत्तीसगढ़ सहित जिले में कोरोना जैसी संक्रमक बीमारी की दस्तक की आहट होते ही इससे लोगो को सुरक्षित रखने के लिए बिना समय गवाएं रात दिन लोगो को जागरूक करने वाले जिले के पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर,एसडीएम महेश सिंह राजपूत और शहर थानेदार महेश ध्रुव का दिल्ली नोएडा की एक कम्पनी ने उन्हें कोरोना वॉरियर्स के रूप में लोगो की सेवा करने के कारण प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया है। विदित हो की कोविड 19 कोरोना वायरस की खबर जिस रफ़्तार से छत्तीसगढ़ होते जिले में पहुँची उसी रफ़्तार से प्रशासनिक अधिकारीयो ने लोगो को अलर्ट करते हुए इससे बचने के उपायो को भी अमलीजामा पहनाना चालू कर दिया था और यही कारण है की इस जिले के इस महत्वपूर्ण शहर में अन लाक 1 के समय ही इसकी शुरुवात हुई।इस बात की खबर के बाद से एसडीएम महेश सिंह राजपूत और थानेदार महेश ध्रुव ने कलेक्टर के द्वारा कन्टेन्टमेंट क्षेत्र घोषित करते ही इसका बहुत ही कड़ाई से पालन कराया। इस क्षेत्र के लोग कही अन्य जगह दिखते तो उन पर भी कड़ाई बरतने में देरी नही करते थे।

तीन प्रमुख जिलो का एक मात्र महत्वपूर्ण और बड़ा रेलवे स्टेशन होने के कारण यहाँ पर पिछले 1 माह से प्रवासी श्रमिको का आना लगा हुआ है। ये श्रमिक ऐसे ऐसे राज्यो से आये है जीन राज्यो में कोरोना पीडितो की संख्या लगातार तेज गति से बढ़ते चरण में रही है, वहा से आये श्रमिको के बीच लगातार रहकर सेवा करने वाले एससीएम महेश सिंह राजपूत,शहर थानेदार महेश ध्रुव को कोरोना वारियर्स का सम्मान होने से शहर वासी भी अपने आप को गौरान्वित महससू कर रहे है और उन्हें उनकी सजगता,सक्रीयता और मेहनत के मिले सम्मान के लिए जिला पुलिस अधीक्षक प्रशांत ठाकुर,एसडीएम महेश सिंह राजपूत टी आई टाउन महेश ध्रुव को नगर की जनता ने बधाई और शुभ कामना दी है।

नम्बर बढ़ाने कुछ भी बयानबाजी करते हैं कांग्रेसी : राजा शर्मा

नव प्रदेश संवाददाता

भाटापारा। नगर के वरिस्ठ युवा भाजपा नेता राजा शर्मा ने एक बयान में कहा कि अपने आकाओं के सामने अपने नंबर बढ़ाने के चक्कर में कांग्रेस के नेता विधायक शिवरतन शर्मा द्वारा प्रदेश सरकार के डेढ़ वर्षो के कार्यकाल में उसका आईना दिखाए जाने पर स्तरहींन बयान बाजी कर रहे हैं। भाजपा नेता राजा शर्मा ने कहा कि कांग्रेस के नेता पहले प्रदेश सरकार द्वारा चुनाव के पूर्व छत्तीसगढ़ की जनता से किए गए वायदे प्रदेश में पूर्ण शराबबंदी ,किसानों का पूर्ण कर्ज माफी, ? 2500 में धान की खरीदी, शिक्षित बेरोजगारों को 25 00 रूपये महीना ,संविदा कर्मचारियों को स्थाई करना , किसानों के बकाया 2 वर्ष के बोनस को देना चिटफंड कंपनियों के द्वारा प्रदेश की जनता के हजम किए पैसे को वापस दिलवाना पुलिस कर्मियों का सप्ताहिक अवकाश विधवा महिलाओं एवं बुजुर्गों को 1000रूपये प्रति माह का पेंशन सहित अनेक लोग लुभावने वायदे जो कांग्रेसी पार्टी ने किए थे क्या वह वादे भूपेश सरकार पूरा कर रही है भाजपा नेता ने कहा कि यही वायदो की याद अगर कांग्रेस नेताओं को दिलाई जाए तो वह उनके बर्दाश्त के बाहर हो जाती है वह तो भला हो मोदी सरकार का जिन्होंने छत्तीसगढ़ सरकार को करोड़ों रुपए की धनराशि सहायता में दी भरपूर मात्रा में चावल दे रहे हैं महिलाओं के खातों में प्रतिमाह 500 रूपये की राशि किसानों के खातों में 2000 की राशि महिलाओं को निशुल्क 3 सिलेंडर देकर छत्तीसगढ़ की जनता को काफी राहत दी है राजा शर्मा ने आगे कहा कि जिस कांग्रेस पार्टी ने देश में 60 साल तक शासन करने के बाद भी किसी गरीब परिवार के यहां शौचालय का निर्माण ना किया हो किसी गरीब परिवार के खाते में पैसा भेजना तो दूर उनका बैंक खाता भी ना खुलवाया हो किसी गरीब के परिवार के मकान के लिए धनराशि न दी हो उस कांग्रेश पार्टी को इन बाते की याद दिलाई जाए तो उन नेताओं के पेट में क्यों दर्द हो रहा है?

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.)

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक अशोक पिता सावरमल साकिन नेवनारा तहसील बेरला जिला बेमेतरा के द्वारा अपने भूमि स्वामी हक की भूमि ग्राम नेवनारा स्थित भूमि खसरा नंबर 349, 350, 336, 338 रकबा 0.47, 0.38, 0.44, 0.28 हें. भूमि को आवासीय/ व्यवसायिक/ औद्योगिक प्रयोजन हेतु व्यपवर्तन किये जाने हेतु आवेदन पत्र पेश किया हैं।

अतः इस संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को उजर दावा हो तो दिनांक 30.06.2020 तक स्वतः अधोहस्ताक्षरकर्ता के न्यायालय में शाम 5.00 बजे तक दावा आपत्ति पेश कर सकतें हैं तथा समय पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के पदमुद्रा सहित जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, बेरला जिला बेमेतरा (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400464

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक मेसर्स मेघरत्न डेवलपर्स निलेश बाफना आ. श्री जवरीलाल बाफना निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 247/131 रकबा 0.0090 हें/ अर्थात 900 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400463

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका कविता बाफना पति श्री निलेश बाफना निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 247/147 रकबा 0.008 हें/ अर्थात 900 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400467

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका कविता बाफना पति श्री निलेश बाफना निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 247/133 रकबा 0.008 हें/ अर्थात 900 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400465

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक मेसर्स मेघरत्न डेवलपर्स निलेश बाफना आ. श्री जवरीलाल बाफना निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 247/150 रकबा 0.0074 हें/ अर्थात 800 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400466

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक मेसर्स मेघरत्न डेवलपर्स निलेश बाफना आ. श्री जवरीलाल बाफना निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 247/144 रकबा 0.0083 हें/ अर्थात 888.60 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.	पक्षकार का नाम	ऑनलाईन
ई-कोर्ट	जेहनलाल निर्मल	रजिस्ट्रेशन नं. 202006100400451

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक जोहन लाल निर्मल आ. खेमलाल निर्मल निवासी 28 बी के. पाकेट मरौदा भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह.व जिला दुर्ग	728/9	0.020 हें 2400 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र.	पक्षकार का नाम	ऑनलाईन
ई-कोर्ट	महावीर सिंह वर्मा	रजिस्ट्रेशन नं. 202006100400453

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक महावीर सिंह वर्मा आ. बी.एस. वर्मा निवासी क्वा. नं. 7 ए सड़क 13 सेक्टर 7 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह.व जिला दुर्ग	728/4	0.020 हें 2400 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

सौर सुजला योजना : लॉकडाउन में जिले के किसान हुए लाभान्वित

नव प्रदेश संवाददाता

बेमेतरा/साजा। देश के विकास की रीढ़ किसानों को माना जाता है ऐसे में कृषक और कृषि के संपूर्ण विकास के लिए छत्तीसगढ़ राज्य अक्षय ऊर्जा विकास अभिकरण (क्रेडा) विभाग द्वारा संचालित महत्वपूर्ण योजना सौर सुजला योजना सार्थक सिद्ध हो रही है। कृषकों को खेती एवं गौठान/चारागाहो में पेयजल एवं सिंचाई हेतु सोलर पंप कारगर सिद्ध हो रहे है। बिजली आपूर्ति नहीं होने पर भी सोलर पंप से सिंचाई की जा सकती है। इस योजना से किसानों को बिजली कटौती और भारी बिजली बिल से भी मुक्ति मिल गई है तथा संयंत्र के रख-रखाव में भी किसानों को कम मेहनत एवं व्यय लगता है। वर्तमान समय में बढ़ते तापमान एवं परम्परागत साधनों के कमियों को दूर करने लिए कृषकों को सोलर पंप अपने खेतों में लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

क्रेडा विभाग बेमेतरा के जिला प्रभारी डी.एस. सिदार ने बताया कि सोलर पंप के उपयोग से कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ भू-जल संवर्धन का भी कार्य किया जा रहा है एवं सोलर पंप ग्रीन एनर्जी होने के साथ-साथ पर्यावरण के लिए अनुकूल है। बिजली पर निर्भरता कम हो जाती है, क्योंकि सोलर पंप सूर्य की रोशनी से कार्य करता है, इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था के साथ-साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है। तथा सौर सुजला योजना के तहत कृषकों को 2, 3 एवं 5 एचपी क्षमता के सोलर पंप के स्थापना पर लगभग 90-95 प्रतिशत तक सब्सिडी का प्रावधान है। जिले के कृषक जो सोलर पंप लगाने के इच्छुक है वे कृषि विभाग के माध्यम से आवेदन कर सकते है। उन्होंने बताया कि योजना के अंतर्गत वर्ष 2018-19 तक कुल 297 सोलर पंप स्थापना का कार्य किया जा चुका है। वर्ष 2019-20 में जिला बेमेतरा को 270 का लक्ष्य प्राप्त हुआ है जिसमें स्थापना कार्य प्रगति पर है।

कोविड 19 के कारण लॉकडाउन की अवधी में क्रेडा द्वारा जिले में 24 कृषकों के यहाँ सोलर पंप स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया तथा 04 गौठान/चारागाह में भी सोलर पंप स्थापना का कार्य पूर्ण किया गया है। पूर्व में 9 गौठान/चारागाह में सोलर पंप स्थापित किये गये है।

जिला बेमेतरा के कृषक सोलर पंप के माध्यम से विभिन्न प्रकार की खेती कर रहे है जैसेः- धान, गेहूँ, गन्ना, पपीता, केला, टमाटर, फुल गोभी, लौकी, कुम्हडा, मिर्च,, खीरा इत्यादि प्रकार की भी खेती कर रहे है, जिससे औसतन माह में हजारों तक की आमदनी अर्जित कर रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है। क्रेडा अधिकारी ने बताया कि हितग्राही को सिंचाई करने में किसी भी प्रकार का विद्युत शुल्क नहीं देना पड़ रहा है। निःशुल्क सिंचाई हो जाने से कृषकों को डबल फसल लेने में सुविधा हो रही है। साथ ही किसानों की आमदनी में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है। किसान अपने खेतों में सोलर पंप की स्थापना से पूर्व केवल खरीफफसल ले पाते थे, लेकिन पंप लग जाने क बाद अब सालभर में दो-तीन फसल आसानी से लेने लगे है।

न्यूज गैलरी

आरू साहू बने ब्रांड एंबेसडर, युवा प्रकोष्ठ ने दी बधाई

खरोरा (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ की 11 वर्षीय लोक गायिका आरू साहू को राष्ट्रीय लोक कलाकार मंच का ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने पर साहू समाज युवा प्रकोष्ठ रायपुर संभाग ने बधाई एवं शुभकामनाएं दिए है रायपुर संभाग युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष प्यारे लाल साहू ने बधाई देते हुए कहा है कि लोक गायक के क्षेत्र में अपनी अल्प आयु में ही आरू ने अपनी सुरीली एवं जादुई आवाज से श्रोताओं के दिलों में राज की है इनके अल्प आयु एवं अल्प समय में इसके उपलब्धि से साहू समाज एवं छत्तीसगढ़ गौरवान्वित हुआ है उन्होंने आरू की उज्जवल भविष्य की कामना भी की। आरू को बधाई एवं शुभकामनाएं देने वालों में प्यारे लाल साहू के साथ-साथ युगल किशोर साहू, चंद्र प्रकाश साहू, रूप सिंह साहू, मनीष साहू, रविशंकर साहू, किशोर साहू, ललित साहू ,प्रकाशमणी साहू, देवेंद्र साहू ,नंदू साहू, सुरेश साहू, जितेंद्र साहू, पोषणसाहू ,प्रेम साहू , महेंद्र साहू, वीरेंद्र साहू गजानन साहू कुलदीप साहू, अनुराग साहू, महेश साहू ,हेमलाल साहू साहू ,रामेश्वर साहू, युवराज साहू डेरहू साहू, दीपक साहू, केशव साहू ,मनहरण साहू ,सुखुराम साहू, प्रकाश साहू, डॉ दिनेश साहू डॉ पुनीत साहू, डॉ गिरीश साहू, खोमेंद्र साहू, अनिल साहू, हरिश साहू, डोमन साहू, वानेश साहू, गुलशन साहू ,विजय साहू, अभिषेक साहू, शिवा साहू, किशन साहू, टोमन साहू, पप्पू साहू ,लव कुश साहू, कमलेश साहू, टिकेंद साहू, सोनू कुमार साहू, द्वारिका साहू ,रोशन साहू, भीष्म साहू, धनेंद साहू, लक्की साहू, दुष्यंत साहू,राजेश,गोपी सहित युवा प्रकोष्ठ रायपुर संभाग के अन्य पदाधिकारी गण एवं सदस्यगण शामिल है।

जिले में मिले दो कोरोना पॉजिटिव, मुख्यालय सेनिटाईज

गरियाबंद। जिले में दो और कोरोना पाजीटीव मिलने की पुष्टि एम्स रायपुर ने की है। जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ नेतराम नवरत्ने ने बताया कि दोनो पाजीटीव मरीज मैनपुर ब्लाक में पाए गए है इसमें एक पुलिस का जवान है तथा एक गर्भवती महिला है जो हाल में ही ओडिशा कटक से लौटी थी। उन्होने बताया कि पुलिस के जवान को गरियाबंद में आईसोलेट किया गया है, महिला को मैनपुर से लाने के बाद दोनो को एक साथ सोमवार सुबह रायपुर रिफर किया जाएगा। इधर कोरोना पाजीटीव मिलने के बाद जिला मुख्यालय में हडकम्प मच गया है बताया जा रहा है कि पुलिस का जवान जो कोरोना पाजीटीव मिला है व रविवार शाम गरियाबंद नगर में ही घुम रहा था, शाम को ही उसके पाजीटीव होने की पुष्टि एम्स ने की। जवान अमलीपदर थाने में पदस्थ था, हाल में ही स्थानातंरण फिंगेश्वर हुआ था। रविवार को अमलीपदर थाना से रिलीफ होने के बाद वह गरियाबंद आया हुआ था। इस दौरान उसकी कोरोना जांच रिपोर्ट मिली। सुचना मिलते ही उसे तुरंत जिला अस्पताल में आईसोलेट कर दिया गया है।

ग्राम सुखरी- हरडंडा में मिला 1-1 कोरोना पॉजिटिव, सील

नव प्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। छुईखदान ब्लाक मे एक के बाद एक कोरोना मरीज मिलने से हड़कंप मचा हुआ है। 14 जून को दो कोरोना पॉजिटिव मरीज मिलने की पुष्टि हुई है। बताया जाता है कि सुखरी गांव में बेंगलौर से एक प्रवासी मजदूर 8 जून को आया हुआ है। जिसका सैंपल 12 जून को लिया गया। दोनो ही मरीज को क्वारेंटाईन किया गया था। वहीं 14 जून को पाज़िटिव रिपोर्ट आने से हड़कंप मच गया है। इधर हरडंडा में आए प्रवासी मजदूर जो दिल्ली से 1 जून को आया हुआ था। जिसका सैंपल 12 तारीख को दिया गया था। वही 14 तारीख को पॉजिटिव रिपोर्ट होने की पुष्टि हुई है। बहरहाल दोनों ही मरीजों को

राजनांदगांव मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। इधर ब्लॉक के सुखरी, हरडंडा के आसपास गांव मे भी दहशत का माहौल बना हुआ है। आए दिन एक न एक कोरोना मरीज मिलने की खबर से लोगों में दहशत बना हुआ है।

छुईखदान ब्लॉक के गंडई के नजदीकी ग्राम सुखरी और हरडंडा में कल 1-1 कोरोना पॉजिटिव पाया गया। इससे पहले 6 जून को ग्राम पंचायत लिमो में कोरोना का 1 पॉजिटिव केश मिला था जिसके बाद लिमो को सील कर दिया गया था लिमो का मामला अभी 10 दिन भी नही हुआ है और लिमो से महज 05 से 7 किमी की दूरी पर स्थित ग्राम सुखरी हरडंडा में कल 2 और कोरोना पॉजिटिव केश की पुष्टि हुई है। सुखरी, हरडडा में पॉजिटिव केश होने की पुष्टि होने के बाद एसडीएम दीप्ति वर्मा, तहसीलदार प्रफुल्ल गुप्ता के साथ स्वाथ्य विभाग के बीएमओ लीला रामटेके, बीपीएम बृजेश ताम्रकार, सेक्टर सुरवाईजर मकबूल खान, मेल वर्कर मनीष श्रीवास्तव, एएनएम एस.कश्यप ग्राम के सरपंच, सचिव फौरी तौर पर आज सुबह स्पॉट में जाकर कागजी कार्यवाही करते हुए दोनों ही पॉजिटिव केश को एम्बुलेंश से राजनाँदगाँव रिफर किया गया। दोनो ही गाव को 1 किलोमीटर के दायरे को सील किया गया है।

बेंगलोर और दिल्ली से आये थे

ग्राम हरडण्डा में 1 जून को 1 परिवार दिल्ली से वापिश गाव आया जहा पर उन्हें क्वारंटाइन सेंटर में ठहराया गया था इस दौरान 40 वर्षीय महिला के गले मे खराश, बुखार एवम अन्य लक्षण पाया गया। जिसके बाद दिनाक 12 जून को 3 लोगो का कोरोना जांच किया गया जिसमें जांच रिपोर्ट 14 जून को आया और 40 वर्षीय महिला जिसमे कोरोना के चिमटम्स नजर आया था इसके बाद कोरोना पॉजिटिव आयी। सुखरी में पाए गए पॉजिटिव केश 8 तारीख को बेंगलोर से वापस सुखरी में आया था जहां उसे क्वारंटाइन सेंटर में ठहराया गया था बीते 12 जून को सुखरी में 03 लोगो का जांच किया गया था जिसका रिपोर्ट 14 जून को आया जिसमे 1 व्यक्ति जिसका उम्र 45 वर्ष है कोरोना पॉजिटिव आया।

क्रमोन्नति व पदोन्नत्ति की मांग को शासन तक पहुंचाने अभियान का आगाज

- सेल्फी फ़ॉर पदोन्नत्ति - क्रमोन्नति अभियान
- 5 साल की सेवा में पदोन्नति, 10 वर्ष की सेवा पर क्रमोन्नति का नियम
- शिक्षा विभाग में पदोन्नति के 46 हजार पद रिक्त

नव प्रदेश संवाददाता

गंडई पंडरिया। शिक्षा विभाग में लगभग 46 हजार पद रिक्त है, प्राथमिक शाला प्रधान पाठक के 22 हजार, मिडिल प्रधान पाठक के 6 हजार, व्याख्याता के 10 हजार, शिक्षक के 08 हजार पद पदोन्नति हेतु रिक्त है, साथ ही प्राचार्य के पद की गणना शेष है, इसमे सबसे बड़ी बात यह है कि 22 हजार प्राथमिक शाला में प्रधान पाठक का पद 14 वर्ष से रिक्त है। शिक्षा विभाग में भर्ती व पदोन्नति नियम 2019 में, पदोन्नति हेतु 5 वर्ष की सेवा अनुभव का प्रावधान किया गया है। एल बी संवर्ग के शिक्षको का शिक्षकीय सेवा अनुभव 22 वर्ष तक का है, अतः शिक्षकीय सेवा के आधार पर प्रदेश के हजारो रिक्त पदों की पूर्ति किया जाने की मांग है। छत्तीसगढ़ शासन में शोषण की यह पराकाष्ठा ही है कि 22 वर्ष की शिक्षकीय सेवा के बाद भी हजारो एल बी संवर्ग के शिक्षक पदोन्नति/क्रमोन्नति से वंचित है। वर्तमान में शिक्षा विभाग में 10 वर्ष की सेवा पश्चात क्रमोन्नति का प्रावधान है, सरकार ने अपने जनघोषणा पत्र में पदोन्नति से वंचित एल बी संवर्ग के शिक्षको को क्रमोन्नति देने का वादा किया है, अतः प्रथम नियुक्ति के आधार पर सेवाकाल की गणना कर 10 वर्ष पूर्ण करने वाले शिक्षको को क्रमोन्नति दिया जावे। शिक्षकीय सेवा के आधार पर एल बी संवर्ग के शिक्षकों को पदोन्नत्ति व क्रमोन्नति देने के लिए शिक्षा विभाग को तत्काल निर्णय लेना चाहिए, पदोन्नत्ति व क्रमोन्नति की मांग को शासन तक पहुंचाने प्रदेश के सभी शिक्षक सेल्फी फ़ॉर पदोन्नत्ति - क्रमोन्नति अभियान के तहत शिक्षकीय सेवा के आधार पर पदोन्नत्ति व क्रमोन्नति का लाभ देने की मांग के समर्थन में अभियान चलाएंगे। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन के ब्लाक अध्यक्ष संजय सिंह राजपूत, ब्लॉक संयोजक बल्दाऊ जंघेल ,जय नारायण तिवारी,ब्लॉक उपाध्यक्ष मनोज मरकाम ,गन्नू टंडन , जिला उपाध्यक्ष भारत साहू, कौशल राजपूत,रामसुख निषाद राजेन्दर यादव ने माँग की है।

मास्क न पहनने वालों के खिलाफ चला अभियान

गंडई पंडरिया। पूरे देश मे तबाही मचाने वाले कोरोना वायरस के कहर और प्रवासी मजदूरों जो कोरेनटाइन सेंटर में थे वह पॉज़िटिव पाए जाने को देखते हुए शासन प्रशासन के द्वारा जारी गाइडलाइन के अनुसार सभी को मास्क पहनना अनिवार्य है। कोई भी घर से बिना मास्क पहने बाहर निकले इसके लिए शासन-प्रशासन द्वारा लगातार अपील की जा रही है पर कुछ लोग इसमे लापरवाही कर रहे। इन्हीं को सुधारने के लिए नगर पंचायत एवं पुलिस प्रशासन कल सोमवार को गंडई के मुख्य चौक में प्रशासनिक अमला की पूरी टिम ने अभियान चलाकर बाईक में बिना मास्क के घूमने वालो ऐसे 89 लोगो से 8 हजार 900/ रुपये वसूले है। टीम में सीएमओ खुमान कश्यप, थाना प्रभारी शिव प्रशाद चंद्रा की टीम और नगर पंचायत के शत्रुहन मारकंडे रमेशर निर्मलकर युगल ताम्रकार सहित टीम नगर के मुख्य चौक पर मास्क ना पहनने वालों के खिलाफएक बड़ा अभियान चलाया। जो लोग भी बिना मास्क के वाहन चलाते मिले उनको चेतावनी दी गई।

मॉस्क वाली शादी...

खरोरा (नव प्रदेश)। ग्राम बंगोली निवासी स्व.रामकुमार कंडरा सुपुत्र गिरधर कंडरा की विवाह राजिम निवासी पवन कंडरा की सुपुत्री चॉदनी कंडरा का विवाह पूर्ण लॉकडाऊन की पालन करते हुए विवाह मंडप मे मॉस्क लगाकर विवाह की रस्म पूर्ण की।

जुताई में जुटे किसान

गरियाबंद (नव प्रदेश)। प्री मानसून की झमाझम बारिश हो चुकी है और किसान खेतों का रूख कर रहे हैं। इन दिनों किसान खेतों को अधिक उपजाऊ बनाने तथा खरपतावारों को नष्ट करने अकरस कर रहे हैं। मानसून की पहली दस्तक के 7 साथ ही धान की बोआई भी शुरू हो जाएगी । सिंचाई के साधनों से संपन्न किसान नर्सरी तैयार करने में व्यस्त हैं । लेकिन , लॉकडाउन के चलते खुले बाजार में बीज व खाद की उपलब्धता कम हो जा रही है । इधर , समितियों का दावा है कि खाद और बीज का पर्याप्त भंडारण कर लिया गया है और रोजाना सैकड़ों किसानों को वितरण भी किया जा रहा है । बीते गुरूवार और 7 शुक्रवार को हुई बारिश ने कृषि 1कार्य में तेजी ला दी है। फिलहाल किसान बोआई का कार्य शुरू नहीं किए हैं और सिर्फ नर्सरी लगाने का कार्य जारी है। लेकिन इस बार काविड -19 के कारण लगाए गए लॉकडाउन के चलते बीज और खाद की उपलब्धता में कमी देखी जा रही है। समितियों से खाद का उठाव की गति भी धीमी है। इसके अलावा खुले बाजार से बीज और खाद की खरीदी करने वाले किसानों की तदाद कहीं अधिक है, जिन्हें मनचाहा बीज नहीं मिल पा रह है। हालांकि, कृषि सेवा केंद्रों को लॉकडाउन से मुक्त रखा गया है लेकिन, दुकान संचालक की भी अपनी परेशानी है।

छूट के साथ मिल सकती है राहत राशि

जिस तरह से पूरे देश में कोविड का कहर बढ़ता जा रहा है , इससे किसान इस बार सरकार से कई प्रकार की उम्मीद पाल रखे हैं । इसमें कई प्रकार की राहत राशि के अलावा उपज के अच्छे दाम की आस लगाए बैठे हैं , जिससे किसानों में खेती कार्य को लेकर ज्यादा उत्साह देखा जा रहा है। सरकार भी किसानों को राहत देने कई प्रकार योजनाओं की शुरुवात के संकेत भी दे रहे हैं।

जल्दी बारिश से खिले चेहरे

मानसून के आने पूर्व ही अच्छी बारिश होने से इस बार किसान खुश नजर आ रहे हैं । उन्हें इस बार अकरस जुताई करने का कई मौका मिला है । जबकि , बीते साल कई किसान अकरस जुताई नहीं कर पाए थे , जिसके चलते खरपतवार बढ़ गया था और किसानों को कई - कई बार निंदानाशक दवाई का छिड़काव करने के अलावा निंदाई भी करानी पड़ी थी। अब उन्हें मानसून की बारिश का इंतजार है, ताकि धान बुआई का कार्य शुरू किया जा सके।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला - दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा-पत्र

रा.प्र.क्र. ई-कोर्ट	पक्षकार का नाम नारायण सिंह बर्छिहा	ऑनलाईन रजिस्ट्रेशन नं. 202006100400452

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक नारायण सिंह बर्छिहा आ. कृष्णाराम बर्छिहा निवासी क्वा. नं. 2 ई सड़क 33 सेक्टर 7 भिलाई तहसील व जिला दुर्ग छ.ग. द्वारा नीचे अनुसूची में दर्शित भूमि को उसके सम्मुख दर्शित प्रयोजन के लिए व्यपवर्तन/पुर्ननिर्धारण हेतु आवेदन पत्र छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 172 सहपठित धारा 59 (2)(5) तहत् आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया हैं, जिसके संबंध में इस न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन हैं।

अनुसूची

ग्राम/प.ह.नं.जहां भूमि स्थित है	खसरा नंबर	रकबा	प्रयोजन
ग्राम रिसाली प.ह.न. 22 तह.व जिला दुर्ग	729/19	0.020 हें 2400 वर्गफीट	आवासीय

अतएव उपरोक्त वर्णित आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति, संस्था, शासकीय विभाग, सार्वजनिक या अर्धसार्वजनिक उपक्रम को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वे इस उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस के भीतर अपनी लिखित आपत्ति/दावा स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत कालावधि के बाद प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की पदमुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग, जिला दुर्ग

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400459

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका नूरजहॉ खान पति नईम खान निवासी केलाबाड़ी दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम कसारीडीह प.ह.न. 25 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 711/175 रकबा 0.055 हें/ अर्थात 600 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400460

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका शाहिना परवीन पति मो. रफीक आलम निवासी केलाबाड़ी दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम कसारीडीह प.ह.न. 25 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 711/328 रकबा 0.055 हें/ अर्थात 600 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400462

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक शैलेष पाल आ. श्री ए.के. पाल निवासी साकेत कालोनी कातुलबोर्ड दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 752/5 रकबा 0.040 हें/ अर्थात 4355 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400403

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री जयकरण लाल वर्मा आ. बालाराम वर्मा निवासी मरोदा सेक्टर द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 759/22 रकबा 0.0200 हें/ अर्थात 2220 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 12.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400402

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती प्रेमीन बाई साहू पति श्री पदमन लाल साहू निवासी वेदांत नगर केम्प-2 पेट्रोल पंप के सामने द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 759/21 रकबा 0.026 हें/ अर्थात 2850 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 10.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400392

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री विद्यावती ठाकुर आ. श्री प्रहलाद सिंह ठाकुर निवासी दीपक नगर दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम बोरसी प.ह.न. 19/23 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 245/20, 246/23 रकबा 0.013 हें/ अर्थात 1470 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 10.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400503

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती अर्चना वर्मा पति श्री उपेन्द्र कुमार वर्मा निवासी पाटन तहसील पाटन जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उतई प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1096/55 रकबा 0.010 हें/ अर्थात 1000 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 15.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर — अनुविभागीय अधिकारी, दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

जिला चिकित्सालय में विधायक छाबड़ा ने बांटा भोजन

बेमेतरा/साजा – बेमेतरा विधायक आशीष छाबड़ा ने जिला चिकित्सालय में श्री महामेरू अनुपूर्णा सेवा संस्थान द्वारा पका हुआ भोजन वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। ज्ञात हो कि श्री महामेरू अनुपूर्णा सेवा संस्थान द्वारा सभी चिकित्सालय में मरीजो को एव उनके परिजनों को भोजन प्रदाय करने हेतु मानव सेवा का कार्य किया गया है, जिसका शुभारम्भ विधायक आशीष छाबड़ा ने किया। इस दौरान विधायक आशीष छाबड़ा ने जिला चिकित्सालय में उपस्थित चिकित्सको से कोविड-19 हॉस्पिटल निर्माण तैयारी जा जायजा लिया एवं निरीक्षण किया तथा चिकित्सालय स्टाफसे आपदा की इस घड़ी में अपना अपना अधिक से अधिक सहयोग देने की अपील की। इस कार्य में उनके साथ नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला मंगत साहू, राम ठाकुर पार्षद, श्रीमतीं शशिप्रभा गायकवाड़ सदस्य जिला पंचायत बेमेतरा, संस्थापक आशीष तिवारी, अध्यक्ष प.कृष्ण चंद्र दुबे, जिला प्रमुख अविनाश साहू उपस्थित रहे।

चंद घंटों में दो नाबालिग बच्चों को किया बरामद

बेमेतरा/साजा । सोमवार को बेरला पुलिस को सूचना मिला कि थाना बेरला क्षेत्र अंतर्गत ग्राम के दो नाबालिक बच्चे उम्र करीबन 14 व 13 साल का है जो किसानी कार्य के लिए घर में रखे 50 हजार रूपये को लेकर बिना बताये दिनांक 14.06.2020 के सुबह से कही चले गये है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना बेरला में गुम पर से अपराध सदर धारा 363 भादवि कायम कर विवेचना में लिया गया। थाना प्रभारी बेरला द्वारा उक्त घटना के संबंध में वरिष्ट अधिकारियों को अवगत कराया गया। जिस पर पुलिस अधीक्षक बेमेतरा दिव्यांग पटेल के निर्देशन पर अति. पुलिस अधीक्षक विमल बैस एवं एसडीओपी बेरला श्रीमति ममता देवांगन के द्वारा थाना प्रभारी बेरला एवं सायबर सेल बेमेतरा को तत्काल कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया। जिस पर थाना प्रभारी बेरला एवं थाना स्टाफ व सायबर सेल बेमेतरा द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए दोनों नाबालिग बच्चों को सही सलामत घडी चौक सुपेला भिलाई से बरामद किया गया। तत्काल कार्यवाही करने पर बच्चो के परिजनों द्वारा प्रशन्नता व्यक्त करते हुए बेमेतरा पुलिस को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। उक्त कार्यवाही में थाना बेरला प्रभारी उप. निरीक्षक टीआर कोसिमा, आरक्षक देवेन्द्र साहू, सायबर सेल बेमेतरा प्रभारी प्र. आर. मोहित चेलक, आरक्षक लोकेश सिंह, आर. पंचराम घोरबंधे, आर. विक्रम सिंह एवं अन्य थाना स्टाफ का सराहनी भुमिका के कारण पुलिस अधीक्षक बेमेतरा के द्वारा पुरस्कृत किया गया।

फुटकर व्यवसायियों को मिलेगी मूलभूत सुविधाएं : चंद्राकर

व्यवसायियों की नई बसाहट के लिए नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने किया निरीक्षण

नव प्रदेश संवाददाता

महासमुंद। फुटपाथ व्यवसायियों के व्यवस्थापन को लेकर नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर ने टॉउन हाल के समक्ष चल रहे कार्यों का निरीक्षण किया। वहीं दुकानों को वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में शुरू करने के लिए उक्त स्थल पर तमाम मूलभूत सुविधाएं एवं तैयारी भी देखी।

राष्ट्रीय राज मार्ग 353 से करीब 170 फुटपाथ व्यवसायी को 17 जून तक सड़क से हटाकर टॉउन हाल के सामने व्यवस्थापन किया जाना है। इसका जायजा लेने सोमवार को नगर पालिका अध्यक्ष प्रकाश चंद्राकर मौके पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने लेआउट को लेकर कर्मचारियों को सुझाव भी दिए। वहीं दुकानदारों के लिए पेयजल, मूत्रालय और बिजली की व्यवस्था को जल्द ही पूरा करने के निर्देश भी दिए। पालिका अध्यक्ष ने इस बाजार में आने वाले लोगों के लिए टॉउन हाल से लगे शुलभ शौचालय के करीब पार्किंग की व्यवस्था की गई है। इसी प्रकार दुकानों के दोनों ओर छोटे छोटे पार्किंग स्थल बनाया गया है। वहीं कुछ दूरी पर यूरिनल पोर्ट लगाएं जा रहे हैं। लोगों के आवागमन के लिए पेवर ब्लॉक बिछाई जा रही है। पालिका अध्यक्ष ने तमाम कार्य को मंगलवार तक पूरा करने को कहा है। बता दें, कि पालिका अध्यक्ष ने शनिवार को एक चर्चा के दौरान ही तमाम व्यवसायियों को समझाइश दी थी, कि ठेला हो या गुमटियों को वैकल्पिक व्यवस्था के तौर पर अपने 8 वॉय 8 के निर्धारित स्थान पर लगाने को कहा था। वहीं बुधवार 17 जून तक सड़कों पर व्यवसाय कर रहे व्यवसायियों को चिन्हित स्थल पर दुकानों को लगाना होगा। इसको लेकर सोमवार को पालिका अध्यक्ष की मौजूदगी में जोरशोर से तैयारी की जा रही है। इस अवसर पर सभापति संदीप घोष एवं जयंत पींचा उपस्थित थे।

मुनगासेर में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन, बरेकेल कला में हाट बाजार का लोकार्पण

-झलप क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों के शुभारम्भ में शामिल हुए विधायक

-गांवों में विकास के लिए सरकार कटिबद्ध-चंद्राकर

नव प्रदेश संवाददाता

महासमुंद। विधायक विनोद सेवनलाल चंद्राकर के मुख्य आतिथ्य में ग्राम पंचायत मुनगासेर में सामुदायिक भवन व सीसी रोड तथा गुडेलाभांटा में सामुदायिक भवन का भूमिपूजन किया गया। वहीं ग्राम मुनगासेर में प्राथमिक स्कूल में अतिरिक्त कक्ष का लोकार्पण किया गया।

झलप क्षेत्र में रविवार को विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन व लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक श्री चंद्राकर थे। अध्यक्षता जनपद अध्यक्ष भागीरथी चंद्राकर ने की। इसी तरह बरेकेलकला में नया हाट बाजार का विधायक श्री चंद्राकर ने लोकार्पण किया। साथ ही सीसी रोड निर्माण, हाई स्कूल में आहाता निर्माण, निर्मला घाट निर्माण व नलकूप के लिए भूमिपूजन किया गया। इस अवसर पर सरपंच प्रकाश चंद्राकर, पोखन डोंगरे, प्रमोद दीवान, रवि वर्मा, पप्पू मन्नाडे, सुधारू टंडन, घनश्याम सेन, रामकुमार दिवान मौजूद थे। विधायक चंद्राकर ने कहा कि भूपेश सरकार का ध्यान शहर विकास के साथ ही गांवों की विकास की ओर है। यही कारण है कि गांवों में अब सर्वांगीण विकास होने लगा है। भूपेश बघेल सरकार ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास को प्राथमिकता दिया है। उन्होंने कहा कि जब गांव और पंचायत का विकास होगा तभी राज्य का विकास को सकेगा। गांव के विकास के लिए प्रदेश सरकार कटिबद्ध है।

क्वारेंटाईन सेंटर से भागकर फांसी लगाई

महासमुंद। ग्राम रामपुर में एक प्रवासी श्रमिक गांव में बनाए गए क्वारेंटाइन सेंटर से भागकर रविवार को फांसी लगा ली। वह दो दिन पहले शुक्रवार को क्वारेंटाइन सेंटर से भागा था, पुलिस उनकी सरगर्मी से तलाश कर रही थी कि इस दौरान उनकी लाश खेत के एक पेड़ में झूलती पायी गई। जानकारी के मुताबिक सोहन वनराज पिता रामसिंग वनराज (40) 8 जून को उत्तरप्रदेश के जिला बलरामपुर से परिवार सहित लौटा था। इन सभी को प्राथमिक शाला रामपुर ग्राम पंचायत डुमरपाली के क्वारेंटाईन सेण्टर में रखा गया था। इस दौरान वह 12 जून की शाम को क्वारेंटाइन सेंटर से भाग गया था।

युवक पर टंगिया से वार, सरकारी दस्तावेज फाड़ा

महासमुंद। सीमांकन कराने पहुंचे युवक की तीन लोगों ने पिटाई कर दी। वहीं आरआई व पटवारी के पास रखे सरकारी दस्तावेज को भी फाड़ दिया। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 323, 294, 506 बी, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है। पुलिस के अनुसार सत्यप्रकाश पटेल अपनी पत्नी बिमला पटेल के नाम पर ग्राम बरनईदादर निवासी अंर्तयामी साहू की जमीन खरीदी है। इसे सीमांकन कराने के लिए वह अपने पिता ठाकुरराम पटेल, भाई राजेश पटेल, संजय पटेल, चिंतामणी पटेल, पटवारी पूजा कुशवाहा, आरआई सुशील साहू के साथ ग्राम बरनईदादर गया था। दोपहर 1 बजे गांव का धोबा, भुनेश्वर एवं पुरुषोत्तम तीनों वहां आए। आरोपी भुनेश्वर ने टंगिया से सत्यप्रकाश के हाथ में वार कर दिया। वहीं धोबा व पुरुषोत्तम उसके भाई व पिता ठाकुर राम पटेल की डंडे से पिटाई कर दी। आरोपी सीमांकन को लेकर गुस्से में थे। इधर, पटवारी तथा आरआई को भी हाथ पकड़कर खींचा और सरकारी दस्तावेज फाड़ते हुए आरआई व पटवारी से भी गाली गलौज की।

युवक पर चाकू से वार

महासमुंद। नयापारा में युवक पर चाकू से वार करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ खिलाफ अपराध दर्ज किया है। वार्ड 6 निवासी शिव महिलांग पिता उमेंद्र महिलांग के पड़ोसी डायमंड बंजारे अपने घर के बाहर अपशब्द कहने लगा। मना करने पर यशवंत घर से बाहर निकला और तू मना करने वाला कौन होता है कहकर अपशब्द कहते हथियार से पेट में वार कर दिया।

आदिवासी की आत्महत्या शासन की घोर विफलता

महासमुंद। *पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता डॉ. विमल चोपड़ा ने ग्राम रामपुर के क्वारंटाइन सेंटर से भागकर गरीब आदिवासी द्वारा की गई आत्महत्या को शासन की घोर विफलता बताते हुए इसे आत्महत्या नहीं, बल्कि शासन द्वारा की गई हत्या बताया है। रामपुर जैसे सुदूर आदिवासी क्षेत्र के क्वारेंटाइन सेंटर की व्यवस्था के लिए किसी भी जिम्मेदार अधिकारी का न जाना और भेड़-बकरियों की तरह प्रवासी मजदूरों के रखे जाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए शासन से अनुरोध किया है कि पंचायतों को अब तो व्यवस्था के लिए राशि उपलब्ध कराए अन्यथा अनेक लोगों की मौतें इसी प्रकार होती रहेंगी और प्रवासी मजदूर इस सरकार की करनी का परिणाम भुगतते रहेंगे। डॉ. चोपड़ा ने फोन के माध्यम से रामपुर क्वारंटाइन सेंटर की व्यवस्था की जानकारी ली। जिस पर लोगों ने बताया कि अभी तक गांव के जनप्रतिनिधि अपनी राशि लगाकर इनकी सारी व्यवस्थाएं कर रहे है। शासकीय अमला इन पर केवल आदेश चलाने का काम कर रहा है, जिसके कारण हर क्वारेंटाइन सेंटर की व्यवस्था में लगे जनप्रतिनिधि मानसिक दबाव में है। डा चोपड़ा ने कहा कि राज्य सरकार एवं कांग्रेस के नेताओं की प्रतिदिन क्वारेंटाइन सेंटर की व्यवस्था को लेकर दिए जा रहे खोखले बयान की असलियत अब जनता समझ चुकी है, इन्हें मजदूरों के दुख से कोई लेना देना नहीं, बल्कि ये दलगत राजनीति करते हुए मजदूरों का अहित करने में लगे हैं। डा चोपड़ा ने कहा कि यदि वो क्वारेंटाइन में नही होते तो तत्काल ही रामपुर का दौरा करते।*

प्रथम पृष्ठ का शेष...

कोरोना : हाई रिस्क...

लिए क्वारंटाइन नियमों का पालन करना आवश्यक होगा। यदि कोविड के संभावित लक्षण हो तो तत्काल सैम्पल लिया जाए। इसके अलावा लक्षण ना रहने की स्थिति में 5वें दिन में सैम्पल लिया जाएगा। 7वें दिन तक रिपोर्ट प्राप्त करें और निगेटिव आने के बाद उन्हें वापस कार्य में लिया जाएगा। यानी वे 7वें दिन के अवकाश के बाद अपने काम में लौटेंगे।

मनरेगा के बाद अब...

की लाइन बिछाई जाएगी और तमाम तरह से पानी के संरक्षण की व्यवस्था भी की जाएगी। जल शक्ति मंत्रालय ने सभी राज्यों ने निर्देश दिए हैं कि तुरंत इस योजना पर काम शुरू कर दिया जाए।

निगम मंडलों में ...

संक्रमण की रोकथाम के लिए लागू लॉकडाउन से उत्पन्न परिस्थितियों के कारण देश के अन्य राज्यों में छत्तीसगढ़ के लाखों मजदूर एवं अन्य लोग रूके हुए थे। राज्य सरकार द्वारा इन श्रमिकों को सुरक्षित छत्तीसगढ़ लाने के लिए बनायी गई कारगर रणनीति, श्रमिक स्पेशल ट्रेनों की व्यवस्था, बसों की व्यवस्था और अधिकारियों की मुस्तैदी से इन श्रमिकों को सकुशल छत्तीसगढ़ वापस लाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में मानसून पूरी...

मौसम वैज्ञानिक एचपी चंद्रा ने बताया कि वर्तमान में एक चक्रीय चक्रवाती घेरा दक्षिण पूर्व उत्तर प्रदेश और उसके आसपास 7.6 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। पूर्व पश्चिम विंडशियर उप हिमालयन क्षेत्र पश्चिम बंगाल से उत्तर कोकण तक, 3.1 किलोमीटर से 3.5 किलोमीटर ऊंचाई पर स्थित है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम राजस्थान से गंगेटिक पश्चिम बंगाल पूर्व राजस्थान उत्तर मध्य प्रदेश और झारखंड होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक स्थित है। कल 16 जून को प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा होने या गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है। सरगुजा संभाग और उसके आसपास के जिलों में अधिक वर्षा मध्य भाग में थोड़ा कम और दक्षिण भाग में भी कम स्थानों पर कम वर्षा होने की संभावना है। एक-दो स्थानों पर भारी वर्षा तथा गरज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने की भी संभावना है। अधिकतम तापमान में विशेष परिवर्तन होने की संभावना नहीं है।

भारत सख्त, अनुकूल..

नक्शा पास किया जिसपर न सिर्फ भारत को आपत्ति है बल्कि इसका कोई आधार भी नहीं रहा है।

हालात को सामान्य करने की जिम्मेदारी नेपाल पर

सोमवार को भारत सरकार के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि अब चूंकि नेपाल ने ऐसी हरकत की है तो अब हालात को सामान्य करने की जिम्मेदारी भी नेपाल पर है। अब दोनों देशों के बीच आगे संबंध किस तरह बढ़ता है वह नेपाल के रूख पर निर्भर करेगा। नेपाल ने अपनी हरकतों से हालात को कठिन बना दिया है। इसके साथ ही भारत ने संकेत दिये कि वह नेपाल की हरकतों पर आंख मंद कर नहीं रहेगा।

दोनों देशों के बीच हालिया विवाद के बीच पहली बार भारत की ओर से विस्तार से अपना रूख रखते हुए सरकार से जुड़े उच्चस्तरीय अधिकारी ने कहा कि नक्शे को जारी करने के बाद नेपाल ने इसपर और रिसर्च करने के लिए एक्सपर्ट की बनाई। भारत ने कहा कि मानचित्र को जारी करने के बाद कमिटी बनाने से साफ हो गया कि यह महज राजनीतिक लाभ लेने के लिए किया गया न कि इसके पीछे कोई जमीनी आधार था।

कोरोना पर भी राजनीति

नेपाल पीएम के यह आरोप पर की उनके देश मे 85 फीसदी मामले भारत से गए हैं, भारत सरकार के सीनियर अधिकारी ने कहा कि उनकी सरकार की मदद और आग्रह से उनके ही नागरिक को वहाँ भेजा गया। एक बार वहां जाने के बाद वहां उनके स्वास्थ्य की जांच करना उनकी जिम्मेदारी थी। भारत ने कहा कि बीमारी के लिए जिम्मेदार में किसी एक देश का नाम लेना कहीं न कहीं राजनीतिक रूप से ग्रसित था। अधिकारी ने कहा कि वहां कोविड से निबटने में सरकार की विफलता कर खिलाफ प्रोटेस्ट भी हो रहे हैं।

भारतीय उच्चाआयोग...

सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है कि ये दोनों अधिकारी केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के हैं और सुबह करीब 8.30 बजे ड्राइवर ड्यूटी पर बाहर गए थे। बताया जा रहा है कि भारत ने अधिकारियों के लापता होने के मुद्दे को पाकिस्तान सरकार से उठाया था। इन अधिकारियों की तलाश की जा रही थी। जबकि नियम यह है कि गिरफ्तारी संबंधी किसी भी मामले में सबसे पहले संबंधित दूतावास को बताना जरुरी होता है। साल 1961 में आजाद देशों के बीच राजनयिक संबंधों को लेकर वियना संधि हुई थी।

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400390

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री हेमंत कुमार साहू आ. श्री रामप्रसाद साहू निवासी भिलाई कालोनी बी.आर.पी. चौक मौहारी द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उमरपोटी प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 733/10 रकबा 0.017 हें/ अर्थात 1800 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 10.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

छत्तीसगढ राज्य विद्युत वितरण कंपनी मर्यादित
(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छ.रा.वि.म. की उत्तरवर्ती कंपनी)
कार्यालय अधीक्षण यंत्री (नगर वृत्त–एक), रायपुर
वेबसाईट- www.cspc.gov.in मेल आईडी - secc.raipur@cseb.gov.in

विज्ञा0 क्र.522 दिनांक 12.06.2020

निविदा निरस्तीकरण सूचना

इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्र. 10-10/क्रय/टी.आर.-171 दिनांक 06.06.2020 नियत तिथि 27.06.2020 जो कि रायपुर कलेक्टर परिसर मे रेड क्रास के पास स्थित 04 पोल स्ट्रक्चर की शिफ्टिंग कार्य से संबंधित था, को तत्काल प्रभाव से निरस्त किया जाता है।

(ए.के. [illegible]--90440560) अधीक्षण यंत्री (नगर वृत्त–एक)

[illegible] संवाद-25703/2 छ.स्टे.पॉ.डी.कं.मर्या. रायपुर

न्यायालय तहसीलदार (नजूल) कवर्धा जिला- कबीरधाम (छ.ग.)

रा.प्र.क्र. अ/20(1) वर्ष 2019-20
ग्राम - (नजूल) कवर्धा प.ह.नं.-03

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक जय प्रकाश बारले पिता रूपचंद बारले निवासी वार्ड नं. 02 कवर्धा द्वारा नगर कवर्धा स्थित शीट क्रमांक 13 भूखण्ड क्रमांक-02 क्षेत्रफल 35.03 वर्गमीटर अतिक्रमित भूमि के व्यवस्थापन/ शासकीय भूमि के आबंटन हेतु न्यायालय नजूल जांच अधिकारी कबीरधाम के समक्ष आवेदन प्रस्तुत करने उपरांत विधिवत जांचकर जांच प्रतिवेदन बाबत प्रकरण प्राप्त हुआ है। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 25/06/2020 को नियत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/ संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक - 08.06.2020
पेशी दिनांक - 25.06.2020
मो.नं.-9630400519

सील

तहसीलदार
(नजूल) कवर्धा

कार्यालय सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल, सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1, सिरपुर भवन, व्यवसायिक परिसर कबीर नगर, रायपुर
email ID-eocghbzone1@gmail.com

आम सूचना

छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल द्वारा कबीर नगर, रायपुर में निर्मित एमआईजी स्टैण्डर्ड योजना में से भवन क्र. MIG STD-9 में श्रीमती पुष्पा देवांगन पति श्री स्व. राजेश देवांगन को स्ववित्तीय/ एकमुश्त/ आफर आधार पर आबंटित/ नामांतरित किया गया है। उनके द्वारा दि. 3.10.06 को लीजडीड/ सेलडीड/ विक्रय विलेख पंजीकृत करा लिया गया है। मूल आबंटी द्वारा उक्त भवन श्रीमती सीमा सिंह पति श्री सुबोध कुमार सिंह के पक्ष में दिनांक 26.7.2018 को विक्रय कर दिया।

तदउपरांत क्रेता द्वारा उक्त भवन/भूखण्ड अपने नाम पर नामांतरण करने हेतु आवेदन पत्र, विक्रय विलेख की छायाप्रति, सहमति पत्र एवं अन्य दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तुत दस्तावेज के आधार पर उक्त भवन क्रेता श्रीमती सीमा सिंह पति श्री सुबोध कुमार सिंह के नाम पर नामांतरण किया जाना है।

अतः किसी भी व्यक्ति, शासकीय/ अर्द्धशासकीय/ वित्तीय संस्था इत्यादि को उक्त भूखण्ड/ भवन के नामांतरण के संबंध में किसी भी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो इस कार्यालय में लिखित रूप से प्रमाणित दस्तावेज सहित इस आम सूचना प्रकाशन की तिथि से 15 दिन अंदर स्वतः उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद में प्राप्त आपत्ति मान्य नहीं की जावेंगी, एवं भवन का नामांतरण आदेश जारी कर दिया जावेगा।

सम्पदा अधिकारी
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-1
कबीर नगर, रायपुर

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400516

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती स्वाति जायसवाल पति अनिल जायसवाल निवासी डुमरडीह तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उतई प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 1256/3 रकबा 0.021 हें/ अर्थात 2280 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 15.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400501

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदिका श्रीमती लालती गुप्ता पति श्री मदन गुप्ता निवासी उतई तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उतई प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 982/67 रकबा 0.01 हें/ अर्थात 1000 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 15.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग जिला दुर्ग (छ.ग.)

उद्घोषणा

ऑनलाईन पं. 202006100400496

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता हैं कि आवेदक श्री उमेश कुमार आ. स्व. श्री जेवरीलाल पारख निवासी पद्मनाभपुर दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग द्वारा अपने भूमि स्वामित्व की भूमि ग्राम उतई प.ह.न. 42 तहसील व जिला दुर्ग स्थित भूमि खसरा नंबर 990/21 रकबा 0.041 हें/ अर्थात 4420 वर्गफीट भूमि का आवासीय प्रयोजन हेतु डायवर्सन के लिए छ.ग.भू.रा.सं. 1959 की धारा 59 (2) के तहत् पुर्ननिर्धारण बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया है। जिसके संबंध में प्रकरण विचाराधीन है।

अतएव इस संबंध में आवेदित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति अथवा संस्था को किसी प्रकार का दावा -आपत्ति हो तो प्रकरण में उद्घोषणा के प्रकाशन की तिथि से 07 दिवस तक स्वयं अथवा अधिकृत अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकतें हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

यह उद्घोषणा आज दिनांक 15.06.2020 को मेरे हस्ताक्षर तथा न्यायालय की मुद्रा के साथ जारी किया गया।

मुहर

अनुविभागीय अधिकारी
दुर्ग जिला, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम जोन क्रमांक -07, रायपुर

द्वितीय निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक 11/जोन क्र.-07/न.पा.नि./2020 रायपुर, दिनांक 08/06/2020

नगर पालिक निगम, रायपुर द्वारा निम्नलिखित कार्यों हेतु छ.ग. शासन लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीकृत ठेकेदारों से कम/अधिक प्रतिशत दर में लो.नि.वि. में प्रभावशील (भवन/सड़क) (SOR 01.01.2015) लो.स्वा.यां. विभाग, में प्रभावशील (SOR 07.02.2013) में आज दिनांक तक संशोधित दर अनुसार निर्धारित विहित प्रपत्र में पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट के माध्यम से तीन लिफाफा पद्धति से नियमानुसार सीलबंद निविदाएं जोन आयुक्त, जोन क्रमांक 07, नगर पालिक निगम, रायपुर के पते पर आमंत्रित की जाती है। कार्य की अमानत राशि का एफ.डी.आर., आयुक्त नगर पालिक निगम, रायपुर के नाम से मान्य होगा एवं मूल एफ.डी.आर. एवं शपथ पत्र के साथ एक छायाप्रति भी संलग्न करें। निविदा का विवरण निम्नानुसार है :-

01. निविदा प्रपत्र जारी करने की तिथि दिनांक 24/06/2020 सायं 5.30 बजे तक।
02. निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि दिनांक 29.06.2020 सायं 5.00 बजे तक।
03. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि दिनांक 30.06.2020 सुबह 11.00 बजे तक।

कार्य का विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	कार्य विवरण	निविदा फार्म	आगणित राशि (लाख में)	अमानती राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	ठेकेदार की श्रेणी	समयावधि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत जोन क्रमांक 07 के विभिन्न स्थानों के शौचालयों में सी.टी./पी.टी. यूरिनल वॉस बेसिन एवं एक्जास्ट फिटिंग कार्य।	A	154000	2000	300	लो.नि.वि. में एकल पद्धति से 'डी' श्रेणी या उससे उच्चतर श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार/ फर्म	30 दिन
2	तात्यापारा वार्ड अंतर्गत एवं अन्य वार्डों के आवश्यक स्थानों में ग्रील चेम्बर चेम्बर जाली तथा नालियों में आडा जाली लगाने का कार्य।	A	152000	2000	300		30 दिन
3	जोन क्रं. 07 रामसागर पारा आत्मानंद वार्ड में लिकेज मरम्मत कार्य।	A	300000	3000	750		60 दिन
4	जोन क्रमांक 07 मिठी मुस्कान के पास पाईप लाईन मरम्मत एवं वॉल रिपयेरिंग का कार्य।	A	100000	2000	300		15 दिन
5	तात्यापारा वार्ड अंतर्गत मंगलम के सामने नगर निगम कालोनी में 2" जी.आई. पाईप बिछाने का कार्य।	A	90000	2000	300		30 दिन
6	तात्यापारा वार्ड अंतर्गत मोमिन पारा के पीछे गली में न जी.आई. 2" पाईप बिछाने का कार्य।	A	73000	2000	300		30 दिन
7	स्वामी विवेकानंद सदर बाजार वार्ड अंतर्गत गोलबाजार थाने के पीछे स्थित शौचालय का मरम्मत कार्य।	A	96000	2000	300		30 दिन
8	पं. जवाहरलाल नेहरू वार्ड अंतर्गत रैन बसेरा सामुदायिक भवन जोरापारा के पास जी.वी.पी. मुक्कड़ का सौंदर्यीकरण कार्य।	A	84000	2000	300		30 दिन
9	तात्यापार वार्ड अंतर्गत 3" जी.आई.पाईप बिछाने का कार्य मोमिन पारा मस्जिद क्षेत्र।	A	96000	2000	300		30 दिन
10	जोन क्रमांक 07 अंतर्गत गार्डनों में एवं सार्वजनिक स्थानों में वॉस बेसिन लगाने का कार्य।	A	78000	2000	300		30 दिन

नियम एवं शर्तें :- (भाग 1)

01. निविदा संबंधित समस्त दस्तावेज तीन लिफाफा पद्धति पर आमंत्रित होकर तद्अनुसार ही प्रस्तुत की जानी होगी। **प्रथम लिफाफा** में राष्ट्रीयकृत बैंक की ई.एम.डी./ एफ.डी.आर./ शपथ पत्र/एवं समस्त दस्तावेज, **दूसरे लिफाफे** में सिर्फ निविदा प्रपत्र (ऑनलाईन से जारी प्रपत्र) सील बंद कर **दोनों लिफाफों को तीसरे लिफाफे** में सील बंद कर निविदा रजिस्टर्ड/ स्पीड पोस्ट द्वारा निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत करना होगा। 02. निविदा संबंधी अधिकार आयुक्त नगर पालिक निगम को होगा। विस्तृत जानकारी जोन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। 03. जीवित पंजीयत होना अनिवार्य है। 04. GST Ri, last 3 month 6. ITR last 3 years 7, Bank Solvency Certificate 08, Pan card संबंधी दस्तावेज भी प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

नियम एवं शर्तें :- (भाग 2)

1. नये पंजीकृत ठेकेदार/फर्म हेतु GST Reg. तिथि के अनुसार GST Return last Month का देना होगा।
2. नये पंजीकृत ठेकेदार/फर्म पंजीयन तिथि के अनुसार I.T.R. एक साल का मान्य होगा।
3. निविदा फार्म कार्यालय से उपलब्ध होगी। शेष नियम एवं शर्तें यथावत रहेगी।

पेयजल, सड़कबत्ती, सफाई समस्या निराकरण संपर्क निदान-1100

कार्यपालन अभियंता
जोन क्रमांक 07
नगर पालिक निगम, रायपुर

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक यशवंत धोटे* द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर ब्रिस्टल चौक छोटापारा रायपुर से प्रकाशित,
फोन व फैक्स : 0771-4035602, RNI NO.CHHHIN/2012/41806/ डाक पंजीयन क्रमांक सी.जी./आर.वाई.पी. डीएन/40/2019-2021

सुशांत की अंतिम फिल्म दिल बेचारा ओटीटी प्लेटफॉर्म पर होगी रिलीज!

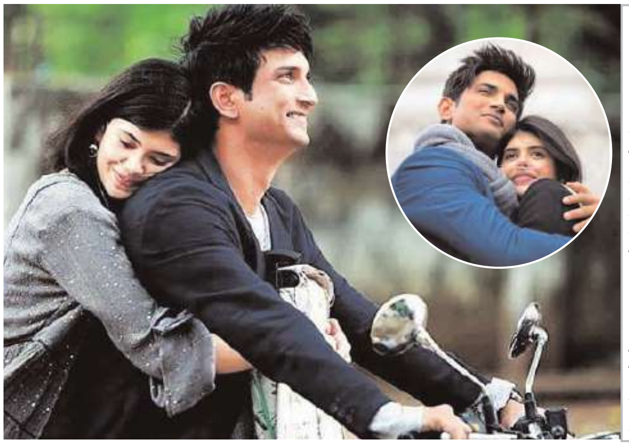

मुंबई, (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की अंतिम फिल्म 'दिल बेचारा' ओवर द टॉप (ओटीटी) प्लेटफार्म पर रिलीज की जा सकती है। सुशांत अपनी अपकमिंग फिल्म 'दिल बेचारा ' को लेकर चर्चा में बने हुए थे। यह फिल्म आठ मई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन कोरोना वायरस के कारण फिल्म की रिलीज डेट को फिर से आगे बढ़ा दिया गया। कास्टिंग डायरेक्टर से फिल्म डायरेक्टर बने मुकेश छाबड़ा की फिल्म 'दिल बेचारा' में सुशांत के अलावा सैफअली खान और संजना सांघी की मुख्य भूमिका है। यह फिल्म ओटीटी पर रिलीज हो सकती है। संजना सांघी ने सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट लिखा है। संजना ने इंस्टाग्राम पर लिखा- 'अभी तो इतना कुछ बाकी था सुशांत। आपने मुझे कुछ ही समय में बहुत कुछ सिखाया और यादें दी। उसके लिए मैं हमेशा के लिए आभारी हूं।

सुशांत को याद कर दीपिका ने डिप्रेशन पर की बात

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने सुशांत सिंह राजपूत को याद कर डिप्रेशन पर अपनी बात रखी है। दीपिका पादुकोण भी कभी गंभीर डिप्रेशन की शिकार हो गई थीं। हालांकि उन्होंने डिप्रेशन के आगे कभी घुटने नहीं टेके। वह अपने डिप्रेशन को लेकर मीडिया के सामने कई बार आईं और अपनी परेशानी सभी से शेयर किया। वह आज भी इस विषय पर बोलने से पीछे नहीं हटती हैं। वह सभी को डिप्रेशन के प्रति जागरूक करती रहती हैं। कहा जा रहा है कि सुशांत सिंह राजपूत पिछले छह महीनों से डिप्रेशन के शिकार थे उनका इलाज चल रहा था। सुशांत की मौत की खबर से बॉलीवुड सदमे में है। वहीं, डिप्रेशन को लेकर दीपिका पादुकोण ने सोशल मीडिया पर एक नोट लिखा है, जो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। दीपिका का यह नोट सुशांत के सुसाइड के बाद सामने आया है। उन्होंने अपने पोस्ट से सुशांत को याद करते हुए अपनी दिल

की बात कही है। दीपिका पादुकोण ने लिखा, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में जिसे मानसिक बीमारी का खुद अनुभव हुआ है, मैं मदद के लिए आगे आने और समस्या साझा करने पर जोर देती हूं। ऐसे समय में बात करें, अपनी परेशानी शेयर करें और जाहिर करें। दूसरों की मदद लें। आप इस लड़ाई में अकेले नहीं हैं, याद रखें। इसमें हम एक साथ हैं और सबसे महत्वपूर्ण बात उम्मीद है।

डासिंग स्टार के रूप में पहचान बनायी मिथुन चक्रवर्ती ने

मुंबई, (वार्ता)। बॉलीवुड में मिथुन चक्रवर्ती का नाम एक ऐसे अभिनेता के तौर पर शुमार किया जाता है जिन्होंने डांसिंग स्टार के तौर पर अपनी खास पहचान बनायी। 16 जून को कोलकाता शहर में जन्में मिथुन चक्रवर्ती .मूल नाम . गौरांग चक्रवर्ती ने स्नातक की शिक्षा कोलकाता के मशहूर स्कॉटिश चर्च से पूरी की। मिथुन अपने जीवन के शुरूआती दौर में वामपंथी विचारधारा से काफी प्रभावित रहने के कारण नक्सलवाद से जुड़े रहे लेकिन अपने भाई की असमय मृत्यु से उन्होंने नक्सलवाद का रास्ता छोड़ दिया और पुणे फिल्म संस्थान में दाखिला ले लिया। वर्ष 1976 में प्रदर्शित फिल्म .मृगया ..बतौर अभिनेता मिथुन चक्रवर्ती के सिने करियर की पहली फिल्म थी ।फिल्म में उन्होंने एक ऐसे संथाली युवक .मृगया ..की भूमिका निभाई जो अंग्रेजी हूकुमत द्वारा अपनी पत्नी के यौन शोषण के विरूद्ध आवाज उठाता है ।फिल्म में उन्हें दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया था । फिल्म ..मृगया ..की सफलता के बावजूद मिथुन चक्रवर्ती को बतौर अभिनेता काम नही मिल रहा था ।आश्वासन तो सभी देते लेकिन उन्हें काम करने का अवसर कोई नही देता था इस बीच मिथुन चक्रवर्ती को दो अंजाने .फूल खिले है गुलशन गुलशन जैसी कुछ फिल्मों में छोटी सी भूमिका निभाने का मौका मिला लेकिन इन फिल्मों से उन्हें कोई खास फायदा नहीं पहुंचा। वर्ष 1979 में मिथुन चक्रवर्ती को रविकांत नगाईच की फिल्म ..सुरक्षा..में काम करने का मौका मिला जो उनके सिने करियर की पहली हिट फिल्म साबित हुयी। मारधाड़ और एक्शन से भरपूर इस फिल्म में मिथुन चक्रवर्ती एक जासूस की भूमिका में थे ।

सुशांत के निधन पर लता, धर्मेन्द्र और सलमान ने जताया शोक

मुंबई (वार्ता)। बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के निधन पर स्वर कोकिला लता मंगेश्कर, हीमैन धर्मेन्द्र, सलमान खान और प्रियंका चोपड़ा ने शोक जताया है। लता मंगेशकर क्रिकेट और फिल्मों को आज भी बहुत चाव से देखती हैं और समय-समय पर इस बारे में ट्विटर पर अपनी राय भी जाहिर करती रहती है। महेंद्र सिंह धोनी की लता बहुत बड़ी प्रशंसक हैं। जब धोनी पर आधारित फिल्म 'एमएस धोनी - द अनटोल्ड स्टोरी' प्रदर्शित हुयी तब लता खुद को फिल्म देखने से रोक नहीं पाई। फिल्म के साथ-साथ लता को सुशांत सिंह राजपूत का अभिनय भी बहुत पसंद आया। उनका कहना है कि राजपूत ने ऐसा अभिनय किया जिसे वे कभी नहीं भूल सकती। लता ने ट्वीट किया, 'सुशांत सिंह राजपूत के आत्महत्या की खबर सुनकर मुझे बड़ा धक्का लगा।

चैपल का नाम काटकर मेरा नाम लिख दिया, महज 7 मिनट में बना था टीम इंडिया का कोच : गैरी कर्स्टन

नई दिल्ली (ए.)। कोचिंग में उनकी दिलचस्पी नहीं थी और उन्होंने भारतीय टीम के कोच पद के लिए आवेदन भी नहीं किया था लेकिन गैरी कर्स्टन को 2007 में केवल सात मिनट में यह महत्वपूर्ण पद मिल गया था जिसमें महान सुनील गावसकर की भूमिका भी अहम रही थी। कर्स्टन ने 'क्रिकेट कलेक्टिव' पॉडकास्ट में 2007 में घटी उन घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वह सुनील गावसकर के निमंत्रण पर साक्षात्कार के लिए गए थे जो कि तब कोच चयन पैनल का हिस्सा थे। कर्स्टन के सामने उनके पूर्ववर्ती ग्रेग चैपल का अनुबंध रखा गया था और आखिर में उन्हें यह पद मिल गया।

कर्स्टन ने कहा, 'मुझे सुनील गावसकर का ईमेल मिला था कि क्या मैं भारतीय टीम का कोच बनना चाहूंगा।' उन्होंने कहा, 'मुझे लगा कि यह मजाक है। मैंने इसका जवाब भी नहीं दिया। उन्होंने मुझे एक और मेल भेजा जिसमें कहा था, 'क्या आप साक्षात्कार के लिए आना चाहोगे। मैं उसे अपनी पत्नी को दिखाया और उसने कहा कि उनके पास कोई गलत व्यक्ति है।' कर्स्टन ने कहा, 'इस तरह से अजीबोगरीब ढंग से मेरा इस क्षेत्र में प्रवेश हुआ जो सही भी था। मेरे कहने का मतलब है कि मुझे कोचिंग का किसी तरह का अनुभव नहीं था।'

कर्स्टन ने कहा कि जब वह साक्षात्कार के लिए भारत पहुंचे तो उन्हें तत्कालीन कप्तान अनिल कुंबले से मिलने का मौका मिला और दोनों मेरी दावेदारी की संभावना पर हंस पड़े थे। उन्होंने कहा, 'मैं साक्षत्कार के लिए पहुंचा तो कई अजीबोगरीब अनुभव हुए। जब मैं साक्षात्कार के लिए आया तो मैंने अनिल कुंबले को देखा जो तब भारतीय कप्तान था और उन्होंने कहा, 'तुम यहां क्या कर रहे हो।' मैंने कहा कि मैं आपका कोच बनने के लिए साक्षात्कार देने आया हूं।' कर्स्टन ने कहा, 'हम इस पर हंस पड़े थे। यह हंसने वाली बात भी थी।'

कोचिंग का अनुभव नहीं था

उन्हें तब कोचिंग का कोई अनुभव भी नहीं था लेकिन कर्स्टन भारत के सबसे सफल कोचों में शामिल हो गए। उनके रहते हुए टीम ने 2009 में टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल किया और दो साल बाद विश्व कप जीता। साक्षात्कार के बारे में कर्स्टन ने कहा कि वह बिना तैयारी के साक्षात्कार के लिए गए थे और उस समय चयन पैनल में शामिल वर्तमान भारतीय कोच रवि शास्त्री ने माहौल हल्का किया था। दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व सलामी बल्लेबाज ने कहा कि उन्हें कोच पद हासिल करने में केवल सात मिनट का समय लगा था।

रवि शास्त्री ने किए थे ये सवाल

कर्स्टन ने कहा, 'मैं बीसीसीआई (भारतीय क्रिकेट बोर्ड) अधिकारियों के सामने था और माहौल काफी गंभीर था। बोर्ड के सचिव ने कहा, 'मिस्टर कर्स्टन क्या आप भारतीय क्रिकेट के भविष्य को लेकर अपना दृष्टिकोण पेश करोगे।' मैंने कहा, 'मेरे पास कुछ भी नहीं है। किसी ने भी मुझसे इस तरह की तैयारी करने के लिए नहीं कहा था। मैं अभी यहां पहुंचा हूं।' उन्होंने कहा, 'समिति में शामिल रवि शास्त्री ने मुझसे कहा, 'गैरी हमें यह बताओ कि दक्षिण अफ्रीकी टीम के रूप में भारतीयों को हराने के लिए आप क्या करते थे।'

इरफान पठान ने की मोची भास्करन की मदद, कभी ठीक किए थे सचिन के पैड, धोनी को बताते हैं 'दोस्त'

नई दिल्ली (ए.)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर इरफान पठान ने हाल में एक मोची की मदद की जो कोरोना वायरस के कारण परेशान चल रहे थे। एक क्रिकेट मैग्जीन में रिपोर्ट प्रकाशित होने के बाद इरफान का ध्यान आर भास्करन पर गया जो चेन्नै सुपरकिंग्स के लिए आधिकारिक मोची हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, भास्करन साल 1993 के बाद से चेन्नै में जितने भी अंतरराष्ट्रीय मैच हुए, शायद सभी के गवाह रहे। पिछले 12 साल से वह चेन्नै सुपर किंग्स के लिए आधिकारिक मोची रहे हैं। वह चिदंबरम स्टेडियम के बाहर वल्लाजाह रोड पर फुटपाथ पर बैठकर काम करते हैं।

रोजी रोटी की मुश्किल

मैच के दिनों में वह खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के एरिया के बाहर एक छोटे से कमरे में बैठते हैं। अब आईपीएल अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने और कोरोना वायरस के कारण भास्करन को भी अपना परिवार चलाने के लिए मुश्किल आ रही है।

इरफान ने दिए 25 हजार रुपये

जब इरफान को उनके बारे में पता चला तो उन्होंने 25 हजार रुपये की मदद की। यह जानकारी उसी वेबसाइट ने आधिकारिक ट्विटर पर पोस्ट की। इरफान ने इससे पहले भी कोरोना और लॉकडाउन के कारण परेशान कई जरूरतमंदों की मदद की थी। उन्होंने कई हजार मास्क भी दिए थे।

असोसिएशन से मिलते थे 1000 रुपये

रिपोर्ट के मुताबिक, भास्करन को तमिलनाडु क्रिकेट असोसिएशन (टीएनसीए) एक दिन के काम के लिए 1000 रुपये देता है। इसके अलावा खिलाड़ी और अधिकारी भी उन्हें अलग से पैसे देते हैं। उन्होंने बताया कि जब मैच नहीं होते थे तो वह दिन के 300-500 रुपये तक कमा लेते थे।

सचिन के पैड भी किए थे ठीक

भास्करन ने रिपोर्ट में बताया कि उन्होंने दिग्गज सचिन तेंडुलकर के पैड भी ठीक किए थे। उन्होंने कहा, 'उनके (सचिन) पैड काफी अलग थे। वे आजकल के सिंथैटिक पैड की तरह नहीं थे। जब मैंने उनके पैड ठीक किए तो उन्होंने मेरे परिवार के लिए आईपीएल टिकट दिलाए। बाद में मुलाकात भी की।'

'धोनी कहते कि तमिल में बात करूं'

रिपोर्ट में भास्करन के हवाले से लिखा गया है, 'मैंने महेंद्र सिंह धोनी को 2005 से देखा है, जब वह पहली बार चेपॉक आए थे। बाद में उन्होंने मेरे साथ चाय भी पी। वह मुझसे कहते कि मैं उनसे तमिल में बात करूं। वह खुद भी कोशिश करते हैं कि इस भाषा को बोल सकें। वह मुझे 'माछी' बुलाते हैं, जिसका मतलब भाई होता है। हम दोस्त की तरह बात करते हैं।'

स्टीव स्मिथ ने एक शब्द में बताया, कौन हैं कोहली

नई दिल्ली (ए.)। विराट कोहली और स्टीव स्मिथ मौजूदा क्रिकेट के दो सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज माने जाते हैं। दोनों के बीच मैदान पर कड़ी प्रतिस्पर्धा देखी जाती है। मीडिया और प्रशंसकों के तमाम बयानों के बावजूद मैदान के बाहर दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं। दोनों के बयानों में एक-दूसरे के लिए का काफी सम्मान करते हैं। बीते साल वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफमुकाबले के दौरान उन्होंने फैंस को स्मिथ का हौसला बढ़ाने के लिए प्रेरित किया था। स्मिथ भी कई बार खुलकर विराट कोहली की तारीफकर चुके हैं। रविवार को ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान से एक फैन ने विराट कोहली को एक शब्द में परिभाषित करने को कहा तो स्मिथ ने शब्द चुना- FREAK यानी अनूठा। स्टीव स्मिथ ने इंस्टाग्राम पर फैंस के साथ सवाल जवाब का सेशन किया और कई

मुद्दों पर जुड़े सवालों के जवाब दिया। इसमें कोई हैरानी की बात नहीं थी कि कई फैंस ने स्मिथ से भारतीय कप्तान के बारे में सवाल किए। स्मिथ ने इस दौरान कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने पूर्व भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के बारे में भी सवाल का जवाब दिया। एक फैन के सवाल स्मिथ ने कहा, 'लीजेंड! मिस्टर कूल।' ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज ने यह भी बताया कि वह भारतीय खिलाड़ी से सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। उन्होंने केएल राहुल का नाम लिया। उन्होंने कहा, बहुत अच्छा खिलाड़ी! इस बीच ऑस्ट्रेलिया में उनकी टीम के साथी मार्नस लाबुशाने के भी स्मिथ से सवाल किया। इस पर स्मिथ ने मजाकिया जवाब दिया। लाबुशाने ने सवाल किया, 'आपको किस खिलाड़ी के साथ बल्लेबाजी करना पसंद है?' स्मिथ ने जवाब दिया, 'तुम नहीं।

फुटबॉलर रशफोर्ड का सांसदों को लेटर, बच्चों को मुफ्त में मिलता रहे खाना

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के फुटबॉलर मार्कस रशफोर्ड ने इंग्लैंड की सरकार से छुट्टियों में भी गरीब तबके के बच्चों को मुफ्त में खाना देने की योजना को जारी रखने की गुजारिश की है। कोरोना वायरस के कारण जब मार्च में स्कूल बंद हुए थे, तब बच्चों को खाने के भत्ते के रूप में 15 पाउंड (1400 रुपये से ज्यादा) दिए जाते थे ताकि वे खाना खरीद कर खा सकें। मैनचेस्टर यूनाइटेड के इस स्ट्राइकर ने संसद सदस्यों को पत्र लिख कर इस योजना के अगले महीने खत्म होने पर चिंता जताई। रशफोर्ड ने कहा, 'सरकार ने अर्थव्यवस्था के लिए 'जो कुछ भी' का तरीका अपनाया है - मैं आप से अनुरोध करता हूं कि बच्चों के लिए उसी संवेदनशील तरीके को जारी रखें।' उन्होंने कहा, 'खाने के वाउचर को खत्म करने की अपनी योजना पर फिर से विचार करने की गुजारिश करूंगा और गर्मी की छुट्टियों में इसे जारी रखने की अपील करता हूं।

मेलबर्न में जल्द होगा 'तेंदुलकर ड्राइव', 'कोहली क्रीसेन्ट', और 'देव टेरेस'

मेलबर्न। मेलबर्न के रॉकबैक उपनगर में एक नये आवासीय परिसर का निर्माण किया जा रहा है जिसमें गलियों के नाम सचिन तेंदुलकर, कपिल देव और विराट कोहली जैसे दिग्गज भारतीय क्रिकेटरों के नाम पर होंगे। इस आवासीय परिसर का निर्माण 'एकोलेड एस्टेट' कर रहा है जो 'तेंदुलकर ड्राइव', 'कोहली क्रीसेंट' और 'देव टेरेस' के नाम से खरीदारों को लुभा रहा है। आवासीय परिसर में गलियों के नाम अन्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के नामों पर भी रखे गये हैं। इनमें 'वॉ स्ट्रीट', 'मियादाद स्ट्रीट', 'एंब्रोस स्ट्रीट', 'सोबर्स ड्राइव', 'कैलिस वे', 'हैडली स्ट्रीट' और 'अकरम वे' भी शामिल हैं। मेलटन काउंसिल के अंतर्गत आने वाला रॉकबैक उपनगर भारतीय समुदाय के पसंदीदा स्थानों में शामिल हैं और वे वहां घर खरीदना पसंद करते हैं। इस आवासीय परिसर के निर्माण से

जुड़े रेसी वेंचर के निदेशक खुर्रम सईद ने कहा कि उन्होंने काउंसिल के पास 60 नाम भेज थे जिसमें महान डॉन ब्रैडमैन के नाम पर भी सड़क रखने का प्रस्ताव था लेकिन उसे मंजूरी नहीं मिली क्योंकि मेलबर्न में उनके नाम पर पहले से ही एक सड़क का नाम है। उन्होंने कहा, ''हमें कुमार संगकारा, राहुल द्रविड़, महेंद्र सिंह धोनी और अन्य के नाम पर भी सड़क का नाम रखने की मंजूरी नहीं मिली क्योंकि काउंसिल ने किसी न किसी कारण से उसे नामंजूर कर दिया। हमें तेंदुलकर और कोहली के नाम पर मंजूरी मिल गयी। कोहली मेरा पसंदीदा बल्लेबाज है और मैंने सबसे महंगे इलाके की सड़क का नाम उनके नाम से रखा है।

मानसून में वन्यप्राणी हो जाते है हिसंक, जंगल जा रहे तो रहें सावधान

सुरक्षा और बचाव को लेकर वनमंडलाधिकारी दिलराज से चर्चा

नव प्रदेश संवाददाता

कवर्धा। वन क्षेत्रों में मानवीय बसाहट, अतिक्रमण, अवैध कटाई, अवैध उत्खनन, वन्य प्राणियों का अवैध शिकार तथा मानव विकास के लिए जंगलों का गैर वानिकी कार्य में व्याप्वर्तन के चलते वन्य प्राणियों के लिए प्राकृतिक आवास और प्राकृतिक संसाधन सीमित होते जा रहे हैं। इसके चलते वन्य प्राणी वनों से निकलकर मानवीय बसाहट वाले क्षेत्रों में आए दिन भटक कर आ जाते हैं, जिससे मानव-वन्य प्राणी द्वंद की स्थिति निर्मित होती है। इस द्वंद में कभी मनुष्य की जान जाती है, तो कभी वन्य प्राणी की जान जाती है। कभी फसल हानि होती है, तो कभी संपत्ति की नुकसानी होती है। ऐसे में प्राकृतिक संतुलन के साथ-साथ ऐसे बहुत से सुनियोजित विकास कार्यों की और सावधानियों की आवश्यकता है, जिसमें मानव-वन्य प्राणी द्वंद को कम से कम किया जा सके। कबीरधाम जिले के वनमण्डाधिकारी दिलराज प्रभाकर ने आज वन्य प्राणियों की सुरक्षा और बचाव के लिए विस्तार से चर्चा की। उन्होने यह भी बताया कि जंगल में अलग भालू यहां अन्य हिंसक प्राणी दिख जाए,तो हमें क्या करना चाहिए और क्या नहीं। उन्होने भालू के हमले से बचाव के लिए अनगिनत उपाय भी बताए। वनमण्डाअधिकारी दिलराज प्रभाकर ने चर्चा करते हुए बताया कि कबीरधाम जिले के अलग-अलग क्षेत्रों

में मानसून के आगाज के साथ ही वन्य प्राणी भालू भी इन दिनों जंगल और मानवीय आवास के सीमावर्ती क्षेत्रों में वन विभाग की टीम को रात्रि गश्त एवं विभिन्न क्षेत्रीय दौरों के दौरान देखने को मिल रहा है। कबीरधाम में कवर्धा वन मंडल अंतर्गत वन विभाग के द्वारा आमजन में जन-जागरूकता लाने के लिए शासन के समय-समय पर निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार भालू के हमले से कैसे बचें बाबत जानकारी दी गई है। श्री प्रभाकर ने बताया कि भालू के अधिकतम हमले गर्मी के महीनों में होते हैं और उसके बाद मानसून के महीनों में भालू हमले की घटनाएं जंगल तथा जंगल के निकटवर्ती इलाकों में होती है। मानसून के महीनों में अधिकतम हमले जून-जुलाई-अगस्त में मशरूम संग्रहण, जलाऊ लकड़ी संग्रहण, खेती के कार्य, पशुओं की चराई, खुले में शौच, आदि, के दौरान होते हैं। याद रखें, भालू अधिकतर बिना किसी उद्देश्य से हमला करता है। भालू तब हमला करता है, जब अचानक से भयभीत हो जाए या अचानक से चैंका दिया जाए या अपने बच्चों की सुरक्षा कर रहा हो।

घातक वन्य प्राणियों से कैसे बचें यह जानना जरूरी है

घातक व हिंसक वन्य वाणियों से कैसे बचे और क्या सावधनी बरती चाहिए। सावधानियों में, जंगलों में अकेले ना घूमे। अकेले घूमने से भालू को आपके आने की भनक नहीं लग पाती और अचानक आप उसे देखें, तो वह अपने बचाव में हमला कर सकता है। यदि, जंगल में अकेला जाना पड़े, तो अपने साथ एक लंबा डंडा, आवाज करने के लिए घंटी या सीटी जरूर रखें। डंडे को जमीन पर लकड़ियों पर या झाड़ियों पर ठोकते हुए आगे बढ़े। जंगल में जब भी जाना हो, समूह में जाएं और पर्याप्त आवाज करते चाहिए। जिससे भालू को आपके आने का संकेत मिल जाए और उसे वहां से दूर जाने के लिए पर्याप्त समय मिल जाए।

भालू से सामना हो तो, अपने दोनों हाथों को उपर उठाए, इससे आप बड़े प्रतित होंगे

वनमंडलाअधिकारी श्री प्रभाकर ने बताया कि वनोपज जैसे, तेंदूपत्ता, महुआ, मशरूम, आदि, संग्रहण के लिए घने जंगल में जाना होता है, जिससे आपका भालू से अचानक सामना होने की संभावना बढ़ जाती है। वनोपज संग्रहण करते समय एक व्यक्ति को जरूर चारों तरफनिगरानी रखने के लिए तैनात किया जाए। समूह सीटी, घंटी या बर्तन जिससे आवाज निकल सके साथ में जरूर लेकर जाए और उन्हें थोड़े-थोड़े अंतराल पर बजाता रहना चाहिए। महुआ का फूल और मधुमक्खी के छत्ते से शहद खाने के लिए भालू रात्रि-काल में पेड़ के पास आता है, जिससे रात्रि में महुआ और शहद के संग्रहण के दौरान भालू से सामना होने की संभावना बढ़ जाती है। रात्रि में जंगल के अंदर ना रहे। उसी प्रकार सूर्योदय के आसपास भी भालू का आवागमन महुआ और शहद का छत्ता लगे पेड़ों के आसपास रहता है। यदि रात्रि के दौरान जंगल में से जाना पड़े, तब यह सुनिश्चित कर लें कि आपके पास एक अच्छी टॉर्च तथा एक बांस का डंडा आप की सुरक्षा के लिए रहे। यदि आपको जंगलों में भालू रास्ता पार करते हुए नजर आए तो आप वहीं रुक जाएं तथा धीरे से पीछे की तरफशांति से चलने लगे। यदि रास्ते में आपको भालू ने देख लिया है, तब दौड़े नहीं बल्कि धीरे से पीछे की ओर चलने लगे और सुनिश्चित करें कि भालू भयभीत ना हो।

■ न्यूज गैलरी

मांगे नहीं हुई पूरी तो काली पट्टी लगाकर करेंगें विरोध

कवर्धा (नव प्रदेश)। छ. ग. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ जिला कबीरधाम के द्वारा वेतन वृद्धि रोके जाने एवं महगांई भत्ता केन्द्र सरकार के द्वारा रोके जाने के आदेश को वापस लेने के विरोध में काली पट्टी लगाकर विरोध प्रदर्शन किया गया एंव मांग पूरा नहीं होने पर 03 जुलाई को एक दिवसीय रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया जावेगा एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा जावेगा। मेरा सभी शासकीय कर्मचारियों से अपील है कि अपनी हक की लड़ाई के लिए सरकार के विरोध में 30 जून तक सभी कार्यालय में काली पट्टी लगाकर कार्य करने की आग्रह है। जिलाध्यक्ष दिलीप कुमार चंद्रवंशी छ. ग. तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ एंव कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन कबीरधाम।

गुरूकुल प्रबंधन द्वारा खाद्य सामग्री का वितरण

कवर्धा (नव प्रदेश)। नगर की प्रतिष्ठित संस्था गुरूकुल पब्लिक स्कूल में प्रबंधन समिति के अध्यक्ष समस्त पदाधिकारियों, शाला के प्राचार्य, उप प्राचार्या के सान्निध्य में षाला के वाहन चालकों, कंडेक्टरों को खाद्य सामग्री वितरित कराई गई। इस षुभ अवसर पर षाला के समस्त षिक्षक-षिक्षिकाएँ भी उपस्थित होकर खाद्य सामग्री व मास्क अपने कर कमलों द्वारा सभी वाहन चालकों व कंडेक्टरों को प्रदान किए। हमारी संस्था के अध्यक्ष महावीर जैन व समस्त पदाधिकारियों की सहानुभूति हमेषा शाला में कार्यरत समस्त षिक्षक-षिक्षिकाओं व कर्मचारियों के प्रति इस कोविड-19 अर्थात करोना महामारी के भयानक अवसर पर दृष्टिगत होती नजर आती रही है। प्रंबधन समति के द्वारा हमेषा विद्यालयीन परिवार के प्रति सौहार्द्र व सान्निध्य समय-समय पर मिलता रहता हैं।

शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल में आज से होगा प्रवेश प्रारंभ

कवर्धा। सत्र 2020-21 में अंग्रेजी माध्यम स्कूल शासकीय नवीन उच्चतर माध्यमिक उतकृष्ट विद्यालय कवर्धा में जिलाधीष एंव जिला शिक्षा अधिकारी के निर्देशानुसार कक्षा पहली से बारहवी तक के लिए षाला प्रवेष आज से प्रारंभ किया जा रहा है। अंग्रेजी माध्यम स्कूल में छत्तीसगढ षासन के मंषानुरूप प्रवेष निःषुल्क किया जाएगा इसके लिए 16 जून से 22 जून तक प्रवेष फार्म का वितरण विद्यालय के कार्यालय से सुबह 11बजे से 2 बजे तक किया जाएगा। एंव 25 जून तक फार्म कार्यालय में जमा किया जा सकता है।

नीरज पुनः लायन अध्यक्ष, श्रीवास्तव सचिव, रामेश्वर कोषाध्यक्ष चुने गए

कवर्धा - लायंस क्लब के 2020-21 सत्र के लिए सर्व सम्मति से इस बार पुनः नीरज मनजीत छाबड़ा को अध्यक्ष, डीके श्रीवास्तव को सचिव, रामेश्वर गुप्ता को कोषाध्यक्ष एवं आनंदप्रकाश दानी को प्रथम उपाध्यक्ष चुन लिया गया। वरिष्ठ लायंस की 10 सदस्यीय चुनाव समिति ने निर्विरोध इन पदाधिकारियों का चयन किया। तत्पश्चात कार्यकारिणी की बैठक में क्लब कमेटी को अंतिम रूप दिया गया, तद्नुसार - आनरेरी गवर्नर - प्रेमचंद जैन श्रीश्रीमाल, डिस्ट्रिक्ट गवर्नर द्वारा मनोनीत। उपाध्यक्ष द्वय- डॉ. सूर्यकांत भारती, घनश्याम गुप्ता। टेमर-प्रभुसिंह राजपुरोहित, आकाश आहूजा। टेल ट्विस्टर-राजेन्द्र ठाकुर, सूर्यकांत बिंदल। पीआरओ-रवि सोनी, देवदत्त ठाकुर। सह सचिव- मनोज कुमार ठाकुर, अभिषेक पारख। सह कोषाध्यक्ष-नवनीत गुप्ता, जयदेव अग्रवाल। विशेष कार्यकारिणी-सुशीला जैन श्रीश्रीमाल,महेन्दर कौर छाबड़ा, सुनीता गुप्ता, डॉ. जयंती भारती, ममता बोथरा, श्वेता अग्रवाल, लक्ष्मी गुप्ता। कार्यकारिणी-नेमीचंद श्रीश्रीमाल, धनसुख पटेल, अजय जैन टाटिया, रामसिंह ठाकुर, बी.पी. गुप्ता, राजेन्द्र बोथरा, अशोक सिंह, गुरदीप सिंह अरोरा, डॉ. गोवर्धन सिंह ठाकुर, दुर्गेश केशरवानी, संजय बोथरा, बी.आर. चन्द्रवंशी, नवीन जैन, मुकेश अग्रवाल।

पंचायत एवं पुलिस चौकी सुरगी में वृक्षारोपण

नव प्रदेश संवाददाता

राजनांदगांव। पुलिस चौकी सुरगी और पंचायत भवन में वृक्षारोपण का कार्यक्रम का आयोजन किया। सुरगी चौकी प्रभारी शक्ति सिंग एवं सुरगी सरपंच आनंद साहू के नेतृत्व में किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ल के साथ में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमति सुरेशा चौबे, नगर पुलिस अधीक्षक मणीशंकर चंद्रा, बसंतपुर थाना प्रभारी राजेश साहू, रक्षित निरीक्षक भूपेन्द्र कुमार गुप्ता की उपस्थिति में वृक्षारोपण किया गया। पुलिस चौकी परिसर में राजनांदगांव पुलिस अधीक्षक जितेन्द्र शुक्ल ने अपने उद्बोधन में कहा कि थाना या चौकी पब्लिक के उपयोग के लिए नहीं है तो इसे बंद कर देना चाहिए। और जिस दिन से राजनांदगांव आया हूँ मेरा हमेशा से प्रयास रहता है कि पब्लिक के साथ पुलिस का व्यवहार ऐसा होना चाहिए कि पुलिस से पब्लिक न डरे वे अपनी शिकायत या समस्याओं को पुलिस को सुना सके और जितना भी वाजिब मदद हो सके पब्लिक को करे। इसी उद्देश्य से मैं चल रहा हूँ

पुलिस का व्यवहार पब्लिक के लिए अव्वल दर्जे का व्यवहार होना चाहिए अच्छे व्यवहार का मतलब दुष्ट के साथ महादुष्टता करनी चाहिए और मित्रता के साथ मित्रता रखनी चाहिए, लेकिन जो पुलिस दुष्ट व्यक्तियों के साथ अच्छा व्यवहार करता है तो वो फिर पुलिस वाला नहीं है। इसी उद्देश्य को पुलिस पूरा करते हुए काम कर रही है और पब्लिक से अपेक्षा करता हूँ कि वो पुलिस का मदद करे सभी गलत कामों को पुलिस के सामने लाये अगर आपकी बातों को इगनोर किया जाता है तो उच्च अधिकारियों को बताये, ताकि आपकी समस्याओं का समाधान हो सके। कोरोना काल में दण्डात्मक कार्यवाही करके रोक पाना असंभव है यह तभी रूक पायेगा जब आप सब्जी भाजी, दुकान, चौक चौराहे, होटल, रेस्टोरेंट या अन्य सभी जगहों पर सोसल डिस्टेंस का अनिवार्य रूप से पालन करेंगे, चार पांच माह तक कंट्रोल करें अनावश्यक वस्तुओं का न छुए जब भी घर से बाहर निकले मास्क का प्रयोग जरूर करे। दो पहिया चालक हेलमेट का उपयोग जरूर करे श्री शुक्ल ने आगे कहा कि हेलमेट पर पुलिस सख्ती नहीं कर रही है लेकिन जिस दिन आपका एक्सीडेंट हो जाता है तो हेलमेट नहीं पहनने वाले व्यक्ति 80 प्रतिशत लोगों को अपनी जान गवानी पड़ती है, आपका जीवन कीमती है हेलमेट जरूर लगाये ताकि होने वाली सड़क दुर्घटनाओं से अपनी जान बचा सके । जितना दर्द सड़क दुर्घटना में परिवार वालों को होता है उतना दर्द पुलिस वालों को भी होता है क्योंकि सड़क दुर्घटनाओं को सर्वप्रथम पुलिस उठाती है। कार्यक्रम का संचालन सुरगी सरपंच आनन्द साहू ने किया। वृक्षारोपण के अवसर पर जिला पंचायत सदस्य अंगेश्वर देशमुख, सूर्यकांत गुप्ता, रोहित चंद्राकर, मूलचंद जैन, त्रिलोकचंद जैन, कमलेश ठेकेदार, अशोक राठी, उपसरपंच सुरगी सनीकुमार साहू, विनोद परतेती, सुभाष मंडावी, हेमसिंग साहू, जगमोहन बघेल, अनिल गहिने, विनोद वर्मा, कमलेश, भोजराम ठाकुर, नरेश मंडावी, हमेन्द्र रात्रे, भूपेन्द्र यादव, कृष्ण कुमार बांधे, देवकुमार ठाकुर, भेषकुमार ध्रुव, सुषमा मराठे, पुष्पा सिदार, कौशिल्या साहू, सरिता साहू, सिरपा निर्मलकर, सुरगी सरपंच आनंद साहू, आरला सरपंच खेमदास साहू, रानीतराई सरपंच राजेन्द्र साहू, सिंघोला सरपंच मुकेश आदि उपस्थित थे।

442 चबूतरे एवं शेड निर्माण से रुकेगी धान की बर्बादी : कांग्रेस

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ सरकार ने धान संग्रहण केंद्रों में चबूतरा निर्माण के साथ शेड निर्माण की कार्य योजना बना कर किसान व उनके फसल को भी सुरक्षित रखने का क्रांतिकारी कदम उठाने पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष पदम कोठारी ने इस निर्णय का स्वागत कर मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि इस निर्णय से छग जो धान के कटोरा नाम से चर्चित है, उसकी सार्थकता पूरी होगी क्योंकि पूर्व में सरकार धान तो खरीद लेती थी, लेकिन बारिश से होने वाले धान की बर्बादी को बचाने की कार्ययोजना नहीं थी जिससे धान के सड़ने से करोड़ों रूपये का राजस्व का नुकसान उठाना पड़ता था, जिससे राहत मिलेगी। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के प्रवक्ता रुपेश दुबे ने कहा कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के ऐतिहासिक व साहसिक फैसलों में यह अतिमहत्वपूर्ण फैसला है क्योंकि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार लगातार 15 साल तक छत्तीसगढ़ में राज कर सरकार के कुप्रबंधन, आलस्यता, अकर्मण्यता एवं असंवेदनशीलता से धान संग्रहण केंद्रों में चबूतरे एवं शेड नहीं बनवाने या इस ओर ध्यान नही देने से बारिश में करोड़ों रुपया का धान सड़ जाता था तत्कालीन भाजपा सरकार औने- पौने दाम पर बेचती रही है जिससे छत्तीसगढ़ सरकार को करोड़ों रुपए का आर्थिक नुकसान उठाना पड़ता था, लेकिन अब छग में किसान पुत्र व स्वयं किसान के नेतृत्व वाली कांग्रेस की सरकार है।

प्रभारी सिसोदिया ने ली कार्यकर्ताओं की बैठक

राजनांदगांव। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव और शहर जिला कांग्रेस कमेटी राजनांदगांव के प्रभारी अरूण सिसौदिया का आगमन कांग्रेस भवन में हुआ। प्रभारी श्री सिसौदिया ने कांग्रेस भवन पहुंचते ही सर्वप्रथम महात्मा गांधी जी के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया तत्पश्चात शहीद उदय मुदलियार जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बैठक की शूरूवात की।

प्रभारी अरूण सिसौदिया का स्वागत क्रमशः प्रदेश कांग्रेस महासचिव शाहिद भाई, महापौर श्रीमती हेमा देशमुख, नगर निगम सभापति हरी नारायण धकेता, राजगामी संपदा के अध्यक्ष विवेक वासनिक, जिला ग्रामीण महामंत्री एवं प्रवक्ता रूपेश दुबे, पूर्व महापौर सुदेश देशमुख, पूर्व निगम सभापति रमेश डाकलिया एवं समस्त कांग्रेसजनों ने किया।

प्रभारी श्री सिसोदिया व्दारा दिये गये उद्बोधन में संगठन की मजबुती के लिये प्रत्येक कांग्रेसजनों को बेहतर सुझाव व निर्देश दिये। प्रथम चरण में महापौर, सभापति एवं पार्षद जनो को वार्डो में निरंतर नागरिकों से संपर्क कर समस्याओं को निदान करने कहा। प्रभारी ने कहा कांग्रेस की सरकार हैं और मुख्यमंत्री भुपेश बघेल की सरकार जनता के समस्याओं का निदान के लिये त्वरीत पहल कर रही है। 15 साल से रमन सरकार ने जनता के लिये कुछ नहीं किया, बल्कि नागरीको के समस्याओं का बोझ बढ़ा दिया हैं और छत्तीसगढ़ में खुशहाली लाना हमारा पहला काम हैं। वर्तमान में कोरोना महामारी में कांग्रेसजनों द्वारा जनता को दी गई राहत में सुखा राशन, सेनेटाईजर, मॉस्क वितरण में शहर कांग्रेस संगठन एवं महापौर और पार्षदजनों के कार्य को सराहा अन्य प्रदेशों के मजदूर जो यहां से गुजरे उन्हें जो राहत कांग्रेसजनों ने दी उस कार्य के लिये भी सराहना की।

मोहारा में महापौर ने सौंपा अधिकार पत्र, 34 परिवारों को दिया गया स्थाई पट्टा

राजनांदगांव। महापौर हेमासुदेश देशमुख ने शहर के मोहारा वार्ड पहुंची, जहां वे पूर्व निर्धारित पट्टा वितरण कार्यक्रम में शामिल हुई। सादे लेकिन गरिमामय वातावरण और मेयर इन कौंसिल के प्रभारी सदस्यों की मौजूदगी में झुग्गी-झोपड़ी में निवासरत 34 लोगों को छत्तीसगढ़ शासन के राजीव गांधी आश्रय योजना 19 अंर्तगत अधिकार-पत्र (स्थाई पट्टा) वितरित किए।

युवक ने की खुदकुशी

राजनांदगांव। डोंगरगांव वार्ड-9 अटल आवास निवासी 20 वर्षीय मनीष पिता कृष्णा रामटेके ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। घटना बीते शुक्र-शनिवार की दरमियानी रात की है। शुक्रवार सुबह जब घरवाले मनीष को उठाने गएए तो कमरा भीतर से बंद था। आवाज देने पर भी मनीष कमरे से बाहर नहीं आया तो परिजनों ने पड़ोसियों के साथ पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। इसके बाद बेटे को फांसी पर लटका देख परिजन हतप्रभ रह गए। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की विवचेना में जुट गई है।

आकाशीय बिजली से युवक की मौत

राजनांदगांव। अंबागढ़ चौकी के ग्राम भारी में आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रहे एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतक 25 वर्षीय गंगाप्रसाद साहू दोपहर में ही अपने खेत पर काम करने गया था। दोपहर बाद अचानक मौसम को बदलता देख गंगा प्रसाद घर ही लौट रहा था कि रास्ते में तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हो गई। गंगाप्रसाद वहीं ठहर गया, तभी तेज चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरने से मौके पर उसकी मौत हो गई। बारिश थमने के बाद शाम को जब परिजन उसकी तलाश में खेत की ओर गए, तब परिजनों को इसकी खबर लगी। ग्रामीणों के जरिये पुलिस को घटना की सूचना दी गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले को विवेचना में लेकर जांच कर रही है।

छत से गिरने से महिला की मौत

राजनांदगांव। छुईखदान ब्लॉक के ग्राम भुरसाटोला की 43 वर्षीय जानकी पति दिलीप साहू की छत से गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मृतिका जानकी बाई घर की छत पर बंदर भगाने चढ़ी थी। इसी दौरान पैर फिसलने से वो छत से नीचे गई गई। हादसे के बाद गंभीर अवस्था में जानकी को परिजन छुईखदान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे राजनांदगांव मेडिकल अस्पताल लाया गया था।

भाजपा की जनसंवाद रैली में हजारों कार्यकर्ताओं ने भाग लिया

राजनांदगांव। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने मोदी सरकार की 1 वर्ष की उपलब्धि और करोना संक्रमण काल में जन जागरण अभियान की कार्यकर्ताओं को शपथ दिलाने के उद्देश्य से जिला भाजपा की जन संवाद रैली का आयोजन किया गया, जिसमें प्रदेश और जिले के हजारों कार्यकर्ता एवं आम जनता वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुई।

मीडिया सेल द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार जनसंवाद रैली को एकल गीत के माध्यम से शुभारंभ हुआ। तत्पश्चात जनसंवाद रैली के प्रदेश संयोजक राजेश मूणत एवं सह संयोजक भूपेंद्र सविन्नी ने सभी कार्यकर्ताओं को करोना संक्रमण से जनता को बचाने के लिए जन जागरण करने व देश की संप्रभुता की रक्षा एवं भारत को आत्मनिर्भर बनाने के लिए विदेशी वस्तुओं के बहिष्कार की शपथ दिलाई गई। प्रतिवेदन जिला अध्यक्ष मधुसूदन यादव ने देते हुए कहा कि मोदी सरकार ने राष्ट्र को

एकीकृत एवं मजबूत करने के लिए 1 वर्ष के भीतर अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिये।

सांसद संतोष पांडे ने कहा कि भाजपा ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो संक्रमण काल के समय में जनता एवं कार्यकर्ताओं से सतत संपर्क एवं सेवा कार्य में लगी रही। 1 वर्ष के मोदी सरकार के फैसलों पर सांसद ने कहा कि यह सिंहोलोकन करने का समय है और अपने कार्यों का अवलोकन शूरवीर करते हैं। सांसद संतोष पांडे ने प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि बाघनदी में जब मजदूरों की स्थिति बिगड़ने लगी तो समाज सेवी संगठन आगे आए, तो सरकार ने उन्हें रोक दिया तो उन्होंने इस निर्णय पर आश्चर्य व्यक्त किया। श्री पांडे ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं ने डॉ. रमन सिंह के साथ जाकर प्रवासी मजदूरों को राहत सामग्री पहुंचाई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सिर्फऔर सिर्फट्रांसफर, रेत में भ्रष्टाचार और घोटाले करने में माहिर है। शराबबंदी की बात करने वाले कांग्रेसी आज गली गली में शराब बेच रहे हैं। उन्होंने पुलिस प्रशासन पर भी तंज कसा कि कई पुलिस वाले भी शराब विक्रय में शामिल हो चुके हैं, जिससे युवा पीढ़ी अंधकार में जा रही है। जन जनसंवाद रैली के मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदेव साय ने कहा कि मोदी सरकार ने 1 वर्ष के कार्यकाल में ऐसे कार्य संपादित किए हैं जिनकी सैकड़ों वर्षो से उम्मीद नहीं थी राम मंदिर के निर्माण में वातावरण बनाकर शांतिपूर्वक निर्णय पारित कराने में मोदी सरकार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साय ने कहा कि नागरिकता संशोधन अधिनियम वर्षो से गांधी और नेहरू का सपना था जिसे मोदी जी ने पूरा किया है।

श्री साय ने कहा कि तीन तलाक बिल हो या कश्मीर में 370 एवं 35 को समाप्त करने का विषय हो, सभी निर्णय विश्व स्तर पर स्वागत योग्य बताए गए।

कांग्रेस अध्यक्ष रोशनी सिन्हा ने वृद्धा आश्रम में मनाया जन्मदिन

■ आशीर्वाद के साथ केक खिलाकर मुंह मीठा किया

राजनांदगांव (नव प्रदेश)। शहर जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष श्रीमती रोशनी डॉ.घनश्याम सिन्हा ने आज अपना जन्मदिन अत्यंत सादगीपूर्ण ढंग से नगर में स्थित समता मंच द्वारा संचालित भगवान महावीर समता मंच वृद्धा आश्रम में केक कांट कर मनाया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में पार्टीजन कार्यकर्ता पदाधिकारी एवम वृद्धाजन उपस्थित थे।

श्रीमती रोशनी सिन्हा वृद्धा आश्रम गये, जहां उन्होंने पार्टीजनों एवम परिजनों के साथ केक कांट कर जन्मदिन से मनाई।

इस अवसर पर महिला कांग्रेस के प्रदेश सचिव खैरून निशा, मोहिनी सिन्हा, ज्योति शर्मा, प्रतिमा बंजारे, रीना पटेल, शबीना नसरीन, वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री शाहिना कुरैशी, अम्बीका गौतम पार्षद पुर्णिमा नागदेवे एवम नेहा साहू सहित पार्षदगण एवं अन्य लोग अधिक संख्या में उपस्थित थे इस बीच रोशनी सिन्हा ने अपने जन्मदिन पर वरिष्ठों का आशीर्वाद लिया एवं पार्टीजनों की बधाई स्वीकारी तथा वर्तमान में कोरोना वायरस से चलते उपस्थित जनों से इस बीमारी से बचने के उपाय भी बताई।

न्यूज गैलरी

रिलायंस का राइट इश्यू 690 रुपए पर हुआ लिस्ट, बेस प्राइस से ज्यादा मिला भाव

नई दिल्ली। देश का सबसे बड़ा रिलायंस इंडस्ट्रीज के राइट्स इश्यू की शेयर बाजार में आज शानदार लिस्टिंग हुई। रिलायंस इंडस्ट्रीज के राइट्स शेयर्स बेस प्राइस 646 रुपए की तुलना में 690 रुपए पर लिस्ट हुआ। पूंजी बाजार के नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड से अनुमति मिलने के बाद 15 जून 2020 को रिलायंस राइट्स इश्यू शेयरों का कारोबार शुरू हो गया है। रिलायंस के 53,124 करोड़ रुपए का राइट्स इश्यू 3 जून को बंद हुआ था और यह करीब 1.5 गुना अधिक सब्सक्राइब हुआ था। राइट्स इश्यू के तहत शेयरधारकों को आरआईएल ने 15 शेयरों पर एक शेयर आवंटित किया है। शेयर का दाम 1257 रुपये रखा गया था। आवेदन के साथ शेयरधारकों को केवल 25 फीसद यानी 314.25 रुपये चुकाने थे. बाकी बची रकम 2 किस्तों में चुकानी है। बता दें इस राइट्स इश्यू के बाद मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज में हिस्सेदारी 12 साल में सबसे ज्यादा हो गई है। अब उनकी हिस्सेदारी बढ़कर 49.14 फीसदी हो गई है। मुकेश अंबानी परिवार ने राइट्स में 28,286 करोड़ रुपए डाले हैं।

सेंसेक्स 552 अंक लुढ़ककर ढाई सप्ताह के निचले स्तर पर

मुंबई, (वार्ता)। विदेशों से मिले नकारात्मक संकेतों के बीच घरेलू शेयर बाजारों में चौतरफा बिकवाली से बीएसई का सेंसेक्स आज 552 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 159 अंक लुढ़क गया। पिछले कारोबारी दिवस बढ़त में रहने वाला सेंसेक्स 552.09 अंक यानी 1.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 33,228.80 अंक पर और निफ्टी 159.20 अंक अर्थात् 1.60 फीसदी फिसलकर 9,813.70 अंक पर आ गया। यह दोनों सूचकांकों का 29 मई के बाद का निचला स्तर है।

शादियों के सीजन में सस्ता हुआ सोना, जानें 15 जून का ताजा भाव

नई दिल्ली (ए.)। शादियों के सीजन में सोना-चांदी सस्ता हो गया है। आज यानी सोमवार सुबह देशभर के सर्राफा बाजारों में सोने का हाजिर भाव में 99 रुपये की कमी आई है। आज 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव 47278 रुपये पर आ गया है। वहीं 23 कैरेट से लेकर 18 कैरेट तक के सोने के भाव में भी गिरावट देखने को मिल रही है। वहीं चांदी 1255 रुपये प्रति किलो सस्ती हुई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट उनकी औसत कीमत

अपटेड करती है। मुताबिक 15 जून 2020 को सोने-चांदी के रेट इस प्रकार रहे। 23 कैरेट सोने का दाम आज 99 रुपये गिरकर 47089 रुपये प्रति दस ग्राम पर आ गया है तो वहीं 22 कैरेट सोना 43307 रुपये के रेट से बिक रहा है। जबकि 18 कैरेट सोने का मूल्य 35459 रुपये है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन दिल्ली के मीडिया प्रभारी राजेश खोसला के मुताबिक द्भड्डद्ध्रड्ड देशभर के 14 सेंटरों से सोने-चांदी का करेंट रेट लेकर इसका औसत मूल्य बताता है। खोसला कहते हैं कि सोने-चांदी का करेंट रेट या यूं कहें हाजिर भाव अलग-अलग जगहों पर अलग हो सकते हैं पर इनकी कीमतें में मामूली अंतर होता है।

सोने का वायदा भी कमजोर

वहीं हाजिर भाव की तरह सोना वायदा भी सोमवार को गिर गया। सोना वायदा आज 0.68 प्रतिशत की गिरावट के साथ 47,011 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अगस्त डिलीवरी के लिए सोने की कीमत 323 रुपये की गिरावट के साथ 47,011 रुपये प्रति 10 ग्राम पर 14,120 लॉट का कारोबार हुआ। अक्टूबर डिलीवरी के लिए पीली धातु 420 रुपये या 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ 47,083 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 557 लॉट के लिए कारोबार हुआ। न्यूयॉर्क में सोना 0.71 प्रतिशत नीचे यानी 1,725 अमरीकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

विदेशों में कमजोर रुख से कीमतों में गिरावट

चांदी वायदा सोमवार को 790 रुपये की गिरावट के साथ 46,900 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में जुलाई डिलीवरी के लिए चांदी का अनुबंध 790 रुपये या 1.66 प्रतिशत की गिरावट के साथ 10,562 लॉट के लिए कारोबार हुआ।इसी प्रकार, सितंबर डिलीवरी के लिए चांदी 857 रुपये या 1.77 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,778 लॉट के लिए कारोबार में 47,671 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। विश्लेषकों के मुताबिक विदेशी बाजारों में कमजोर रुख के कारण मुख्य रूप से घरेलू बाजार में चांदी की कीमतों पर दबाव रहा।इस बीच, न्यूयॉर्क में चांदी 1.24 प्रतिशत कमजोर होकर 17.27 डॉलर प्रति औंस हो गई।

इस साल रुला नहीं पाएगा प्याज, मोदी सरकार ने कर दिया इलाज

महंगाई पर लगाम कसने सरकार ने खरीदा प्याज

नई दिल्ली (ए.)। साल 2019 में सबसे ज्यादा चर्चा में प्याज रहा। प्याज ने आम लोगों को रुलाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। प्याज के दाम देश के कई शहरों में 200 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए थे, लेकिन इस बार केंद्र सरकार ने ऐसे उपाय किए हैं कि इसकी महंगाई पर लगाम लगाई जा सके। बता दें इस समय अच्छी औसत गुणवत्ता वाले प्याज की कीमत 1,000 रुपये से 1,400 रुपये प्रति क्विंटल के बीच है। प्रमुख शहरों में प्याज की कीमतें 20 रुपये से 30 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच हैं, जबकि पिछले साल सितंबर, अक्तूबर और नवंबर महीनों में प्याज के दाम देशभर में रिकॉर्ड ऊंचाई पर बने रहे।

प्याज की कीमतों को काबू में रखने के लिए नेफेड ने कि सरकार की ओर से बफर स्टॉक बनाने के लिए उसने अब तक 25,000 टन प्याज खरीदा है। ये खरीद किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ), सहकारी समितियों और प्रत्यक्ष खरीद केंद्रों से प्रचलित दरों पर की गई। पिछले साल, नेफेड ने 2018-19 रबी (सर्दियों) की फसल से कुल 57,000 टन प्याज खरीदा था। नेफेड ने कहा कि इस बार प्रमुख उत्पादक राज्यों से एक लाख टन प्याज खरीदने का लक्ष्य है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) ने एक बयान में कहा कि इस पहल से कोविड-19 महामारी के प्रकोप के दौरान प्याज की घरेलू कीमतों को स्थिर रखने में मदद मिलेगी और साथ प्याज की कमी वाले महीनों में भी कीमतें कम रहेंगी। नेफेड पहले ही प्रचलित दरों पर 25,000 टन प्याज खरीद चुका है। यह खरीद महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में एफपीओ, सहकारी समितियों के साथ ही प्रत्यक्ष खरीद केंद्रों के जरिए की जा रही है।

लॉकडाउन के दौरान खूब हुई सिगरेट की तस्करी

11.88 करोड़ की विदेशी ब्रांड की बड़ी खेप पकड़ी

नई दिल्ली (ए.)। प्रमुख उद्योग मंडल फिक्की की एक समिति ने सोमवार को कहा कि पिछले कुछ माह के दौरान प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा तस्करी से लाई गई आयातित सिगरेट की खेप जब्त होने के बढ़ते मामले यह दर्शाते हैं कि कोरोना वायरस महामारी के कारण लागू लॉकडाउन के दौरान सिगरेट की तस्करी बढ़ी है।

अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाली तस्करी और नकली उत्पाद गतिविधियों के खिलाफ फिक्की द्वारा गठित समिति (कास्केड) ने कहा है कि नवी मुंबई स्थित जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट (जेएनपीटी) में 12 जून को 11.88 करोड़ रुपये की

विदेशी ब्रांड सिगरेट की बड़े खेप पकड़ी गई। लाकडाउन लागू होने के बाद से यह सबसे बड़ी खेप है जो जब्त की गई। फिक्की कास्केड ने एक वक्तव्य में कहा, ''पूरे देश में इस तरह का रुझान देखा गया। सड़क परिवहन, कार्गो और यात्री सामान में इस तरह का माल पकड़ा गया है।

तस्करी की इन घटनाओं पर चिंता व्यक्ति करते हुए फिक्की कास्केड के चेयरमैन अनिल राजपूत ने कहा, ''पूरी दुनिया में सिगरेट की तस्करी एक बड़ा गोरखधंधा है और भारत इसके लिए लगातार उपयुक्त स्थान बना हुआ है। देश जहां एक तरफ कोरोना वायरस की समस्या से जूझ रहा है , वहीं इस तरह के तस्करी के सामान लगातार अधिक मात्रा में जब्त हो रहे हैं।

फिक्की कास्केड ने हाल के एक अध्ययन का हवाला देते हुए कहा कि सिगरेट तस्करी आज की स्थिति में काफी लाभकारी गतिविधि हो गई है। इसकी वजह से 3.34 लाख के करीब रोजगार का भी नुकसान हुआ है। ऐसे में सरकार को अधिक सतर्कता बरतने की जरूरत है।

कोरोना से जुड़ी बीमा पॉलिसी देगी 50000 से लेकर पांच लाख रुपये तक का कवर

नई दिल्ली (ए.)। बीमा नियामक इरडा ने कोरोना संकट को देखते हुए कोरोना से जुड़ी बीमा पॉलिसी को लेकर नया मसौदा जारी किया है। इसके मुताबिक बीमा कंपनियों को उपभोक्ताओं के फायदे के आधार से जुड़ी पॉलिसी पेश करनी होगी। नियामक ने कहा कि उसने पिछले प्रस्तावों को वापस ले लिया है। नए प्रस्ताव के मुताबिक कोरोना से जुड़ी बीमा पॉलिसी में कंपनियों को 50 हजार रुपये से लेकर पांच लाख रुपये तक का कवर देना होगा। यह एक साल की अवधि के लिए मान्य होगा। मसौदे के मुताबिक यदि बीमाधारक कोरोना का इलाज कराता है और उस उसका खर्च 50 हजार रुपये और कवर तीन लाख रुपये है तो वह 2.50 लाख रुपये का क्लेम आगे कोरोना से जुड़ी बीमारी में ले सकता है। हालांकि, बीमा कुछ बीमा कंपनियों का कहना है कि इससे बीमाधारक को ज्यादा फायदा नहीं होगा। वहीं बीमा विशेषज्ञों का कहना है कि नियामक ने नए मसौदा प्रस्ताव के जरिये कई बातें स्पष्ट कर दी हैं और आशंकाओं को भी दूर कर दिया है।उनका कहना है कि यदि किसी ने तीन लाख रुपये का कवर लिया है और इलाज पर खर्च 3.50 लाख रुपये आता है तो 50 हजार रुपये बीमाधारक को अपनी जेब से खर्च करना पड़ सकता है।

टायलेट पेपर और हैंड सेनिटाइजर की तरह अब साइकिल खरीद रहे लोग

पोर्टलैंड (अमेरिका)। कोरोना वायरस महामारी के इस दौर में शारीरिक फिटनेस के लिए जिम जाने वाले वहां जाने से बच रहे हैं। यात्री सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने से डर रहे हैं और परिवार घर के भीतर उतावले हो रहे हैं ऐसे में साइकिल बाजार में बिक्री ने जोर पकड़ लिया है और यह इतनी तेजी से बढ़ रही है जैसी पिछले दशकों में नहीं देखी गई।

अमेरिका में वालमार्ट और टारगेट जैसे बड़े विक्रेताओं के पास साइकिलों का स्टॉक समाप्त हो चुका है। छोटी दुकानों में भी इसकी अच्छी बिक्री हो रही है। इन दुकानों में सस्ती ''पारिवारिक बाइक बिक रही हैं। अमेरिका में पिछले दो माह के दौरान साइकिलों की बिक्री में 1970 के तेल संकट के बाद से सबसे बड़ा उछाल दर्ज किया गया है। जे. टावनली का यह कहना है। वह मानव जनित समाधान के तहत साइकिल उद्योग का विश्लेषण करते हैं। टावनली ने कहा, ''लोग काफी घबराहट में हैं और वह टायलेट पेपर की तरह अब साइकिल खरीद रहे हैं। जिस प्रकार महामारी की शुरुआत में लोग टायलेट पेपर और हैंड सेनिटाइजर खरीदने के लिए स्टोरों में उमड़ पड़े थे उसी प्रकार अब साइकिल की खरीदारी हो रही है। यह नजारा पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। जिन शहरों की सड़कों पर कारों का जमावड़ा रहता था। उन शहरों में अब साइकिलों के लिये अलग लेन बनाई जा रही है। सड़कों पर साइकिल बढ़ने से उनके लिये अलग व्यवस्था की जा रही है जबकि सार्वजनिक परिवहन में कटौती की गई है।

इटली में साइकिल खरीदने पर 60% खर्च सरकार दे रही

लंदन के स्थानीय निकाय ने शहर के कुछ अंदरूनी इलाकों में कार आने जाने पर रोक लगाने की योजना बनाई है। वहीं फिलिपींस की राजधानी में साइकिल की बिक्री करने वाले दुकानदारों का कहना है कि क्रिसमस त्यौहार के मुकाबले मांग अच्छी है। इटली में साइकिल बिक्री के लिए सरकार की तरफसे प्रोत्साहन दिया जा रहा है। लॉकडाउन के बाद के प्रोत्साहन पैकेज में साइकिल के मूल्य पर 60 प्रतिशत तक की छूट दी जा रही है।

भारत की सबसे ज्यादा बिकने वाली कार बनी मारूति सुजुकी ऑल्टो

- लगातार 16 सालों से देश की निर्विवादित सबसे ज़्यादा बिकने वाली कार
- कॉपैक्ट डिज़ाइन, नए सुरक्षा फीचर्स, आसान गतिशीलता, उच्च ईंधन दक्षता के साथ ऑल्टो कार खरीददारों की पहली पसंद बनी हुई है

इंदौर (ए.)। मारूति सुजुकी ऑल्टो 16 सालों से लगातार भारत की सबसे ज़्यादा बिकने वाली कार बनी हुई है। ऑल्टो पहली बार कार खरीदने वालों की पहली पसंद बनी हुई है और युवा भारत के लिए गर्व का स्रोत रही है। सितम्बर 2000 में लॉन्च के बाद पिछले सालों के दौरान ऑल्टो की लोकप्रियता तेज़ी से बढ़ी है और यह भारतीय कार खरीददारों के लिए गर्व का प्रतीक बन चुकी है। ऑल्टो की यह धरोहर पिछले दो दशकों से बरक़रार है, 2004 में यह भारत

की सबसे ज़्यादा बिकने वाली कार बन गई। बड़े पैमाने पर ऑल्टो की बेजोड़ लोकप्रियता के चलते यह पिछले सालों के दौरान बेहद प्रतिस्पर्धी पैसेंजर कार सेगमेन्ट में सबसे ज़्यादा बिकने वाला मॉडल बनी हुई है। आल्टो तेज़ी से बदलते भारतीय कार ग्राहकों के अनुसार अपने आप में बदलाव और इनोवेशन लाती रही है। ऑल्टो कॉम्पैक्ट आधुनिक डिज़ाइन, आसान गतिशीलता, उच्च ईंधन दक्षता, बेहतर सुरक्षा आरामदायक फीचर्स का अनूठा संयोजन है। नई ऑल्टो के सुविधाजनक फीचर्स, स्टाइलिश लुक और मारूति सुजुकी का भरोसा एवं विश्वसनीयता इसे भारतीय ग्राहकों के लिए बेहद आकर्षक बनाते हैं।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बात करते हुए श्री शशांक श्रीवास्तव, एक्ज़क्टिव डायरेक्टर (मार्केटिंग एण्ड सेल्स), मारूति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने कहा, ''भारतीय ऑटो उद्योग में लगातार नए बेंचमार्क स्थापित करते हुए ऑल्टो पिछले 16 सालों से प्रतिस्पर्धी प्रविष्टी सेगमेन्ट में अपना प्रभुत्व बनाए रखते हुए निर्विवादित लीडर बनी हुई है। अपने बेजोड़ परफोर्मेन्स, कॉम्पैक्ट डिज़ाइन, आसान गतिशीलता, उच्च ईंधन दक्षता, किफ़ायती कीमत, सुविधा एवं सुरक्षा संबंधी अपग्रेड्स के साथ ऑल्टो देश भर में ग्राहकों को लुभाती रही है, 76 फीसदी ग्राहक अपनी पहली कार के रूप में ऑल्टो को ही पसंद करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऑल्टो की बेजोड़ यात्रा ने नए एवं युवा भारत को गतिशीलता के नए आयाम दिए हैं। ऑल्ओ का मजबूत ग्राहक आधार, ब्राण्ड समय पर अपग्रेड्स एवं इनोवेशन्स की पुष्टि करता है। मारूति सुजुकी हमेशा से ग्राहकों की बदलती पसंद के अनुसार अपने उत्पादों की रेंज में ज़रूरी बदलाव लाती रही है। ऑल्टो पिछले 16 सालों से लगातार भारत की सबसे ज़्यादा बिकने वाली कार बनी हुई है, हम ग्राहकों के प्रति आभारी हैं, कि उन्होंने ब्राण्ड में इतना भरोसा दिखाया है।'' डायनामिक नए एरो ऐज डिज़ाइन और नए सुरक्षा फीचर्स के साथ ऑल्टो ग्राहकों को यादगार अनुभव प्रदान करती है। ऑल्टो, प्रविष्टि स्तर में बीएस6 कम्प्लायन्ट बनने वाली भारत की पहली कार थी, इसका पेट्रोल वर्ज़न 22.05 तथा सीएनजी वर्ज़न 31.56 माइलेज देता है। नई ऑल्टो के स्टैण्डर्ड सुरक्षा फीचर्स में शामिल हैं ड्राइवर साईड एयरबैग, एबीएस एवं ईबीडी, रिवर्स पार्किंग सेंसर, हाई स्पीड एलर्ट सिस्टम और ड्राइवर एवं सह-यात्री दोनों के लिए सीट-बेल्ट रिमाइंडर। यह दुर्घटना एवं पैदलयात्री की सुरक्षा के लिए नए विनियमों के अनुरूप भी है।

आज का भविष्यफल

मेष :बीते कुछ दिनों की अपेक्षा आज का दिन अधिक अनुकूल महसूस होगा। आज आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। आज का लिया गया सफल निर्णय आपके कल का निर्माण करेगा। दिन की सकारात्मकता का लाभ अपने पक्ष में अवश्य लें।

वृषभ :आज का दिन व्यस्तता में बीतेगा। आज आपको अपने कार्य के अलावा कुछ और करने या सोचने का समय भी कम मिलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें, मास्क लगाकर ही घर से बाहर निकलें।

मिथुन :ग्रह-नक्षत्रों ने आज आपके लिए अनुकूल भाग्य लिखा है। दिन सुखमय व्यतीत होगा, कोई नई योजना अवश्य बनाएं और उसे क्रियान्वित भी करें। आज आप एक महत्वपूर्ण परियोजना आरंभ करने वाले हैं।

कर्क :आज सतर्क और सावधान रहें। घर में रहें या बाहर अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहना चाहिए। घर से बाहर मास्क लगाकर निकलें और सोशल डिस्टन्सिंग का ध्यान रखें।

सिंह :कार्यक्षेत्र में वरिष्ठजनों का दबाव होगा लेकिन आमदनी में बढ़ोतरी होगी। जीवनसाथी से प्रेम और सहयोग मिलेगा। निजी संबंध प्रेमपूर्ण और सहयोगपूर्ण रहेंगे।

कन्या :आज जिन लोगों को आप जानते हैं उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्त्रोत मिलेंगे। आलस्य त्यागकर आज आपको अपनी शारीरिक सक्रियता को बढ़ाना होगा।

तुला :आज आप उर्जा से भरपूर होंगे और कुछ असाधारण करेंगे। घर वालों के साथ समय बिताना खुशनुमा अनुभव रहेगा। ज्ञान में इजाफा होगा। जीवन के सभी क्षेत्रों में प्रगति की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

वृश्चिक :आज आप शारीरिक तथा मानसिक रूप से अपने आपको शिथिल महसूस करेंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से परेशान होने के बावजूद आप जो भी कार्य साहस के साथ करेंगे, उसमें सफलता मिलेगी।

धनु :आज कोई बड़ी योजना अथवा विचार आपको अपनी ओर आकर्षित करेगा, जिससे आप लाभान्वित भी होंगे। आज पराक्रम के बल पर लाभ का योग है।

मकर :आज धन से जुड़े लेन-देन में काफी सावधानी की जरूरत है। कर्ज अगर आपने लिया हो, तो आज उसे उतारने का प्रयास करें। आप परिवर्तन के महत्वपूर्ण मुहाने पर खड़े हैं। किसी कठिन दौर से गुजर सकते है। लेकिन याद रखें।

कुंभ :आज आपके अंदर आत्मविश्वास कूट-कूट कर भरा है, ऐसे में आज के दिन का उपयोग सही दिशा में करना ही आपके लिए श्रेयस्कर होगा। निजी संबंधो पर भावनाएं हावी रहेंगी। अन्तर्मन की पुकार को सुनें। हर मामले में अतिवादी होने से बचें।

मीन :आज चंद्रमा का संचार आपकी राशि में हो रहा है। जो भी योजना बनाएंगे उनमें आप सफल होंगे। शुभ कार्यों

सू- दोकू क्र.054

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र 53 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2
9	2	3	6	8	5	7	1	4

शब्द सामर्थ्य -054

बाएं से दाएं :

[illegible]

ऊपर से नीचे

[illegible]

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 53 का हल

न्यूज गैलरी

चॉबी निकालने के दौरान स्टार्ट हुई कार सामने खड़ा बच्चा आया चपेट में, मौत

रायपुर। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी थाना क्षेत्र में एक घटना में एक महिला अनजाने में अपने बेटे की मौत का कारण बन गई। महिला द्वारा कार की चॉबी निकालने के दौरान कार अचानक स्टार्ट हो गई और कार के सामने खड़े बेटे को टक्कर मार दी, जिससे उसकी गंभीर चोटें आने से मौत हो गई। इस घटना के बाद से मां सदमे में है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक घटना गुढ़ियारी कृष्णा नगर की है। यहां रहने वाला अरुण ध्रुववंशी की बोलेरो कार उसके घर के पास खड़ी थी। वाहन में चॉबी लगी रह गई थी, जिसे निकालने उसने पत्नी सरिता से कहा। सरिता जब कार से चॉबी निकालने लगी तो गलती से गाड़ी स्टार्ट हो गई। चूंकि गाड़ी पहले से गेयर में थी इसलिए कार तेजी से आगे बढ़ी। इस घटना के बाद सरिता का 8 वर्षीय बेटा अनुराग गाड़ी के सामने खड़ा था, जो उसकी चपेट में आ गया। हादसे में अनुराग को काफी गंभीर चोटें आई जिसे तत्काल एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इधर अपने बच्चे की मौत का अनजाने में कारण बनी मां सदमें में है। पुलिस ने धारा 304 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

छग सराफा व्यापारियों ने शाम 7 बजे दुकानें बंद करने का लिया निर्णय

रायपुर। कोरोना वायरस की महामारी को देखते हुए छत्तीसगढ़ के सराफा व्यापारियों ने अपनी दुकानें रात 9 बजे की जगह रोजाना रात 7 बजे बंद करने तथा रविवार को पूर्ण रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष हरख मालू ने बताया कि आज से यह फैसला लिया है कि तमाम दुकानों को शाम 7 बजे तक बंद की जाएगी।

संकटकाल में सही सूचना पहुंचाने में जनसंपर्क ने निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

बिना संसाधन भी राज्यों में सूचनाओं का प्रवाह थमने नहीं दिया-तारण प्रकाश

■ वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से जनसम्पर्क अधिकारियों को किया सम्बोधित

नवप्रदेश संवादाता

रायपुर। जनसम्पर्क आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा ने आज वीडियो कान्फ्रेसिंग के जरिए जिला जनसंपर्क अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोरोना महामारी के समय जनता तक सही और प्रामाणिक सूचना पहुंचाने में जनसम्पर्क अधिकारियों की भूमिका अत्यन्त महत्वपूर्ण है। कोरोना संकट एवं लॉकडाउन के दौरान जनसंपर्क अधिकारियों ने अपने दायित्वों का सेवा भावना से निर्वहन किया है। जब देश और प्रदेश में बस, रेल यातायात सब बंद थे, लेकिन उस समय भी छत्तीसगढ़ में सूचनाओं का प्रवाह थमा नहीं था। आयुक्त ने जनसंपर्क अधिकारियों की मेहनत एवं कर्तव्य परायणता के लिए मुक्त कण्ठ से प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि संकट अभी टला नहीं है, हमें आवश्यक सावधानी बरतते हुए समाज एवं जनता के प्रति अपनी जिम्मेदारी का सतत् निर्वहन करना है।

आयुक्त श्री सिन्हा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा कोरोना संकट

से निपटने के लिए व्यापक प्रबंध किए गए हैं। जिले में मैदानी अमला क्वारंटाईन सेन्टर बनाने एवं उसके प्रबंधन व संचालन में दिन-रात काम में लगे हैं। हमारे डॉक्टर और हेल्थ वर्कर लगातार पीडितों का उपचार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एवं शासकीय अमला द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यो को आम जनता तक पहुंचाने के लिए प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथ-साथ सोशल एवं डिजिटल मीडिया का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य सुरक्षा के संबंध में किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरें न फैले इसलिए अफवाहों पर नजर रखें और तत्काल इसकी सूचना जिला प्रशासन एवं उच्च अधिकारियों को दें। श्री सिन्हा ने कहा कि सही तथ्यों के साथ त्वरित रूप से सूचना देकर हम अफवाह एवं भ्रामक सूचनाओं को फैलने से रोक सकते हैं।

बैठक में कोविड-19 के नियंत्रण, राहत व्यवस्था एवं क्वारंटाईन सेन्टर में की गयी व्यवस्थाओं की सूचना जनहित में व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए गए। राज्य सरकार के फ्लैगशिप योजनाओं के साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना, लघु वनोपजों के संग्रहण, वनोत्पाद के विक्रय, लोक सेवा गारंटी अधिनियम आदि पर आधारित सफलता की कहानियां जारी करने के निर्देश दिए गए। मानसून के आगमन के साथ ही ग्रामीण क्षेत्र में खेती-किसानी की तैयारी, रासायनिक खाद एवं बीजों का भण्डारण एवं किसानों द्वारा उठाव से संबंधित सूचनाओं पर आधारित खबरें किसानों के हित में लगातार जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर संचालक द्वय श्री जे.एल. दरियो एवं श्री उमेश मिश्रा, संयुक्त संचालक श्री संजीव तिवारी, श्री आलोक देव एवं श्री संतोष मौर्य भी उपस्थित थे।

डा. रमन अपनी राजनीति के लिए दूसरी जमीन तलाशें : लखमा

■ लखमा ने पूछा, अपने 15 साल के लंबे कार्यकाल में शराबबंदी को लेकर डा. रमन सिंह ने क्या कदम उठाया

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर । छत्तीसगढ़ में शराबबंदी को लेकर पूर्व सीएम डा. रमन सिंह के बयान पर पलटवार करते हुए राज्य के आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने कहा कि डा. रमन सिंह को शराब पर राजनीति नहीं करनी चाहिए। कांग्रेस सरकार चरणबद्ध ढंग से शराबबंदी के पक्ष में है। भाजपा नेताओं को शराब विक्रय से इतनी ज्यादा परहेज है तो अपने 15 साल के शासनकाल में डा. रमन सिंह ने क्या किया है प्रदेशवासी अच्छे से जानते हैं। राज्य के आबकारी मंत्री कवासी लखमा ने पूर्व मुख्यमंत्री डा. रमन सिंह पर तीखा पलटवार करते हुए कहा कि डा. रमन सिंह को अब राजनीति के लिए दूसरी जगह देख लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि शराब विक्रय को लेकर

डा. रमन सिंह राजनीति कर रहे हैं, उन्हें ऐसा नहीं करना चाहिए। भाजपा के शासनकाल में प्रदेश भर में नकली शराब बिकती रही, कोचियों के माध्यम से गांव-गांव और गली-गली में अवैध शराब की बिक्री होती रही और डा. रमन सिंह आंख मूंदे बैठे रहें। अब कांग्रेस के शासनकाल में डा. रमन सिंह को शराब विक्रय से परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि राज्य में नकली शराब बिकने का रिकार्ड भी डा. रमन सिंह के कार्यकाल के नाम है।

कांग्रेस शासनकाल में अच्छी क्वालिटी की शराब बिक रही है। आज भाजपा के नेता शराब दुकानें बंद करने की बात करते हैं, अपने 15 साल के कार्यकाल में उन्होंने कितनी शराब दुकानें बंद की, केवल इतना ही राज्य की जनता को बता दें। श्री लखमा ने कहा कि हमारी सरकार ने कई शराब दुकानों को बंद कर दिया है। इस वर्ष भी कई दुकानों को बंद करने पर गंभीरता से विचार हो रहा है।

राज्य सरकार एक बार में शराब दुकानें बंद नहीं कर सकती, राज्य में शराबबंदी एक झटके में संभव ही नहीं है। इसे चरणबद्ध ढंग से अंजाम दिया जा रहा है, इस बात पर भी भाजपाईयों को आपत्ति है। यदि इतनी आपत्ति थी कि अपने 15 साल के कार्यकाल में जो कि एक लंबा वक्त होता है, आज तक प्रदेशभर में पूर्ण शराबबंदी हो जानी चाहिए थी। वहीं इस मुद्दे पर कांग्रेस प्रवक्ता आरपी सिंह ने भी पूर्ववर्ती सरकार को जमकर कोसते हुए कहा कि अभी प्रदेश में नए भाजपा अध्यक्ष आए हैं, उनके सामने सक्रिय रहने के लिए डा. साहब को कोई न कोई तो मुद्दा चाहिए ही। इसीलिए शराब का मुद्दा लिए बैठे हैं, पर उन्हें भुलना नहीं चाहिए कि उनकी 15 साल तक प्रदेश में सरकार रही है।

अब शहर के गली-मोहल्लों से भी मिलने लगे कोरोना के मरीज

■ कोविड-19 की भयावह स्थिति आने लगी सामने

रायपुर । छत्तीसगढ़ में कोविड-19 का संक्रमण तेजी से फैलता जा रहा है, शहर के गली-मोहल्लों में भी अब कोरोना के मरीज मिलने लगे हैं, यह आने वाले गंभीर संकट का ईशारा है। यदि अब भी इस संक्रमण से निपटने के लिए ठोस और कठोर कदम नहीं उठाया गया तो आने वाले समय में यह संक्रमण विकराल रूप धारण कर लेगा। इस बात का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इस बीमारी के बाद लगे लॉकडाउन में पूरे छत्तीसगढ़ में कोरोना के मरीज का आंकड़ा 30 से ऊपर नहीं गया था, वहीं अब यह आंकड़ा 1600 को पार कर चुका है।

कोरोना संक्रमण के शुरूआती दौर में जब देशभर में लॉकडाउन लगा था। छत्तीसगढ़ में भी इस बीमारी के मरीज ऊंगलियों में गिने जा सकते थे। पुराने आंकड़ों को देखें तो छत्तीसगढ़

के लिए एक वक्त यह भी था जब यहां केवल और केवल 2 मरीज ही संक्रमित होकर उपचार करा रहे थे और उनकी भी स्थिति काफी बेहतर थी। छत्तीसगढ़ देश के उन चुनिंदा राज्यों में से था जहां कोरोना के पांव पूरी तरह से उखड़ चुका था और यहां कोरोना संक्रमित मरीजों का अधिकतम आंकड़ा किसी भी कीमत पर 30 को पार नहीं कर पाया था। इसके बाद लॉकडाउन खुलते ही और प्रवासियों के आवाजाही शुरू होते ही यह आंकड़ा अब तेजी से बढ़ने लगा है। देश के विभिन्न राज्यों और शहरों में फंसे लोग जैसे ही छत्तीसगढ़ पहुंचे यहां कोरोना संक्रमण तेजी से फैला और अब यह आंकड़ा धीरे-धीरे बढ़ते हुए 1600 को पार कर गया है। विचारणीय है कि ढाई करोड़ की आबादी वाले राज्य में जहां कोरोना संक्रमितों की संख्या उंगलियों में गिनी जा सकती थी आज यह आंकड़ा 16 शतक को भी पार कर चुका है। यदि संक्रमण फैलने की यही रफ्तार रही तो आने वाले समय में पूरे राज्य में यह बीमारी हर एक व्यक्ति तक पहुंच जाएगी और तब स्थिति काफी भयावह होगी। इस संक्रमण से निपटने के लिए राज्य सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, लेकिन समझदारी जनता को दिखानी होगी। सरकार द्वारा तय मापदंडों का कड़ाई से पालन करना होगा, सबसे अहम बात हमें हर हाल में सामाजिक दूरी का पालन करना ही होगा। इसका सबसे अच्छा उपाय है कि हम स्वयं से पहल करते हुए भीड़भाड़ वाले इलाकों से दूर रहें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।